जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

The Power Dynamics Shaping This War

Israeli intelligence found that Tehran was about to weaponise, the Revolutionary Guard had capabilities to assemble 15 nuclear bombs

Arrowhead Leaves But With A Roar

Final act of defiance against her illness came just three days before her death, Arrowhead took down a crocodile in Padam Talab

राहुल गांधी, अब देश का प्रधानमंत्री बनने को तैयार ही नहीं, तत्पर हैं

पहली बार वे अपने जन्म दिन, 19 जून को आयोजित ''फंक्शन'' में भाग लेने, 18 जून की रात को भारत लौट आए

- आज से पहले राहुल का जन्म दिवस, एक प्राइवेट मामला होता था तथा 19 जून को प्रायः विदेश में रहते थे, शायद आम कार्यकर्ता से मिलने से कतराने के कारण।
- पर, अब यह हिचकिचाहट खत्म हो गई है तथा पार्टी के कार्यकर्ताओं को सूचित कर दिया गया था कि दोपहर में दो बजे राहुल एआईसीसी में आयेंगे, जन्म दिन पर उनके अभिवादन स्वीकार करने।
- पहली बार राहुल के जन्म दिवस पर दिल्ली के प्रमुख अखबारों में पूरे पृष्ठ के विज्ञापन छपे, राहुल गांधी को जन्म दिन की बधाई देते हुए।
- राहुल गांधी में यह परिवर्तन तब से आया है, जब से वे संसद में ''लीडर ऑफ ऑपोज़िशन'' (विपक्ष के नेता) बने हैं तथा इस पद से जुड़ी गरिमा, प्रतिष्ठा व अधिकार से काफी प्रभावित हुए हैं तथा जिस प्रकार का रोब, रूतबा व महत्व मोदी को मिला, प्र.मंत्री के रूप में, वे मानते हैं, उन्हें भी मिलना चाहिए।
- वे यह भी मान रहे हैं कि उनका ''कास्ट कार्ड'' उन्हें प्र.मंत्री पद तक पहुँचायेगा और उनकी प्र.मंत्री की कुर्सी तक की पद यात्रा अब आसान भी हो गई है, क्योंकि मोदी कमज़ोर पड़े हैं, भाजपा व संघ के मतभेदों के कारण तथा नीतीश कुमार की बीमारी व शारीरिक कमज़ोरी के कारण, वे बिहार में जरूर जीतेंगे। साथ ही अमेरिका व ट्रंप अब मोदी का उतना समर्थन नहीं कर रहे, जो पहले करते थे।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 जून। राहुल गांधी अब वह अनिच्छुक राजनीतिज्ञ नहीं रहे, जैसा उन्हें वर्षों तक बताया जाता रहा है।

कांग्रेस के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि अब वह स्वयं को देश के सर्वोच्च पद के लिए तैयार मानते हैं। इससे भी अधिक, अब वह भारत के प्रधानमंत्री बनने के लिए उत्सुक और इच्छुक हैं।

यह परिवर्तन विपक्ष के नेता बनने के बाद आया जब उन्होंने इस पद के साथ आने वाली सत्ता और प्रभाव का अनुभव किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चारों ओर व्याप्त सत्ता की ताकत, पद और प्रतिष्ठा ने भी उन्हें बहुत प्रभावित किया है।

राहुल गांधी का जन्मदिन पार्टी के कई लोगों के लिए आंखें खोलने वाला रहा और अब कांग्रेस के भीतर यह चर्चा ज़ोर पकड़ रही है कि राहुल अब प्रधानमंत्री पद की ज़िम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं।

राहुल गांधी के लिए उनका जन्मदिन हमेशा एक निजी मामला रहा है। वह अक्सर 19 जून को देश से बाहर रहते थे, न ही कांग्रेसजनों से मिलते थे और न ही शुभकामनाएं देने आने वाली भीड़ से।

इस बार सब कुछ बिल्कुल अलग था, जिसने सभी का ध्यान खींचा।

अपने जन्मदिन की पूर्व संध्या पर वह दिल्ली लौटे।

यह वापसी उनकी मां सोनिया गांधी की तबीयत के कारण नहीं थी, क्योंकि उन्हें उसी सुबह अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी और राहुल उन्हें घर लाने गए थे।

अप्रत्याशित रूप से वह 24 अकबर रोड स्थित एआईसीसी कार्यालय पहुंचे। उनके आने से पहले संदेश दिया गया था कि वह दोपहर 2 बजे वहां आएंगे। उन्होंने वहां मौजूद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विशाखापट्टनम में योग करेंगे प्र.मंत्री

नयी दिल्ली, 20 जून। देश और दुनिया भर में कल 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जायेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में सामूहिक योग कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगे तीन लाख से अधिक लोगों के साथ योगासन करेंगे।

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के साथ केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित योग संगम कार्यक्रम में प्रधानमंत्री तीन लाख लोगों के साथ योग करेंगे। देश भर में दस लाख से अधिक स्थानों पर योग संगम से तालमेल कर योगाभ्यास किया जाएगा।

जाधव और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू भी शामिल होंगे।

विशाखापत्तनम में आयोजित इस कार्यक्रम में 'योग संगम' पहल के तहत देश भर में 10 लाख से अधिक स्थानों के साथ एक साथ योग किया जाएगा।

यह कार्यक्रम सुबह साढे छह बजे शुरू होगा और पौने आठ बजे संपन्न होगा। इसमें देश भर से अभूतपूर्व भागीदारी की उम्मीद है। देश में विभिन्न जगहों पर आयोजत सत्रों में दो करोड़

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईडी ने वरिष्ठ अधिवक्ता वेणुगोपाल को भेजे गए सम्मन को रद्द किया

सम्मन भेजने का कारण था, वेणुगोपाल द्वारा अपने ''क्लाइंट'' को दी गई कानूनी सलाह

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 जून। नवीनतम घटनाक्रम के तहत एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) प्रवर्तन निदेशालय ने वरिष्ठ अधिवक्ता प्रताप वेणुगोपाल को दिया गया समन को तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया है। यह समन उनके द्वारा एक क्लाइंट को दी गई कानूनी सलाह के संबंध में जारी किया गया था।

गौरतलब है कि, 18 जून को ईडी ने वेणुगोपाल को समन जारी किया था, जो एम/एस केयर हेल्थ इंश्योरेंस को एम्प्लॉयी स्टॉक ओनरशिप प्लान (ईएसओपी) के संबंध में दी गई कानूनी सलाह के विषय में था। यह ईएसओपी पूर्व रिलिगेयर एंटरप्राइजेज की अध्यक्ष डॉ. रश्मि सलूजा को जारी किया गया था। इससे पहले, इसी तरह के समन वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार को भी जारी किए गए थे, जिन्हें बाद में वापस ले लिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन ने भारत के मुख्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इसी प्रकार के सम्मन वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार को भी भेजे गये थे, पर, फिर ईडी को उस सम्मन को भी वापस लेना पड़ा था।
- सुप्रीम कोर्ट की ''एडवोकेट्स-ऑन रिकॉर्ड'' की एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा, जिसमें ईडी द्वारा वरिष्ठ व प्रतिष्ठित अधिवक्ता वेणुगोपाल को भेजे गये सम्मन की निंदा की। पत्र में यह लिखा था कि ईडी द्वारा सम्मन भेजने की कार्यवाही का ''व्यापक'' दुष्प्रभाव पड़ेगा, कानूनी कार्यवाही की निर्भयता से अपनी कानूनी राय देने के अधिकार पर'' तथा ''क्लाइंट व वकील'' के विश्वास के रिश्ते की नींव हिल जायेगी।
- ईडी के सहायक निदेशक (मुम्बई) ने तुरंत प्रभाव से सम्मन को वापस लिया।
- एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड की एसोसिएशन ने पत्र में यह भी मांग की थी कि सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट ''गाइडलाइन'' बनाये, जिससे ऐसे वरिष्ठ अधिवक्ताओं की, उनके अपने ''क्लाइंट'' को दी गई सलाह को आधार बनाकर वकीलों को सम्मन भेजने की प्रक्रिया की पुनरावृत्ति न हो।

'आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा हटाने के लिए संविधान संशोधन लाया जाए'

कांग्रेस ने कहा कि आगामी मानसून सत्र में वह जोर-शोर से यह मांग उठाएगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 जून। कांग्रेस ने शुक्रवार को बिहार आरक्षण कानून को संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल करने, आरक्षण पर लगी 50 प्रतिशत की सीमा हटाने के लिए संविधान में संशोधन करने और अनुच्छेद 15(5) को लागू करने की अपनी मांग दोहराई, जो निजी शैक्षिणक संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और ईबीसी को आरक्षण प्रदान करता है।

- कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता, जयराम रमेश ने यह भी बताया कि बिहार की इंडिया ब्लॉक सरकार ने कास्ट सर्वे के बाद जो विधेयक पारित किए थे और जिन्हें अदालत में चुनौती दी गई है, उन्हें संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग भी पुरजोर तरीके से उठाई जाएगी।
- कांग्रेस अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी व आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को प्राइवेट सैक्टर में आरक्षण देने वाले संविधान संशोधन के क्रियान्वयन की मांग भी उठाएगी। डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में लाया गया यह संविधान संशोधन 11 साल से ठंडे बस्ते में है।

पार्टी के महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि निश्चित रूप से पार्टी इन तीन महत्वपूर्ण मुद्दों को आगामी मानसून सत्र में संसद में उठाएगी, जो सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

जयराम रमेश ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री शुक्रवार को बिहार गए। बिहार में हैं। पूर्व की इंडिया गठबंधन सरकार द्वारा कराए गए जाति सर्वेक्षण के आधार पर, बिहार सरकार ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और ईबीसी के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण प्रस्तावित किया था। यह प्रस्ताव वर्तमान में न्यायालयों विचाराधीन है।

उन्होंने कहा कि बिहार में डबल इंजन सरकार लगभग हार मान चुकी है।

उन्होंने आगे कहा, लेकिन कांग्रेस लंबे समय से जो तीन माँगे कर रही है, वे 65 प्रतिशत आरक्षण को हकीकत बना सकती हैं।

जयराम रमेश ने बिहार आरक्षण कानून को संविधान की नवीं अनुसूची

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक्सिओम मिशन -4 फिर से स्थगित

चेन्नई, 20 जून। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा पर ले जाने वाले एक्सिओम-4 मिशन को फिर से स्थगित कर दिया गया है। यह मिशन 22 जून को निर्धारित था।

एक्सिओम स्पेस ने शुक्रवार को

- भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभाशुं को अंतरिक्ष स्टेशन ले जाने वाला यह मिशन 22 जून को निर्धारित था

एक नवीनतम अपडेट में कहा कि नई लॉन्च तिथि की घोषणा आने वाले दिनों में की जाएगी। मिशन शुरू में 29 मई के लिए निर्धारित किया गया था। मिशन को मौसम, एलओएक्स रिसाव और अन्य तकनीकी गड़बड़ियों की वजह से इसे कई बार स्थगित किया है। इस मिशन में आईएसएस में अंतरिक्ष यात्रियों को 14 दिनों तक रहना है और इस अवधि में वे वहां पर 60 अनुसंधान करेंगे। इनमें से सात माइक्रोग्रेविटी अनुसंधान इसरो के हैं। भारत, अमेरिका, हंगरी और पोलैंड की चार अंतरिक्षयात्रियों की टीम अंतरिक्ष यात्रा पर जाने के लिए तैयार है।

इज़रायल खुशी मना रहा है, ईरान की हवाई युद्ध लड़ने की ताकत पर पूरी तरह छा कर

पर, विश्व इस प्रमुख ऑयल इण्डस्ट्री पर कुप्रभाव की कल्पना करके कांप रहा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 जून। पिछले दो हफ्तों में अपने व्यापक हवाई अभियान के जरिए, इज़रायल ने वह हासिल कर लिया है जिसे कई लोग असंभव मानते थे: ईरान का 90 प्रतिशत लाँगरेंज एयर डिफैंस सिस्टम निष्क्रिय कर दिया है और लगभग आधी मिसाइल लॉन्चिंग क्षमता को बेअसर कर दिया गया है। लेकिन जहाँ तेल अवीव इस सैन्य सफलता का जश्न मना रहा है, वहीं दुनिया एक और खतरे के लिए तैयार हो रही है, एक अस्थिर मिडिल ईस्ट और आसमान छूती तेल की कीमतें, जो वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को झटका दे सकती हैं।

इज़रायली हवाई हमलों की पहली लहर के साथ ही तेल बाज़ारों में तुरंत प्रतिक्रिया देखी गई। ब्रैंट क्रूड की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 105 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुँच गई। यह

- कई ऑयल कम्पनियों ने अपने टैंकर्स में ''स्ट्रेट ऑफ होरमुज़'' में जाने से रोक दिए हैं तथा ऑयल के दाम कुछ दिनों में ही 90 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 105 डॉलर प्रति बैरल हो गये हैं।
- इसके अलावा इंश्योरैंस कम्पनियों ने इन टैंकर्स को इन्श्योर करने की कीमत में भी भारी वृद्धि कर दी है।
- साथ ही, यमन हाउथीस, लेबनान के हिजबुल्लाह जैसे समुद्री लुटेरों व आतंकवादियों ने ईरान के कमज़ोर पड़ जाने के बाद अपनी गतिविधियाँ बढ़ा दी हैं।
- सभी आशंकित हैं, यह अनिश्चितता क्या कहर ढायेगी। इसका अंदाज़ा लगाना ही कठिन है।

उछाल सिर्फ ईरानी तेल निर्यात में रुकावट के कारण नहीं है, जो पहले से ही प्रतिबंधों के तहत है, बल्कि यह भविष्य को लेकर गहराते भय का संकेत है। ईरान ने होरमुज़ जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होरमुज़) को बंद करने की धमकी दी है, जो एक संकीर्ण समुद्री मार्ग है और जहाँ से दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल गुज़रता है। हालाँकि, यह मार्ग अभी खुला है, लेकिन टैंकर यातायात काफी धीमा हो गया है, और कुछ मामलों में जहाज़ों को अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप के जरिए लंबा और महँगा रास्ता लेना पड़ा है।

इस चिंता को खाड़ी क्षेत्र से होकर गुज़रने वाले जहाज़ों के लिए बीमा प्रीमियम में अचानक हुई वृद्धि ने और बढ़ा दिया है।कई प्रमुख शिपिंग कंपनियों ने इस क्षेत्र में परिचालन रोक दिया है, और तेल कंपनियाँ डिलीवरी में देरी की सूचना दे रही हैं। इसके जवाब में, अमेरिका, भारत और चीन अपने रणनीतिक तेल भंडार से तेल जारी करने पर विचार कर रहे हैं, ताकि, स्थिति को कुछ समय के लिए संभाला जा सके। लेकिन ये उपाय केवल अस्थायी राहत दे सकते हैं। अगर सैन्य संघर्ष और तेज़ हुआ, या फिर, ईरान समर्थित लड़ाकों ने सऊदी अरब या यूएई के तेल ढांचों पर हमला किया तो दुनिया एक गंभीर आपूर्ति संकट का सामना कर सकती है।

रणनीतिक परिणाम भी उतने ही चिंताजनक है। इज़रायल ने ईरान का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विमान हादसा: 223 मृतकों के डीएनए सैंपल मैच हुए

अहमदाबाद, 20 जून। गुजरात के अहमदाबाद में हाल में हुए विमान हादसे में मारे गए 223 लोगों के डीएनए सैंपल का मिलान हो गया है तथा अब तक 204 मृतकों के शव उनके परिजनों को सौंपे जा चुके हैं।

- अहमदाबाद सिविल अस्पताल के अधीक्षक राकेश जोशी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि 204 शव उनके परिजनों को सौंपे जा चुके हैं।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने शुक्रवार को कहा कि 220 रिश्तेदारों से संपर्क किया गया है। सिविल अस्पताल में उपचाराधीन दो व्यक्तियों के शव भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या वियतनाम, अफगानिस्तान, क्यूबा और ईरान के असफल प्रयासों से कुछ नहीं सीखा अमेरिका ने?

हर बार अमेरिका असफल हुआ तथा ''अग्ली अमेरिकन'' की छवि पाई, जो अब तक पूरी तरह नहीं बदल पाई है

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 20 जून। अमेरिका ने वियतनाम, अफगानिस्तान और उससे भी पहले ईरान में मिली नाकामियों से कोई सबक सीखा है या नहीं- यह चीज राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के इस कदम से तय होगी कि वे अपने सहयोगी इज़राइल और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में छिड़े संघर्ष में अमेरिका को झोंकने का फैसला करते हैं या नहीं।

जब यह रिपोर्ट लिखी जा रही थी, तब तक ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया था कि अमेरिका आधिकारिक रूप से इज़राइल के युद्ध में शामिल होगा या नहीं। लेकिन इतिहास गवाह है कि वियतनाम, अफगानिस्तान, क्यूबा और यहां तक कि ईरान में भी अमेरिका की दखलअंदाजी ने उलटा असर डाला और अमेरिका की छवि ''अहंकारी अमेरिकी'' (अगली अमेरिकन) के रूप में उभरी। फिलहाल वॉशिंगटन युद्ध की तैयारियों को अंतिम रूप देता दिखाई दे रहा है - यह कोई दिखावे की चाल है या असली योजना, इसका पता जल्द ही चल जाएगा। पिछली बार जब अमेरिका ने तेहरान में तख्ता पलट किया था, तो उसका अंजाम अच्छा नहीं रहा था।

ईरान और पश्चिम के बीच तनाव का इतिहास एक निर्णायक घटना से जुड़ा है, सन् 1953 में ईरान में अमेरिकी सीआईए और ब्रिटिश एमआई6 द्वारा समर्थित तख्तापलट हुआ था, जिसमें ईरान के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसद्देग को हटा कर, शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी को सत्ता में वापस लाया गया था और राजशाही की बहाली की गई थी। अजीब विरोधाभास था, दो लोकतांत्रिक

- अमेरिका के सी.आई.ए. व ब्रिटेन की इंटैलिज़ैंस एजेंसी एम.आई.सिक्स ने इन प्रयासों की शुरुआत 1953 में ही कर दी थी। प्रजातंत्रीय तरीके से चुनी गई प्र.मंत्री मोहम्मद मोसद्देग की सरकार को अपदस्थ करके, शाहे मोहम्मद रिज़ा पहलवी को पुनः गद्दी पर स्थापित करके।
- चुनी गई सरकार को अपदस्थ करने का प्रमुख कारण था, ईरान की जमीन के नीचे ऑयल का अपार भंडार।
- यह ही कारण था, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी के हाथों में ''ऑयल भंडार'' न पहुँचे, इसे रोकने के लिए अमेरिका व ब्रिटेन ने सोवियत यूनियन के लिए एक ''सप्लाई कोरिडोर'' बनाया था।
- पर, 1951 में मोसद्देग की निर्वाचित सरकार ने संसद में विधेयक पास कर, ईरान की ऑयल इण्डस्ट्री का नैशलनाइज़ेशन कर, अमेरिका व ब्रिटेन की योजना को फेल कर दिया था।

सरकारों-अमेरिका और ब्रिटेन-ने एक निर्वाचित सरकार को गिरा कर राजतंत्र बहाल किया- और उसे अपनी जनता के सामने विजय के रूप में प्रस्तुत किया।

ईरान की रणनीतिक स्थिति और विशाल तेल भंडार इसे वैश्विक शक्तियों, विशेष रूप से अमेरिका और ब्रिटेन, के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना देता है।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, ब्रिटेन ने ईरान में अपनी एक मजबूत उपस्थिति बनाई, ताकि वह सोवियत संघ (जो उस समय उसका सहयोगी था) तक तेल की आवश्यक आपूर्ति सुनिश्चित कर सके और हिटलर के द्वारा शासित जर्मनी को क्षेत्र के तेल संसाधनों से दूर रखा जा सके।

युद्ध के बाद भी ब्रिटिश प्रभाव बना रहा, खासकर - ऐंग्लो-ईरानियन ऑयल कंपनी जो अब ब्रिटिश पेट्रोलियम का हिस्सा है) के माध्यम से। यह व्यवस्था 1951 में उस समय टूटी, जब मोसद्देग के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी और लोकतांत्रिक सरकार ने ईरान की संसद के जरिए तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया।

यह निर्णय ईरान के संसाधनों की पुनः प्राप्ति के रूप में तो देखा गया,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पासपोर्ट आवेदन के लिए पति के हस्ताक्षर की जरुरत नहीं

चेन्नई, 20 जून। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा कि किसी महिला को पासपोर्ट के लिए आवेदन करने से पहले अपने पति की अनुमति लेने या उसके हस्ताक्षर करवाने की जरूरत नहीं है। जस्टिस एन आनंद वेंकटेश ने यह फैसला हाल ही

- मद्रास हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता रेवती की याचिका पर यह फैसला दिया और पासपोर्ट कार्यालय को पासपोर्ट जारी करने का आदेश दिया।

में रेवती नाम की महिला की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। रेवती ने अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की थी कि वे उनके पति के हस्ताक्षर की अनिवार्यता के बिना ही एक नया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सफलता का केवल एक ही रहस्य है, साधारण चीजों को असाधारण तरीके से करना। –जॉन डी. रॉकफेलर

राजस्थान: आर.जी.एच.एस. पेंशनरों को परेशानी, सरकार की उदासीनता

RGHS राजस्थान सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों, पेंशनरों, विधायकों, पूर्व विधायकों और अन्य पात्र लाभार्थियों को नकद रहित चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना है। सितंबर 2021 में शुरू हुई यह योजना सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (CGHS) की तर्ज पर तैयार की गई थी। इसका लक्ष्य लगभग 13 लाख सरकारी कर्मचारियों कके परिवारों को, जिसमें 8 लाख सरकारी कर्मचारी और 3.28 लाख पेंशनर शामिल हैं, उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना रहा है। योजना के तहत नकद रहित उपचार, प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक का वार्षिक कवरेज (गंभीर बीमारियों के लिए अतिरिक्त 5 लाख रुपये), आउटडोर मरीजों (OPD) के लिए 20,000 रुपये की सीमा, और इनडोर मरीजों (IPD) के लिए कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जाती है। लेकिन इसके बावजूद, पेंशनरों को इस योजना के तहत कई गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जो इसकी उपयोगिता को कम कर रहा है। पेंशनरों की समस्याओं की लगातार अनदेखी सरकारी उदासीनता, घोटालों पर घोटालों ने इसकी विश्वसनीय को हिलाकर रख दिया है। सरकार को समस्त। जानकारी है लेकिन कोई इस पर प्रामाणिक चर्चा के लिए तैयार नहीं है। होना यह चाहिए कि योजना के परिमार्जन हेतु अन्य राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल करते हुए इसे विश्वसनीय बनाया जाए। पेंशनर्स इस समाज में सरकार के अघोषित और अवैतनिक एम्बेसडर हैं सरकार की प्राथमिकता में इन्हें सर्वोच्च स्थान मिलना चाहिए।

पेंशनरों की समस्याएँ उप्ए के कार्यान्वयन में कई खामियों को सिद्दत से उजागर कर रही हैं। पहली और सबसे बड़ी समस्या दवाइयों की अनुपलब्धता है। पैनल में शामिल फार्मेसी स्टोर्स पर जीवन रक्षक और नियमित दवाएँ अक्सर उपलब्ध नहीं होतीं हैं। उदाहरण के लिए, बारां और कोटा जैसे जिलों में पेंशनरों ने बताया कि फार्मेसी स्टोर्स ने RGHS के तहत दवाएँ देना बंद कर दिया, क्योंकि सरकार ने उनके बकाया भुगतानों में महीनों की देरी की है। एक रिपोर्ट के अनुसार, RGHS के तहत फार्मेसी स्टोर्स के 500 करोड़ रुपये से अधिक के बिल लंबित पड़े हैं। इससे पेंशनरों को निजी तौर पर दवाएँ खरीदनी पड़ रही हैं, जो उनकी सीमित पेंशन आय पर भारी बोझ डाल रहा है। कई बुजुर्ग पेंशनरों ने अपनी बचत खर्च करने या गहने बेचने की शिकायत की है, खासकर मधुमेह, उच्च रक्तचाप, और हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों के इलाज के लिए। दूसरी प्रमुख समस्या नकद रहित सुविधा का वास्तविकता में लागू न होना है। RGHS का दावा है कि यह योजना लाभार्थियों को सरकारी और पैनल में शामिल निजी अस्पतालों में नकद रहित उपचार प्रदान करती है। जबकि पेंशनरों को शिकायत की है कि अनेक अस्पताल कैशलेस सुविधा प्रदान नहीं करते और उन्हें इलाज के लिए पहले नकद भुगतान करना पड़ता है। इसके बाद प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया इतनी जटिल और समय लेने वाली है कि कई बुजुर्ग इस प्रक्रिया को पूरा नहीं कर पाते।

जयपुर के एक 75 वर्षीय पेंशनर ने बताया कि उनके हृदय शल्य चिकित्सा के लिए 3 लाख रुपये का बिल निजी तौर पर चुकाना पड़ा, और प्रतिपूर्ति के लिए दावा जमा करने के बावजूद भुगतान नहीं मिला। यह प्रक्रिया विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के पेंशनरों के लिए और भी कठिन है, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म और कागजी कार्रवाइयों से परिचित नहीं हैं उनकी हालत बहुत खराब है। वृद्धावस्था में दंत समस्या सबसे अधिक गम्भीर होती है लेकिन आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि दंत चिकित्सा और इससे जुड़ी अन्य सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं को RGHS के दायरे से बाहर रख छोड़ा है। पेंशनरों, विशेष रूप से वृद्धों, को दंत समस्याओं जैसे रूट कैनाल, डेन्चर, या दाँतों की सफाई के लिए निजी क्लीनिकों पर निर्भर रहना पड़ता है। सरकार ने दंत चिकित्सा पर नाम मात्र की आपूर्ति का प्रावधान कर छोड़ा है। आज अगर एक वृद्ध व्यक्ति को यदि अपने दांतों का पूरा ढांचा लगवाना पड़े तो दो से तीन लाख रुपए खर्च करने होंगे सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है। इसके अलावा, कुछ विशेष जांचें जैसे एमआरआई, सीटी स्कैन, या कैंसर स्क्रीनिंग भी कई अस्पतालों में RGHS के तहत कवर नहीं होतीं। इससे पेंशनरों को अतिरिक्त खर्च वहन करना पड़ता है।

उदाहरण के लिए, एक पेंशनर ने बताया कि उनकी कैंसर स्क्रीनिंग की लागत RGHS में शामिल नहीं थी, जिसके लिए उन्हें 50,000 रुपये निजी तौर पर खर्च करने पड़े। इसी तरह पैनल में शामिल अस्पतालों की अपर्याप्त सुविधाएँ और अनावश्यक जांचें हैं। कई निजी अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं जैसे पर्याप्त बेड, विशेषज्ञ डॉक्टर, या उन्नत उपकरणों की कमी है। इसके विपरीत, कुछ अस्पताल अनावश्यक जांचें और लंबे समय तक भर्ती करके RGHS फंड का दुरुपयोग करते हैं। जयपुर के एक निजी अस्पताल में एक पेंशनर को सामान्य बुखार के लिए 10 दिन तक भर्ती रखा गया और 28 जांचें की गईं, जो चिकित्सकीय रूप से अनावश्यक थीं। यह न केवल पेंशनरों के लिए परेशानी का कारण बनता है, बल्कि योजना के संसाधनों का दुरुपयोग भी करता है। सरकारी अस्पतालों में भी स्थिति बेहतर नहीं है, जहाँ बेड की कमी, लंबी प्रतीक्षा अवधि, और विशेषज्ञ डॉक्टरों की अनुपस्थिति आम समस्याएँ हैं। पेंशनर्स के प्रतिपूर्ति प्रक्रिया में देरी और अस्वीकृति है जो उनके लिए बड़ी परेशानी का कारण है। जब पेंशनरों को नकद भुगतान करना पड़ता है, तो वे ऑनलाइन RGHS पोर्टल के माध्यम से दावा जमा करते हैं। जिसमें अनेक मामलों में दावे तकनीकी कारणों जैसे अपूर्ण दस्तावेज या अस्पष्ट नियमों के कारण अस्वीकार कर दिए जाते हैं। 2024 में एक सर्वेक्षण में पाया गया कि RGHS के तहत 30% से अधिक दावे 3–6 महीने से अधिक समय तक लंबित रहते हैं। यह देरी पेंशनरों के लिए वित्तीय तनाव का कारण बनती है, खासकर उन लोगों के लिए जो पहले ही इलाज पर अपनी बचत खर्च कर चुके हैं। सरकारी उदासीनता ने इन समस्याओं को और गंभीर किया है। सबसे पहले, बकाया भुगतानों में देरी ने फार्मेसी स्टोर्स और अस्पतालों कों उप्ए के तहत सेवाएँ देने से हतोत्साहित किया है। 2024 तक, अनुमानित 500 करोड़ रुपये के बिल लंबित थे, जिसके कारण कई अस्पतालों ने कैशलेस सुविधा बंद कर दी। दूसरा, निगरानी तंत्र की कमी ने घोटालों को बढ़ावा दिया है। उदाहरण के लिए, राजस्थान मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन लिमिटेड में 343 करोड़ रुपये का टेंडर घोटाला सामने आया, जिसमें फर्जी बिलिंग और अधिकारियों की मिलीभगत शामिल थी। तीसरा, पेंशनरों के बीच जागरूकता की कमी एक बड़ी समस्या है। कई पेंशनरों को RGHS के नियमों, पात्रता, और प्रक्रियाओं की जानकारी नहीं है। सरकार ने इसके लिए जागरूकता अभियानों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया। चौथा, RGHS का प्रशासनिक ढांचा बार–बार बदल रहा है, जैसे कि हाल ही में वित्त विभाग से चिकित्सा विभाग को योजना हस्तांतरण की है, जिसने भ्रम और अक्षमता को बढ़ाया है। RGHS में घोटाले इस योजना की विश्वसनीयता को और कम कर रहे हैं। फर्जी बिलिंग एक प्रमुख समस्या है, जिसमें अस्पताल अनावश्यक जांचें और भर्ती करके RGHS फंड का दुरुपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए एक जांच में पाया गया कि जयपुर और उदयपुर के कुछ अस्पतालों ने सामान्य बीमारियों के लिए 5–10 लाख रुपये के बिल बनाए, जो चिकित्सकीय रूप से अनुचित थे। इसके अलावा, 2000 करोड़ रुपये के फर्जी बिलों का मामला सामने आया, जिसमें दवाइयों और उपकरणों के लिए फर्जी टेंडर शामिल थे। इन घोटालों में अधिकारियों, डॉक्टरों, और निजी कंपनियों की मिलीभगत की बात सामने आई है। नकली दवाएँ और फार्मेसी स्टोर्स पर जीवन रक्षक दवाओं की अनुपलब्धता ने भी पेंशनरों का विश्वास तोड़ा है। इन समस्याओं के समाधान के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए जा सकते हैं। पहला, प्रशासनिक सुधार जरूरी हैं। एक स्वतंत्र निगरानी समिति का गठन किया जाए, जिसमें चिकित्सा विशेषज्ञ, पेंशनर प्रतिनिधि, और ऑडिटर शामिल हों। यह समिति नियमित रूप से अस्पतालों और फार्मेसी स्टोर्स की जाँच करे। अस्पतालों और स्टोर्स को समय पर भुगतान के लिए एक ऑनलाइन ट्रैकिंग सिस्टम लागू किया जाए। दूसरा, पेंशनरों की सुविधा के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएँ, जिसमें हिंदी में सरल जानकारी उपलब्ध कराई जाए। प्रत्येक जिले में RGHS शिकायत निवारण केंद्र स्थापित किए जाएँ, और मौजूदा हेल्पलाइन (181) को और प्रभावी बनाया जाए। दंत चिकित्सा और विशेष जांचों को RGHS के दायरे में शामिल किया जाए। तीसरा, घोटालों की रोकथाम के लिए ऑनलाइन ऑडिट सिस्टम लागू किया जाए, जिसमें AI और मशीन लर्निंग का उपयोग हो। फर्जी बिलिंग में शामिल अस्पतालों को पैनल से हटाया जाए और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। चौथा, RGHS पोर्टल और मोबाइल ऐप को बुजुर्गों के लिए सरल बनाया जाए, जिसमें हिंदी भाषा और वॉयस कमांड का विकल्प हो। एक डिजिटल ई–वॉलेट सिस्टम शुरू किया जाए, जिसमें पेंशनरों के चिकित्सा रिकॉर्ड और शेष राशि की जानकारी हो। इसी प्रकार अन्य राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाएँ RGHS को बेहतर बनाने में मदद कर सकती हैं।

जयपुर के एक 75 वर्षीय पेंशनर ने बताया कि उनके हृदय शल्य चिकित्सा के लिए 3 लाख रुपये का बिल निजी तौर पर चुकाना पड़ा, और प्रतिपूर्ति के लिए दावा जमा करने के बावजूद भुगतान नहीं मिला। यह प्रक्रिया विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के पेंशनरों के लिए और भी कठिन है, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म और कागजी कार्रवाइयों से परिचित नहीं हैं उनकी हालत बहुत खराब है।

केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (CGHS) में देश भर में 300 से अधिक शहरों में पैनल अस्पतालों का व्यापक नेटवर्क है। RGHS को भी अन्य राज्यों में अस्पतालों का विस्तार करना चाहिए। CGHS की तरह ऑनलाइन दवा वितरण शुरू किया जाए। तमिलनाडु की मुख्यमंत्री व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना (CMCHIS) में ऑनलाइन दावा ट्रैकिंग और त्वरित निपटान की प्रणाली है, जिसे RGHS में लागू किया जा सकता है। तमिलनाडु का PPP मॉडल भी अस्पतालों की संख्या बढ़ाने में उपयोगी हो सकता है। केरल की करुणा स्वास्थ्य योजना में गंभीर बीमारियों के लिए विशेष कवरेज और सामुदायिक भागीदारी के उदाहरण अपनाए जा सकते हैं। दिल्ली की आयुष्मान भारत योजना में मोबाइल स्वास्थ्य क्लीनिक ग्रामीण क्षेत्रों के लिए उपयोगी हो सकते हैं। स्पष्ट है कि RGHS में पेंशनरों की समस्याएँ, जैसे दवाइयों की अनुपलब्धता, नकद रहित सुविधा का अभाव, और घोटाले, इस योजना की कमजोरियों को दर्शाते हैं। सरकारी उदासीनता ने इन समस्याओं को और बढ़ाया है। प्रशासनिक सुधार, तकनीकी उन्नयन, और अन्य राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाकर RGHS को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। यह योजना पेंशनरों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा बन सकती है, बशर्ते सरकार इन समस्याओं को गंभीरता से ले और त्वरित कदम उठाए। पेंशनर्स के प्रति सरकार का सौहार्द पूर्ण रवैया स्वयं सरकार की शाख को बढ़ाने वाला होगा। वरिष्ठ नागरिकों की हिफाजत और उनका सम्मान किसी भी समाज की संवेदनशीलता का प्रमाण होता है आशा है सरकार इस दिशा में समुचित कदम उठाएगी।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा,
वरिष्ठ साहित्यकार शिक्षाविद् और चिन्तक

पाली जिले के लिये वरदान जवाई बांध परियोजना – जल संरक्षण की मजबूत मिसाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा है कि प्रदेश में जल की कमी न हो, प्रदेश हरा-भरा और स्वच्छ हो

सौरभ सिंगारिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा है कि प्रदेश में जल की कमी न हो, उसका संरक्षण और संग्रहण किया जाए जिससे प्रदेश खुशहाल बने, साथ ही प्रदेश में वृहद स्तर पर पौधारोपण किया जाए जिससे कि प्रदेश हरा–भरा बने।

इसी लक्ष्य प्राप्ति के लिए राज्य में ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 5 जून, 2025 से प्रारंभ किया है जिसमें जल संरक्षण संठाहण, पर्यावरण संरक्षण व पौधारोपण , स्वच्छता और इसके लिये जागरूकता को महत्व दिया है।

जवाई बांध - पाली की लाइफलाइन :–इस बाँध का शिलान्यास जोधपुर महाराजा उम्मेदसिंह द्वारा 13 मई, 1946 को किया गया था। परियोजना की कुल लागत 2.60 करोड रूपये थी। बांध निर्माण कार्य 1957 में पूर्ण हुआ। निर्माण के बाद 1973 में प्रथम बार गेट खोल कर पानी की निकासी की गई एवं बांध का गेज 60.00 फिट से बढ़ाकर 61.25 फीट किया गया।

बांध में पानी की आवक बढाने के लिये वर्ष 1969 से 1978 के मध्य सेई अपर्वतन योजना का कार्य किया गया। सेई बांध से 6776 मीटर लम्बी सुरंग के माध्यम से जवाई बांध में पानी का अपर्वतन प्रारम्भ किया गया। वर्ष 2006 के दौरान सेई बांध की उचाई 8.25 मीटर से बढाकर 10.93 मीटर की गई जिसमें जवाई बांध को अतिरिक्त 516 मीट्रिक घन फीट पानी उपलब्ध हो सका। निर्माण के 63 वर्षो में अब तक अब तक जवाई बांध मात्र 9 बार ही पूर्ण भरा एवं वर्ष 1973 से 2017 के बीच आठ बार जवाई बांध के गेट खोलकर पानी को जवाई नदी में छोडा गया।

पेयजल में प्रमुख स्त्रोत :– जवाई बांध से वर्तमान में सिरोही जिले के शिवगंज कस्बे एवं पाली जिले के शहरों समेत 9 कस्बों सुमेरपुर, देसूरी, रानी, जैतारण, मारवाड़ जंक्शन, रायपुर, रोहट, सोजत व बाली तथा 985 गांवों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

सिंचाई से किसानों को लाभ :– जवाई बांध से 57 गांवों के 38671.00 हैक्टेयर (पाली जिले के 33 गांव एवं जालौर जिले के 24 गांवों के 38600 किसान सिंचाई सुविधा से लाभान्वित होते है।

नहरों की स्थिति :– जवाई कमाण्ड क्षेत्र में मुख्य नहर 23.10 किमी. लम्बी है। इस नहर की 5 वितरिकाए हैं, जिनकी लम्बाई 133.30 किमी. एवं 16 माइनर नहरों की लम्बाई 97.40 किमी. है। इनके द्वारा कुल 233.80 किमी. लम्बाई की पक्की नहरों द्वारा सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

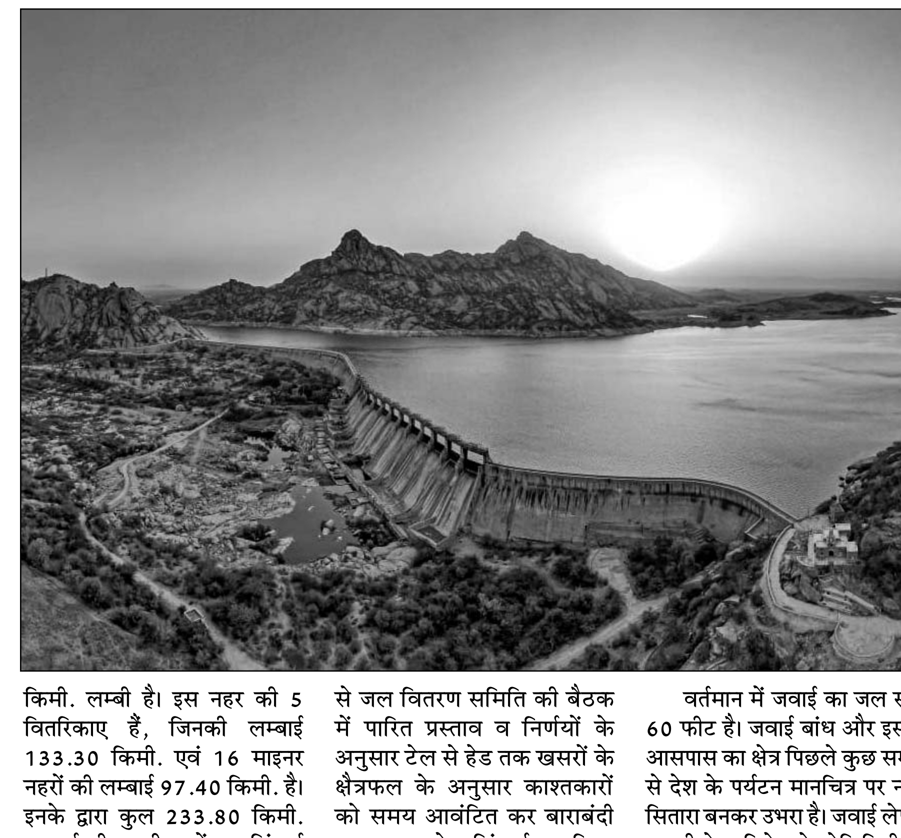

जल संगम :– जवाई कमाण्ड क्षेत्र में सरकार व किसानों के बीच तालमेल व सिंचाई में सरकार की ओर से पारदर्शिता के लिये किसानों के लिये 15 जल उपभोक्ता संगम है। इनके सहयोग से जल वितरण समिति की बैठक में पारित प्रस्ताव व निर्णयों के अनुसार टेल से हेड तक खसरों के क्षैत्रफल के अनुसार काश्तकारों को समय आवंटित कर बाराबंदी व्यवस्था से सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

जवाई बांध में पानी लाने वाली सेई बांध की सुरंग को 1.5 मीटर गहरा करने हेतु कार्य प्रगति पर है। इस कार्य के बाद जवाई को 840 मीट्रिक घन फीट प्रतिवर्ष अतिरिक्त पानी उपलब्ध होगा।

वर्तमान में जवाई का जल स्तर 60 फीट है। जवाई बांध और इसके आसपास का क्षेत्र पिछले कुछ समय से देश के पर्यटन मानचित्र पर नया सितारा बनकर उभरा है। जवाई लेपर्ड सवारी देश–विदेश के सेलिब्रिटी के बीच आकर्षण का केन्द्र बना है जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था में जबर्दस्त परिवर्तन आया है।

सौरभ सिंगारिया
सहायक निदेशक, पाली
सूचना एवं जनसंपर्क
विभाग, राजस्थान

म्यूचुअल फंड्स को भी डीमैट में लाना क्यों ज़रूरी है?

सुनील दत्त गोयल

भारत में पूंजी बाजार लगातार विकसित हो रहा है। भारतीय वित्तीय बाजार में डिजिटलीकरण की क्रांति ने पिछले दशकों में अभूतपूर्व परिवर्तन लाए हैं। टेक्नोलॉजी, पारदर्शिता और निवेशकों के हितों की रक्षा को ध्यान में रखते हुए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और सरकार ने समय–समय पर कई दूरदर्शी निर्णय लिए हैं। स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध सभी सिक्योरिटीज को 100ङ डीमैट (डिमैटेरियलाइज़्ड) फॉर्मेट में लाना ऐसा ही एक कदम था, जिसने शेयर बाजार में धोखाधड़ी की संभावनाओं को कम किया और लेनदेन को त्वरित एवं पारदर्शी बनाया। सेबी और सरकार डिजिटलीकरण का ढिंढोरा तो पीटती हैं, मगर म्यूचुअल फंड्स के मामले में जानबूझकर पिछड़ापन क्यों बनाए हुए हैं? शेयरों और प्राइवेट कंपनी शेयरों को डीमैट में बदलकर उन्होंने दिखा दिया कि वे जानते हैं कि कैसे धोखाधड़ी रोकी जाती है। फिर इस 72 लाख करोड़ के एक महत्वपूर्ण निवेश के साधन म्यूचुअल फंड्स को डीमैट में अनिवार्य करने की दिशा में अब तक कदम क्यों नहीं उठाया गया? क्या यह जानबूझकर की गई लापरवाही है?

देश की एसेट मैनेजमेंट कंपनियां (ए एम सी) करोड़ों निवेशकों का पैसा संभालती हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, मई 2025 के अंत में कुल एयूएम 72.18 लाख करोड़ था। यह पिछले महीनों की तुलना में पर्याप्त वृद्धि और साल–दर–साल उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है, जिसमें उद्योग का एयूएम अप्रैल 2025 में 70 ट्रिलियन का आंकड़ा पार कर गया है।

यह बात समझ से परे है: म्यूचुअल फंड्स का वॉल्यूम आज लिस्टेड सिक्योरिटीज के वॉल्यूम के लगभग बराबर है। इसके बावजूद यह पारंपरिक और जटिल व्यवस्थाओं में फंसा हुआ है। म्यूचुअल फंड यूनिट्स को 100ङ डीमैट में लाने से न केवल निवेशकों का काम आसान होगा, बल्कि पूरे बाजार में क्रांतिकारी बदलाव होगा। जैसे आरबीआई हर रोज डॉलर और विदेशी मुद्राओं की दर तय करता है, वैसे ही म्यूचुअल फंड्स की एनएवी तो रोज घोषित होती है, फिर यही यूनिट्स उसी दिन के भाव पर क्यों नहीं खरीदी–बेची जा सकतीं? क्या तकनीक नहीं है, या फिर इच्छाशक्ति की कमी है?

वर्तमान स्थिति और चुनौतियां

वर्तमान में, म्यूचुअल फंड्स में निवेश के लिए निवेशकों के पास दो विकल्प हैं – या तो स्टेटमेंट ऑफ अकाउंट (एसओए) के माध्यम से या फिर डीमैट अकाउंट के माध्यम से। हालांकि, डीमैट फॉर्मेट एक विकल्प मात्र है, अनिवार्य नहीं। इससे कई समस्याएं उत्पन्न होती हैं, जैसे रिडेम्पशन में देरी, पेपरवर्क की अधिकता, और निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो का समग्र दृश्य प्राप्त करने में कठिनाई। भारत में म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार विशाल है। मई 2025 तक, भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 72.20 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि म्यूचुअल फंड्स अब भारतीय निवेशकों के बीच कितने लोकप्रिय हो गए हैं। इतने बड़े बाजार के लिए एक समान, पारदर्शी और कुशल प्रणाली की आवश्यकता है।

डीमैट फॉर्मेट के लाभ

म्यूचुअल फंड्स को अनिवार्य रूप से डीमैट फॉर्मेट में लाने से कई महत्वपूर्ण लाभ होंगे:

निवेशकों के लिए लाभ

1. रियल–टाइम ट्रांजैक्शन: निवेशक तुरंत ऑनलाइन रिडेम्पशन और खरीद कर सकेंगे, जिससे उन्हें उसी दिन का नवीनतम मूल्य मिलेगा, बिना एक दिन का इंतज़ार किए।

2. एकीकृत पोर्टफोलियो दृश्य: निवेशक अपने सभी निवेशों – शेयर, बॉन्ड और म्यूचुअल फंड्स – को एक ही डीमैट अकाउंट में देख सकेंगे, जिससे पोर्टफोलियो प्रबंधन आसान होगा।

3. पेपरवर्क में कमी: डीमैट फॉर्मेट में म्यूचुअल फंड्स रखने से भौतिक दस्तावेजों या पेपरवर्क की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।समस्त कार्य पेपर लेस होने की वजह से माननीय मोदी सरकार का डिजिटल इंडिया का सपना साकार होता है ।

बाजार के लिए लाभ

1. बाजार में वॉल्यूम वृद्धि: म्यूचुअल फंड्स को ट्रेडेबल बनाने से बाजार में वॉल्यूम में तुरंत प्रभाव से वर्तमान मूल्यांकन के हिसाब से बेहतर 72 लाख करोड रुपए से भी अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

2. रॉन्ग सेलिंग पर लगाम: एजेंट्स या डिस्ट्रीब्यूटर्स द्वारा स्कीम की गलत बिक्री की संभावनाएं खत्म हो जाएंगी।

3. ब्रोकर्स के लिए अवसर: शेयर बाजार के ब्रोकर्स के पास बड़ा वॉल्यूम आएगा, जिससे उनके व्यवसाय में वृद्धि होगी।

4. डिजिटल परिवर्तन: पूरा म्यूचुअल फंड सिस्टम डिजिटल हो जाएगा, जिससे भारत के डिजिटल वित्तीय परिवर्तन को बढ़ावा मिलेगा।

फंड मैनेजर्स के लिए लाभ

फंड मैनेजर्स पर दैनिक रिडेम्पशन और नए निवेश के मानसिक दबाव से मुक्ति मिलेगी। रिडेम्पशन के दबाव से मुक्त होकर वे बेहतर और दीर्घकालिक रणनीतियों पर काम कर पाएंगे, जिससे उनके निवेश निर्णय बेहतर होंगे।

कार्यान्वयन का प्रस्तावित मॉडल

म्यूचुअल फंड्स को ट्रेडेबल बनाने के लिए एक मॉडल प्रस्तावित किया जा सकता है:–

1. एनएसई का म्यूचुअल फंड सर्विस सिस्टम (एमएफएसएस): एनएसई पहले से ही एमएफएसएस प्रदान करता है, इसी प्रकार बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में बीएसई स्टार, जिसके माध्यम से निवेशक म्यूचुअल फंड यूनिट्स खरीद और बेच सकते हैं। इस प्रणाली को विस्तारित करके सभी म्यूचुअल फंड्स के लिए अनिवार्य किया जा सकता है।

2. डेली एनएवी के आधार पर ट्रेडिंग: जैसे आरबीआई हर दिन विदेशी मुद्राओं के लिए रेट तय करता है, वैसे ही म्यूचुअल फंड कंपनियां हर शाम अपनी एनएवी घोषित करती हैं। इसी एनएवी के आधार पर अगले दिन की ट्रेडिंग हो सकती है।

3. डिपॉजिटरी सिस्टम का उपयोग: एनएसडीएल और सीएसडीएल जैसे डिपॉजिटरीज पहले से ही म्यूचुअल फंड यूनिट्स को डीमैट फॉर्म में रखने की सुविधा प्रदान करते हैं। इस व्यवस्था को अनिवार्य बनाया जा सकता है।

सरकार और सेबी से अपेक्षा

जब सेबी ने लिस्टेड सिक्योरिटीज और प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों के लिए डीमैट फॉर्मेट अनिवार्य कर दिया है, तो समय आ गया है कि सरकार और सेबी सभी स्टेकहोल्डर्स से चर्चा कर इस महत्वपूर्ण सुधार को लागू करें। म्यूचुअल फंड्स को अनिवार्य डीमैट फॉर्मेट में लाकर भारत के शेयर बाजार को पारदर्शिता, तरलता और निवेशकों के विश्वास का नया आधार दिया जाए। यह न केवल निवेशकों के लिए सुविधाजनक होगा, बल्कि पूरे वित्तीय बाजार के लिए एक नए युग की शुरुआत होगी। सरकार और सेबी को सभी हितधारकों – एसेट मैनेजमेंट कंपनियों, स्टॉक एक्सचेंजों, डिपॉजिटरीज और निवेशकों – के साथ मिलकर इस परिवर्तन को लागू करने के लिए एक रोडमैप तैयार करना चाहिए। यह कदम भारतीय वित्तीय बाजारों में पारदर्शिता, कुशलता और डिजिटलीकरण को बढ़ावा देगा, जिससे अंततः निवेशकों का कल्याण होगा। भारत के वित्तीय बाजारों में यह परिवर्तन एक नए जीवन, नए युग और नई दिशा की शुरुआत होगी, जो हमारे देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल
चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
जयपुर।

राशिफल शनिवार 21 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, अश्विनी नक्षत्र सायं 7:50 तक, अतिगंड योग रात्रि 8:29 तक, विष्टिकरण प्रातः 7:19 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मिथुन, चन्द्रमा–मेष, मंगल–सिंह, बुध–मिथुन, गुरू–मिथुन, शुक्र–मेष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज भद्रा प्रातः 7:19 तक है। सायन कर्क में सूर्य प्रवेश प्रातः 8:12 पर होगा। आज योगिनी एकादशी व्रत स्मार्तों का है। आज एकादशी तिथि का क्षय हुआ है। आज सूर्य दक्षिणायन आरम्भ होगा। वर्षा ॠतु आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:20 से 9:03 तक, चर 12:38 से 2:11 तक, लाभ–अमृत 2:11 से 5:36 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:19

मेष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

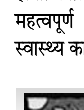

वृष

मित्रों–रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

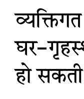

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

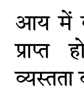

कर्क

व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर–परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

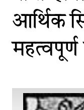

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

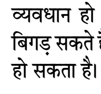

तुला

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

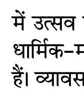

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

धनु

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

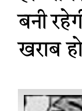

मकर

घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

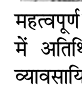

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

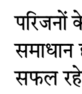

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

आर.पी.एस.सी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा के खिलाफ चलेगा ट्रायल

एसओजी ने ईडी मामलों की विशेष अदालत में पेश की अभियोजन स्वीकृति की प्रति

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 पेपर लीक मामले में एसओजी ने ईडी मामलों की विशेष अदालत में आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति की प्रति पेश की।

कटारा को एसओजी ने 18 अप्रेल 2024 को गिरफ्तार किया था। कटारा पर आरोप है कि वह आयोग से पेपर अपने घर ले गया था। वहां उसने अपने भांजे विजय डामोर की मदद से पेपर को रजिस्टर में उतारा। बाद में पेपर 60 लाख में सरगना अनिल मीणा को बेच दिया। मीणा ने 80 लाख में पेपर भूपेन्द्र सारण को बेच दिया। एसओजी ने कटारा सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था। बाद में ईडी की ओर से प्रकरण दर्ज करने पर मामले को सुनवाई के लिए ईडी कोर्ट भेजा गया। लेकिन अभियोजन स्वीकृति नहीं मिलने के कारण मामले में कटारा के खिलाफ ट्रायल नहीं चल पा रहा था। लेकिन सरकार ने कुछ दिन पहले ही कटारा के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति जारी करने की अनुमति दी थी।

चलती बस में पेपर हल करवा रहे थे

पेपरलीक के सरगना चलती बस में अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले पेपर हल करवा रहे थे। लेकिन उदयपुर जिले के बेकरिया थाना पुलिस ने 24 दिसम्बर 2022 को इस बस को पकड़ा था। बस में द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती के 49 अभ्यर्थी परीक्षा से पहले पेपर हल कर रहे थे। इसके बाद पूरे घटनाक्रम का खुलासा हुआ। एसओजी के अनुसार कटारा को इस परीक्षा के पेपर और उत्तर कुंजी तैयार करने का दायित्व मिला था। लेकिन उसने पेपरलीक कर दिया। कटारा के घर से 51.20 लाख रुपए नकद व 541 ग्राम सोने के 9 आभूषण बरामद हुए थे।

30 जून को होगी मामले की सुनवाई

एसओजी की ओर से विशेष लोक अभियोजक बीएस चौहान की ओर से अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर आरोपी के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति जारी करने वाले कार्मिक विभाग के अधिकारी को भी अभियोजन पक्ष का गवाह बनाने की अनुमति मांगी हैं। अदालत मामले में तीस जून को सुनवाई करेगी।

पुलिसकर्मियों ने किया योगाभ्यास

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह में शुक्रवार को पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों ने योगाभ्यास किया।पुलिस कमिश्नरेट में ब्रह्मकुमारीज संस्थान के योग प्रशिक्षकों ने योगाभ्यास करवाया। योगाभ्यास को बढावा देने के लिए पुलिसकर्मियों को योगाभ्यास करवाकर मानसिक तनाव दूर करने का प्रयास किया गया। योग भारतीय परम्परा एवं संस्कृति की विश्व को अनुपम देन है। प्राचीन भारतीय पद्धितयाँ शारीरिक, मानसिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को लेकर हमारी सभी की आवश्यकताओं का सम्पूर्ण जवाब है। पुलिसकर्मियों में विषम परिस्थितियों में कार्य करने को लेकर शारीरिक एवं मानसिक तनाव को दूर करने में योगाभ्यास की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) देवेन्द्र कुमार विश्नोई, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) शिल्पा चौधरी सहित पुलिस अधिकारी व पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

स्व. विजय रूपाणी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को गांधी नगर पहुंचकर गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. विजय रूपाणी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

गांधीनगर/जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को गांधीनगर में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. विजय रूपाणी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने रूपाणी के देहावसान पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने पार्षद, मेयर से लेकर गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में समर्पित होकर काम किया, जो हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका निधन पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने परम धाम में स्थान देने की प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया। प्रार्थना सभा में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल व गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन मौजूद रहे।

शातिर वाहन चोर किशन वर्मा गिरफ्तार

जयपुर। शास्त्रीनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर किशन वर्मा को गिरफ्तार किया है और उसके पास से चुराई गई चार मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित के खिलाफ एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज है। आरोपी नशे का आदि है नशा करने के लिए चोरी करता है और जहां चुराए गए वाहनों को पेट्रोल खत्म होने पर वही पर छोड कर दूसरा वाहन चोरी कर ले जाता है।

आरोपित ने जयपुर शहर के अन्य थाना इलाके से दर्जनों वाहन चोरी करना कबूल किया है। जो एक माह पूर्व ही जेल से छूटा था और पून: वाहन चोरी की वारदात में लग गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर-सैंकड) बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि शास्त्री नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर किशन वर्मा निवासी नाहरी का नाका शास्त्री नगर जयपुर हाल हरमाड़ा जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से चोरी की गई चार मोटरसाइकिल बरामद की है और वहीं भट्टा बस्ती से चुराई गई एक्टिवा अपने दोस्त शाहरुख एवं मुन्ना निवासी भट्टा बस्ती को देना बताया है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

तंबाकू नियंत्रण में राजस्थान रहा देशभर में अव्वल

नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राजस्थान की ओर से यह पुरस्कार राज्य नोडल अधिकारी डॉ. एसएन धौलपुरिया, एएसपीओ नरेंद्र सिंह, एवं एसपीओ डॉ. जकारिया चौहान ने प्राप्त किया।

- राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम में प्रथम स्थान
- केंद्र सरकार ने दिया 'बेस्ट परफॉर्मेंस अवार्ड'

जयपुर। तंबाकू की लत के खिलाफ छेड़े गए जंग में राजस्थान ने पूरे देश में सबसे प्रभावी प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत वर्ष 2024-25 की गतिविधियों में देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया है। केंद्र सरकार ने इस सफलता के लिए राजस्थान को 'बेस्ट परफॉर्मेंस अवार्ड' से नवाजा है, जो राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तंत्र की संगठित और प्रतिबद्ध कार्यप्रणाली का प्रमाण है।

नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव वी हेकली झिमोमी एवं अतिरिक्त उप महानिदेशक डॉ. एल स्वास्थिचरण द्वारा यह सम्मान प्रदान किया गया। राजस्थान की ओर से यह पुरस्कार राज्य नोडल अधिकारी डॉ. एसएन धौलपुरिया, एएसपीओ नरेंद्र सिंह, एवं एसपीओ डॉ. जकारिया चौहान ने प्राप्त किया।

राज्य सरकार की ओर से चलाए गए तंबाकू विरोधी अभियानों में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की सक्रिय भूमिका रही है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने इस उपलब्धि पर तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम से जुड़े समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि, यह सम्मान टीमवर्क, सतत प्रयासों और जन-जागरूकता की सशक्त रणनीति का परिणाम है। उन्होंने बताया कि 24 सितम्बर 2024 को टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 की शुरुआत की गई थी, जिसके तहत प्रदेश के कोने-कोने में तंबाकू के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता फैलाई गई।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान संस्थान के अंतर्गत 14 हजार 725 जागरूकता कार्यक्रम, 11,850 आईईसी गतिविधियां, कोटपा 2003 की धारा 4 के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारियों के द्वारा 40,232 चालान कार्यवाही, धारा 6 (ए) के अंतर्गत 4020 चालान कार्यवाही, धारा 6 (ब) के अंतर्गत 1123 चलान कार्यवाही की गई। साथ ही, तम्बाकू मुक्ति की दिशा में 15,765 व्यक्तियों की काउन्सलिंग तथा 7539 का उपचार किया गया। टोबैको फ्री यूथ कैंपेन के अंतर्गत तंबाकू से जुड़ी गलत धारणाओं को तोड़ने और युवाओं को इसके दुष्प्रभावों से बचाने के लिए व्यापक कार्यशालाएं, पेंटिंग प्रतियोगिताएं, डिजिटल प्रचार और ग्राम स्तर पर नोडल वालंटियर्स की नियुक्ति की गई।

नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म

जयपुर। नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर परिचित युवक द्वारा कार में एक महिला से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर गाली-गलौच कर मारपीट की। भांकरोटा थाने में पीड़ित महिला ने आरोपी परिचित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच थानाधिकारी मनीष गुप्ता कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि भांकरोटा इलाके में रहने वाली महिला ने मामला दर्ज करवाया कि परिचित होने के कारण आरोपी से उसकी बातचीत थी। आरोप है कि भांकरोटा जाने के दौरान उसे आरोपी परिचित मिला। बातचीत के दौरान आरोपी ने उसके अपनी कार में बैठा लिया। कार में बैठाकर आरोपी परिचित ने उसे कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए ऑफर की। कोल्ड ड्रिंक में नशा मिला होने के कारण बेहोशी छाने लगी। बेहोशी की हालत में आरोपी ने कार में ही उसके साथ रेप किया।

ऑनलाइन ठगी के आरोपियों को जश्न नहीं मनाने की शर्त पर जमानत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने ऑनलाइन ठगी के आरोप में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे दो आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने दोनों आरोपियों पर शर्त लगाई है कि वे जमानत पर रिहा होने के बाद सार्वजनिक रूप से जश्न नहीं मनाएंगे।

अदालत ने कहा कि, यदि आरोपी सार्वजनिक रूप से जश्न करते मिले तो राज्य सरकार उनकी जमानत को रद्द कराने के लिए याचिका दायर कर सकती है। जस्टिस गणेश राम मीणा की अवकाशकालीन एकलपीठ ने यह आदेश सौरभ और सौरभ गोस्वामी की जमानत याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

जमानत याचिकाओं में अदालत को बताया गया कि प्रकरण में आरोपियों को झूठा फंसाया है। याचिकाकर्ता बीते 25 मार्च से न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे हैं। पुलिस ने प्रकरण में विस्तृत जांच कर आरोप पत्र भी संबंधित अदालत में पेश कर दिया है। जिसकी सुनवाई पूरी होने में समय लगने की संभावना है। ऐसे में उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ताओं पर ऑनलाइन ठगी करने का गंभीर आरोप है। इसके साथ ही अदालत के सामने आया कि यदि आरोपियों को जमानत दी गई तो ये सार्वजनिक रूप से अपनी रिहाई का जश्न मनाएंगे। मामले की सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश देते हुए उन्हें सार्वजनिक रूप से जश्न नहीं मनाने को कहा है। गौरतलब है कि करौली निवासी इन आरोपियों पर गत मार्च माह में स्थानीय थाने में ऑनलाइन ठगी का मामला दर्ज कराया गया था।

'स्वस्थ तन-मन के लिए योग जरूरी'

- योग हजारों सालों से चली आ रही हमारी संस्कृति है : बागड़े

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को सेंट्रल पार्क में स्वयं योग करके आम जन को योग क्रियाएं करवाई। उन्होंने युवाओं और 50 वर्ष के ऊपर के लोगों के लिए योग और गति से जुडी विभिन्न शारीरिक मुद्राओं का प्रदर्शन कर प्रतिदिन इन्हें कर स्वस्थ जीवन जीने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि योग हजारों साल से चली आ रही हमारी संस्कृति है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून को इसलिए चुना गया की वर्ष के 365 दिन में यह सबसे बड़ा दिन होता है। उन्होंने कहा कि मूलत: योग भारत का हैं। महर्षि पतंजलि ने इसकी शुरुआत की। जो योग नियमित करता है, वह जीवन पर्यंत स्वस्थ रहता है और उसकी आयु बढ़ती है।

राज्यपाल ने शुक्रवार को सेंट्रल पार्क में राजस्थान कॉपरेटिव फेडरेशन, सरस डेयरी द्वारा आयोजित सामूहिक योग एवं स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम में भाग लेने के साथ ही योग शिक्षकों, कलाकारों और योग शिक्षण से जुड़े प्रतिभावान बच्चों को प्रशस्ति पत्र और अपनी ओर से नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित भी किया।

इस अवसर पर उद्योग, खेल एवं युवा मामले विभाग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि योग मन, बुद्धि और शरीर की एकता स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी लगातार काम करते हैं और इसकी प्रेरणा योग को बताते हैं। उन्होंने कहा कि भागमभाग की इस जिंदगी में योग से ही स्वस्थ रहा जा सकता है।

विधायक गोपाल शर्मा ने योग की भारतीय परंपरा और योगेश्वर श्री कृष्ण की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सीमा पर आतंकवाद के ठिकाने नष्ट करने को महती बताते हुए कहा कि यह भी योग से संभव हुआ।

आरंभ में महाप्रबंधक श्रुति भारद्वाज ने स्वागत उद्बोधन में सरस की गतिविधियों और योग संस्कृति के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में अवगत कराया। सरस डेयरी के अध्यक्ष ओमप्रकाश पुनिया भी उपस्थित रहे। इससे पहले तन्मय सिंह राव और अंकुश ने दुर्लभ योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया। डॉ. महेंद्र सिंह राव के नेतृत्व में लोगों ने सामूहिक योग, व्यायाम भी किया।

सी.ए.जी. द्वारा गठित 'वर्किंग ग्रुप' में आई.ए.एस. संदीप वर्मा भी शामिल

आई.ए.एस. संदीप वर्मा

- यह 7 सदस्यीय समूह सार्वजनिक खरीद की व्यवस्था में सुधार लाने और इसकी ऑडिट में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए काम करेगा
- राजस्थान कैडर के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा, पूरे देश में इकलौते आई.ए.एस.अफसर हैं, जो इस समूह का हिस्सा बने हैं।

जयपुर । भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (सी.ए.जी.) ने सार्वजनिक खरीद की व्यवस्था में सुधार लाने और इसकी ऑडिट में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सभी पक्षकारों के साथ मिलकर एक वर्किंग ग्रुप का गठन किया है। इस समूह में पूरे देश में सिर्फ राजस्थान कैडर के वरिष्ठ आई.ए.एस. और अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा को शामिल किया गया है।

गौरतलब है कि इस सात सदस्यीय समूह में अतिरिक्त उप नियंत्रक व महालेखापरीक्षक (ए.डी.ए.आई) प्रमोद कुमार, राजस्थान के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा, राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लि. के पूर्व सीईओ प्रकाश गौड, नीति आयोग के कार्यक्रम निदेशक पार्थ सारथी रेड्डी, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सी.ई. शैलेन्द्र सिंह, राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम के सीएफओ पी.के.अग्रवाल, आर्थिक सलाहकार के. सुब्रमण्यम शामिल होंगे।

यह समूह सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया के मौजूदा नियम-कायदों के अभाव अथवा ऑडिट के दौरान पाई गई खामियों को अंगीकृत करेंगे, ताकि सरकार उन्हें दुरुस्त कर सके। क्या खरीद होनी चाहिए और किस प्रकार से होनी चाहिए, इस बारे में भी सही सलाह और सिफारिश भी पेश करेंगे। अंकेक्षण (ऑडिट) के दौरान दुनियाभर में अपनाई जा रही सर्वोत्तम नीत्तियों अथवा प्रथाओं को सी.ए.जी. के ऑडिटर्स की ट्रेनिंग में भी लागू करने का सुझाव देंगे। यह ग्रुप प्रत्येक 3माह में एक बार रिव्यू मीटिंग बुलायेगा।

दो लोगों से 7 लाख रुपए की साइबर ठगी

जयपुर। शहर में दो अलग-अलग थाना इलाके में दो लोगों से सात लाख रुपए की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है। जवाहर नगर थाना इलाके में साइबर ठगों ने एक युवक के खाते से पांच लाख रुपए निकाल लिए। पुलिस के अनुसार जवाहर नगर निवासी नानकराम ने मामला दर्ज करवाया कि साइबर ठगों ने उसके खाते से पांच लाख रुपए निकाल लिए। यह ठगी 19 जून को हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच में सामने आया कि ठगों ने उसके मोबाइल को हैक किया था और फिर उसके खाते से यह राशि निकाल ली गई। दूसरी घटना में करधनी थाना इलाके में साइबर ठगों ने एक युवक के फोन पे एप को हैक कर उसके खाते से 2 लाख रुपए निकाल लिए। पुलिस के अनुसार निवारू एनक्लेव आर्मी कैम्प निवासी धन्नजंय कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि किसी ने उसके फोन पे एप को हैक कर लिया और फिर उसके खाते से ऑनलाइन दो लाख रुपए निकाल लिए गए।

राजधानी जयपुर में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन झमाझम बारिश हुई। करीब एक घंटे की तेज बारिश ने शहर की सड़कों को दरिया में तब्दील कर दिया, जिससे वहां वाहन चालकों और राहगीरों को आवाजाही में काफी परेशानी उठानी पडी।

खान विभाग ने ढाई माह में सर्वाधिक 1670 करोड़ रुपए राजस्व कमाया

मुख्यमंत्री भजन लाल के नेतृत्व में खनिज खोज में ए.आई. के उपयोग का पायलट प्रोजेक्ट

जयपुर । खान एवं भूविज्ञान विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में 17 जून तक 1670 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित हुआ है, जो इसी अवधि का अब तक का सर्वाधिक राजस्व है।

उन्होंने विभागीय गतिविधियों में पारदर्शिता लाने की दिशा में आगे कदम बढ़ाते हुए माइनिंग से जुड़ी सभी एप्लीकेशंस को ऑनलाईन करने के निर्देश दिए हैं ताकि किसी को भी कार्य विशेष के लिए विभाग के कार्यालयों में अनावश्यक नहीं आना पड़े। शुक्रवार को प्रमुख सचिव टी. रविकान्त उदयपुर खनिज भवन में हाईब्रिड मोड पर विभागीय अधिकारियों की बैठक ले रहे थे।

उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा माइनिंग प्लान के ऑन लाईन अनुमोदन की व्यवस्था कर दी है इसी तरह से लीज इन्फोर्मेशन और डिमाण्ड सिस्टम की संपूर्ण प्रक्रिया को ऑनलाईन करने से समय व धन की बचत के साथ ही खानधारकों को बड़ी राहत मिलने लगी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के निर्देशन में अब पायलट आधार पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मशीन लर्निंग सिस्टम का उपयोग मिनरल एक्सप्लोरेशन के लिए शुरु किया जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट के परिणामां का विश्लेषण कर इसे और अधिक विस्तारित किया जाएगा।

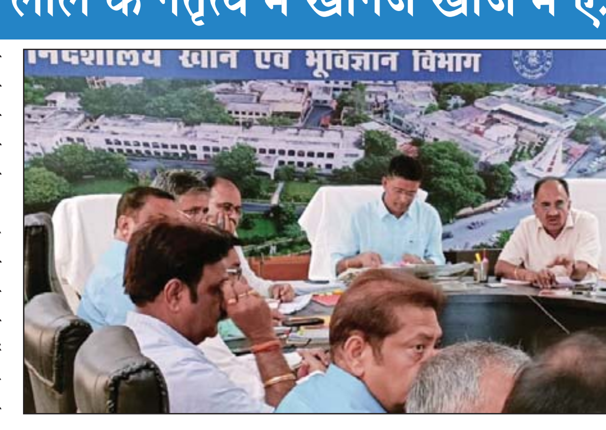

खान एवं भूविज्ञान विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने शुक्रवार को उदयपुर के खनिज भवन में हाईब्रिड मोड पर विभागीय अधिकारियों की बैठक ली।

इसी तरह से डीएमएफटी को और अधिक व्यावहारिक बनाते हुए खनन प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य, षिक्षा, कौषल विकास, महिला बाल विकास सहित सीधे आम आदमी से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी है।

रविकान्त ने खनिज प्लाट और ब्लॉक तैयार करने के डेलिनियेशन व अन्य कार्यों के निष्पादन में तेजी लाने के साथ ही माइनिंग व जियोलोजी विंग में बेहतर समन्वय पर जोर दिया ताकि अधिक से अधिक माइनर व मेजर मिनरल के ब्लॉक तैयार कर ऑक्शन किया जा सके। इससे माइनिंग सेक्टर में निवेश, रोजगार और राजस्व की बढ़ोतरी तो होगी ही साथ ही अवैध खनन पर भी रोक लग सकेगी। उन्होंने राजस्व लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने फील्ड अधिकारियों से कहा कि राजस्व लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वित्तीय वर्ष के अंतिम महिनों तक प्रतीक्षा करने के स्थान पर निर्धारित

- सभी एप्लीकेशंस होगी ऑनलाईन- पारदर्शिता, समय व धन की होगी बचत : टी. रविकांत
- अधिक से अधिक मिनरल प्लाटों के डेलिनियेशन कर ऑक्शन पर जोर

पुरानी व करन्ट बकाया राशि की वसूली के और अधिक कारगर प्रयास करने को कहा।निदेशक माइंस दीपक तंवर ने कहा कि अधीक्षण खनि अभियंता स्तर पर राजस्व वसूली, डेलिनियेशन, प्लॉट ऑक्षन, आरसीसी/ईआरसीसी ठेकों की नीलामी व रायल्टी वसूली आदि प्रमुख बिन्दुओं पर नियतकालीन समीक्षा होनी चाहिए।

उन्होंने खान धारक पर सरकारी राजस्व की बकाया ड्यू होते ही उसे जमा कराने का नोटिस चले जाना चाहिए ताकि समय पर राजस्व आ सके।

तंवर ने विश्वास दिलाया कि विभाग द्वारा राज्य सरकार द्वारा तय लक्ष्यों के अनुसार प्रतिमाह वसूली की जाये।समीक्षा बैठक में न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों, विधानसंभा के लंबित प्रकरणों, मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव स्तर से प्राप्त पत्रों और अभाव अभियोगों के तयसमय सीमा में निष्पादन के निर्देष दिए गए।

बैठक में संयुक्त सचिव आशु चौधरी, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, एसजी सुनील वर्मा, जेएलआर गजेन्द्र सिंह, विभाग के अतिरिक्त निदेशक माइनिंग और भूविज्ञान, अधीक्षण खनिज अभियंता, एमई-एएमई व अधीक्षण भूवैज्ञानिक अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

चंबल नदी के राजस्थान में बने बांध लबालब, कोटा बैराज से लगातार पानी की निकासी संभव

कैचमेंट एरिया में होने वाली बारिश से लगातार पानी की आवक होने पर निकासी की जाएगी

कोटा, (निसं)। चंबल नदी के राजस्थान में बने तीनों बांध में इस बार लबालब पानी है। ऐसे में इनका कैचमेंट एरिया में होने वाली बारिश से लगातार पानी की आवक होने पर निकासी की जाएगी। इसी के चलते

- **कोटा बैराज से दो गेट खोलकर 6500 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है, जिसमें एक गेट 3 फीट और दूसरा 5 फीट खोला गया है**

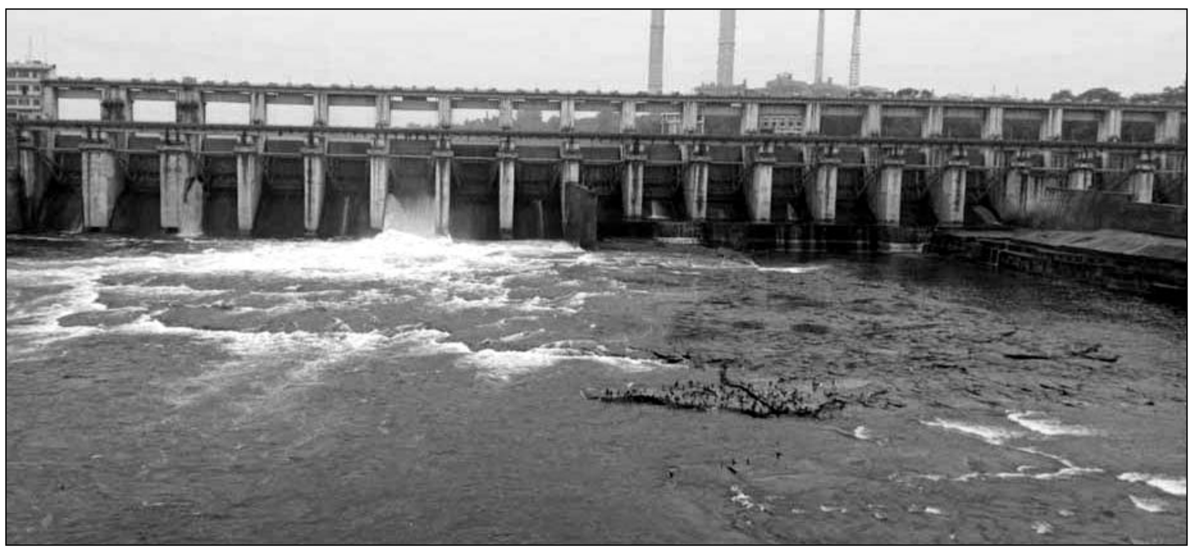

कोटा बैराज से दो गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है।

राणा प्रताप सागर बांध और जवाहर सागर बांध से मशीन डिस्चार्ज किया जा रहा है। बिजली उत्पादन भी शुरू हो गया है। साथ ही कोटा बैराज से गेट डिस्चार्ज भी शुरू कर दिया गया है। इन तीनों डैम के गेट खुलेंगे तो पानी का डिस्चार्ज किया जाएगा। इसके बाद चंबल नदी कोटा से लेकर धौलपुर तक अलर्ट मोड पर रहेगी। इस बार यह तीनों डैम 96.69 फीसदी फुल हैं। इन तीनों की पूरी कैपेसिटी 3084.03 मिलियन क्यूबिक मीटर है, जबकि इनमें वर्तमान में पानी 2982.23 मिलियन क्यूबिक मीटर है।

राणा प्रताप सागर बांध के सहायक अभियंता हरीश तिवाड़ी का कहना है कि मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित चंबल नदी के सबसे बड़े बांध गांधी सागर बांध का लेवल कम किया गया था। इसके चलते वहां से पानी डिस्चार्ज गर्मी के सीजन में हुआ था। राणा प्रताप सागर बांध उस समय खाली था। ऐसे में राणा प्रताप सागर बांध से पानी छोड़ने की जगह उसे स्टोर कर लिया गया। राणा प्रताप सागर बांध का लेवल बढ़ गया है। साल 2024 में 20 जून के दिन वहां पर फुल कैपेसिटी 2904.85 की एवज में 1982.86 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी था। यह बीते साल करीब 68 फीसदी बारिश के सीजन की शुरुआत में भरा हुआ था। जबकि इस साल 2025 में यह 97 फीसदी भरा हुआ है। वर्तमान में इसमें 2819.63 एमसीएम पानी है। इसी दिन गेट से पानी डिस्चार्ज पहली बार पिछले साल हुआ था। जबकि इस बार ऐसी स्थिति नहीं है। राणा प्रताप सागर बांध में 85 एमसीएम पानी आने के बाद यह फूल हो जाएगा। ऐसे में इस बार पूरी उम्मीद है कि जून महीने में ही डैम से पानी डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। जबकि मशीन डिस्चार्ज शुरू हो गया है।

सहायक अभियंता हरीश तिवाड़ी के मुताबिक राणा प्रताप सागर बांध में ज्यादातर पानी की आवक गांधी सागर बांध के पानी छोड़ने से होती है। इस बार गांधी सागर बांध बीते साल की अपेक्षा इस बार ज्यादा खाली है। बीते साल वहां कैपेसिटी 7164.94 एमसीएम की तुलना में 58 फीसदी यानी 4173.85 एमसीएम पानी था। इस बार यह पानी महज 46.87 फीसदी यानी 3358.25 है। ऐसे में गांधी सागर बांध को भरने में काफी ज्यादा समय लगेगा लेकिन आरपीएस डैम के कैचमेंट एरिया में होने वाली बारिश के पानी को तुरंत निकालना पड़ेगा। जवाहर सागर बांध के केसमेंट एरिया में ब्राह्मणी नदी का भी पानी आता है। यह शुरुआत में हजारों क्यूसेक होता है और बाद में बढ़कर लाख क्यूसेक ऊपर भी चला जाता है। ऐसे में लगातार निकासी भी होगी। कोटा बैराज की कुल क्षमता 112 मिलियन क्यूबिक मीटर के आसपास ही है। जबकि जवाहर सागर डैम की क्षमता 67.12 एमसीएम है। जबकि राणा प्रताप सागर बांध इन दोनों डैम की क्षमता से 16 गुना ज्यादा बड़ा है। ऐसे में राणा प्रताप सागर बांध से पानी की निकासी होने पर इन दोनों डैम से तत्काल निकासी की जाती है क्योंकि इनमें पानी को स्टोर ज्यादा नहीं किया जा सकता है।

कोटा बैराज से छोड़ा पानी : सहायक अभियंता निकिता पारेता ने बताया कि बारिश के सीजन को देखते हुए फ्लड सेल जल संसाधन विभाग ने चालू कर दी है। इसके जरिए हर घंटे डैम और उनके पानी की आवक व डिस्चार्ज की रिपोर्ट ली जा रही है। इसे 24 घंटे जिला कलेक्टर और जयपुर मुख्यालय को अपडेट भी कराया जाता है ताकि पानी डिस्चार्ज होने पर नीचे अलर्ट जारी हो सकें। राणा प्रताप सागर बांध में 12167 क्यूसेक पानी की आवक हो रही है। मशीन के जरिए 1790 क्यूसेक डिस्चार्ज किया जा रहा है। जबकि जवाहर सागर बांध से 3800 क्यूसेक पानी आ रहा है जिसमें ब्राह्मणी नदी का पानी भी है। यहां से मशीन डिस्चार्ज किया जा रहा है। इसी तरह से कोटा बैराज से दो गेट खोलकर 6500 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। जिसमें एक गेट 3 फीट और दूसरा 5 फीट खोला गया है।

सरकारी कर्मचारी का संदिग्ध हालत में शव मिला

- **प्रथमदृष्टया आशंका जताई जा रही है कि किसी विषाक्त पदार्थ का सेवन किया हो**
- **मौत के सही कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा, पुलिस ने जांच शुरु की**

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में बीती शाम एक सरकारी कर्मचारी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे पेड़ के नीचे मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 49 वर्षीय विष्णु पारीक पुत्र सत्यनारायण पारीक, निवासी रायपुर के रूप में हुई है। वे वर्तमान में भीलवाड़ा में राजकीय सेवा में कार्यरत थे।

सूत्रों के अनुसार, गुरुवार सुबह विष्णु पारीक अपनी स्कूटी लेकर कार्यालय के लिए निकले थे, लेकिन देर शाम तक जब वे घर नहीं लौटे, तो परिजन चिंतित हो उठे। इसी दौरान हरिपुरा-भगवानपुरा मार्ग पर राहगीरों की नजर सड़क किनारे एक पेड़ के नीचे अचेत अवस्था में पड़े व्यक्ति पर पड़ी। उन्होंने तुरंत मांडल उपजिला चिकित्सालय में सूचना दी, जहां विष्णु पारीक को लाया गया। डॉक्टरों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू की। परिजनों को भी सूचना दी गई, जो मौके पर पहुंच गए।

मृतक के चेहरे पर विशेष रूप से आंखों के नीचे नीले निशान और मुंह से खून निकलने के लक्षण देखे गए हैं, जिससे प्रथमदृष्टया आशंका जताई जा रही है कि विष्णु पारीक ने किसी विषाक्त पदार्थ का सेवन किया हो। हालांकि, मौत के सही कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, इस घटना से इलाके में शोक और भय का माहौल है। लोगों में इस बात को लेकर चर्चाएं हैं कि आखिर विष्णु पारीक की मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई। परिजन भी स्तब्ध हैं और उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मांडल थाना प्रभारी विक्रम सिंह शेरावत ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है। आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि घटना से जुड़े कोई सुराग मिल सके। राजकीय कर्मचारी विष्णु पारीक की अचानक हुई मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस मामले को हर एंगल से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह मामला आत्महत्या का है, दुर्घटना का या किसी साजिश का। उनकी मौत से परिवार और समाज में शोक की लहर है।

कार्यालय नगरपरिषद, जालोर (राजस्थान)

क्रमांक : नपजा/स्टोर/2025/ई–निविदा/1794 दिनाक :– 12.06.2025

:: ई–निविदा सूचना सं. 02/2025–26 ::

नगरपरिषद, जालोर क्षैत्र में **Maintenance Of Led Street Lights And Road Light Lines In Municipal Coucil (Ulb) Area (Including Material &Amp Manpower/Labour)** कार्य के लिए माल एवं सेवाओं के उपापन के लिए दर संविदा वित्तीय वर्ष 2025–26 (31.03.2026) के लिए कार्य दर (रेट कोन्टेक्ट) हेतु विभिन्न फर्मो, ठेकेदारों, अधिकृत डिलरों से एतद्द्वारा मोहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है–

NIB CODE :- DLB2526A2387

आयुक्त नगर परिषद, जालोर

राज.संवाद/सी/25/4527

टेम्पो ट्रक से 1183 किलो घी व वेज फेट जब्त

- **पाली जिले के विभिन्न गांवों में दुकान व प्रतिष्ठानों पर विक्रय हेतु जा रहा था घी**
- **खाद्य सुरक्षा अधिकारी मय दल द्वारा तेज बारिश के बावजूद देर रात 12 बजे तक कार्रवाई की**

पाली, (नि.सं.)। जिले में मिलावटखोरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुये आयुक्त खाद्य सुरक्षा औषधि नियंत्रण एच गुईटे के दिशा निर्देश पर पाली जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विकास मारवाल व खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में मिलावटी घी की सूचना पर देर रात को दबिश देकर नेशनल हाइवे-14 पर जाडन के समीप टेम्पो ट्रक से 1183 किलो घी व वेज फेट जब्त किया गया।

सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि मुखबीर की सूचना पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी मय दल द्वारा तेज गती से चल रहे टेम्पो ट्रक का पीछा कर उसे जाडन पेट्रोल पम्प पर रूकवाया गया, जिसकी जांच करने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चन्द्र शर्मा को बिना बिल के विक्रय होने जा रहे घी का मिलावटी होने का संदेह हुआ जिस पर विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुये चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की आर्दश प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जाडन पर टेम्पो ट्रक में भरे माल को खाली करवाया गया। एफएसओ द्वारा टेम्पो ट्रक के चालक शक्ति सिंह रावत से पूछतात करने पर बताया कि श्री श्याम फुड प्रोडेक्ट अजमेर के निर्माण एवं उत्पादक इकाई से घी व वेज फेट टेम्पो ट्रक में भरवाया गया, जो पाली जिले के विभिन्न गावों में दुकान व प्रतिष्ठानों पर विक्रय हेतु जा रहा था। मामले को गम्भीरता से लेते हुये खाद्य सुरक्षा अधिकारी व सीएमएचओ ने जब्त सभी खाद्य पदार्थ को सीज कर उनके सेम्पल लिये। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल के साथ फुड सैफ्टी टैक्निशियन खुशाल चन्द सैन, ऑपरेटर ओम प्रकाश प्रजापत, लक्ष्मणदान चारण उपस्थित रहे।

डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि राज्य सरकार के शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत मिलावट के रोकथाम पर कार्रवाई करते हुये टेम्पो ट्रक से 6 ब्रांड के घी व वेज फेट जब्त किये इनमे घी ब्रांड सरल, नमस्ते कृष्णा, श्री राजंवशी सुपर सारथी घी, सरल के 15 किलो टीन व वेज फेट डेयरी सरस रिफायड पॉम ऑयल सारस कुंकीग मीडियम ऑयल सहित आधा लीटर एक लीटर व पांच लीटर घी की सामग्री को सीज किया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चन्द्र शर्मा ने बताया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधीकरण द्वारा बनाये गये खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 विनियम 2011 कानून के तहत खाद्य पदार्थों में मिलावट का संदेह होने होने पर अजमेर के सराधना स्थित श्री श्याम फूड प्रोडेक्टस निर्माण एवं उत्पादक इकाई द्वारा बाजार में विक्रय के लिए जाने वाले घी पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी मय दल द्वारा तेज बारीश के बावजूद देर रात 12 बजे तक कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

तकनीकी समस्या के चलते मुंबई से जोधपुर आने वाली फ्लाइट रद्द

एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई 645 को तकनीकी समस्या के चलते रद्द करना पड़ा

- **यात्रियों ने एयर इंडिया की ओर से समुचित जानकारी और वैकल्पिक व्यवस्था नहीं मिलने की शिकायत एयरपोर्ट प्रशासन और एयर इंडिया अधिकारी से की, रिफंड जल्द उपलब्ध कराने की मांग की, यात्रियों ने नाराजगी जताई**

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर आने वाले यात्रियों के लिए शुक्रवार की सुबह निराशाजनक रही, जब एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई 645 को तकनीकी समस्या के चलते रद्द करना पड़ा। यह फ्लाइट मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सुबह 9.15 बजे उड़ान भरने वाली थी और इसे जोधपुर में सुबह 11.05 बजे लैंड करना था लेकिन उड़ान से कुछ देर पहले ही एयरलाइंस को विमान में तकनीकी खराबी की सूचना मिली। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एयर इंडिया प्रबंधन ने तत्काल उड़ान रद्द करने का निर्णय लिया।

इस फैसले के बाद यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। खासकर उन्हें जिनको जरूरी कार्यों के लिए यात्रा करनी थी। फ्लाइट के रद्द होने की जानकारी यात्रियों को अंतिम समय में मोबाइल मैसेज के माध्यम से दी गई, जिससे कई यात्री असमंजस की स्थिति में आ गए। कुछ यात्री पहले से एयरपोर्ट पहुंच चुके थे, जिनमें वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। उन्हें वैकल्पिक उड़ान की तलाश करनी पड़ी या फिर अन्य माध्यमों से यात्रा के लिए रवाना हुए।

यात्रियों ने एयर इंडिया की ओर से समुचित जानकारी और वैकल्पिक व्यवस्था नहीं मिलने की शिकायत एयरपोर्ट प्रशासन और एयर इंडिया अधिकारी से की।

यात्रियों ने एयर इंडिया से वैकल्पिक उड़ान की सुविधा या पूरा रिफंड जल्द से जल्द उपलब्ध कराने की मांग की है। कई यात्रियों का कहना है कि उन्हें न तो काउंटर पर सही जानकारी मिल पाई और न ही हेल्पलाइन से कोई संतोषजनक जवाब मिला। कुछ यात्रियों ने सोशल मीडिया पर भी अपनी नाराजगी जाहिर की और एयरलाइन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-चित्तौडगढ

क्रमांक-टी.एस./2025-26/डी-632 दिनांक-07.06.2025

NOTICE INVITING BID - 11/2025-26

Bids for Construction of Atal Pragati Path Satpura Road to Retuliya Chowk (Ghosunda) in Division Chittorgarh Procurement are invited from interested Bidders upto 6.00 PM of 23.06.2025 Other particulars of the Bid may be visited on the Procurement Portal (http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state website. The approximate value of the Procurement in Rs. 15797033.00

NIB CODE-PWD2526A1182

UBN No.-PWD2526WSOB04031

Executive Engineer PWD Dn. Chittorgarh

DIPR/C/7858/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड मालपुरा

क्रमांक : 420 दिनांक : 9-6-2025

निविदा सूचना संख्याः 08/2025-26 खण्ड मालपुरा

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड मालपुरा में सडक/ भवन निर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" एवं "एए", "बी", "सी", "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code	PWD2526A1187	6	PWD2526WSRC04064
1	PWD2526WLOB04051	7	PWD2526WSRC04065
2	PWD2526WSOB04053	8	PWD2526WSRC04066
3	PWD2526WSOB04057	9	PWD2526WSRC04067
4	PWD2526WSRC04062	10	PWD2526WSRC04068
5	PWD2526WSRC04063	11	PWD2526WSRC04069

DIPR/C/7797/2025 अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड मालपुरा

ENGINEERING COLLEGE BHARATPUR HOSTEL

(A Constituent College of Rajasthan Technical University, Kota)

Village-Shyorana, Near Sewar & National Highway-11, Bharatpur

क्रमांक : GECBH/HOSTEL/2025-26/11 दिनांक : 19.06.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

अभियांत्रिकी महाविद्यालय भरतपुर के छात्रावासों में मैस संचालन मय खाद्य सामग्री हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसकी विस्तृत जानकारी के लिए महाविद्यालय की बेवसाइट www.ecbharatpur.ac.in एवं कार्यदिवस पर महाविद्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

-प्राचार्य

इंग्लिश मीडियम स्कूलों को 10 महीने बाद भी शिक्षक नहीं मिले

- **आक्रोशित शिक्षकों माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में विरोध प्रदर्शन किया**

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में ऑनलाइन आवेदन के बाद अभ्यर्थियों को सीटों का आवंटन हो गया है। पिछले साल 25 अगस्त को हुई परीक्षा में सिलेक्ट हुए शिक्षकों को अभी तक इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पोस्टिंग नहीं मिली है। पदस्थापन में विलंब से शिक्षकों में नाराजगी है।

आक्रोशित शिक्षकों माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में विरोध प्रदर्शन किया। शिक्षक संघ एलिमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद के नेतृत्व में शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के मुख्य प्रशासनिक भवन पर प्रदर्शन करके स्टाफ ऑफिसर डॉ. अशोक कुमार शर्मा, उप निदेशक (प्रशासन) वीणा सोलंकी को मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में जल्द पदस्थापन की प्रक्रिया शुरू करने, शिक्षा विभाग में तबादलों के लिए स्थाई तबादला नीति बनाने, तीन सत्रों की वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता की बकाया पदोन्नति व अध्यापक से वरिष्ठ अध्यापक की बकाया सभी सत्रों पदोन्नति अतिशीघ्र करवाने व समग्र शिक्षा के कार्यालय के 1382 पदों के लिए इंटरव्यू का परिणाम जल्द जारी करने से संबंधित मांग शामिल हैं। उधर, शिक्षक संघ रेसला के प्रदेशाध्यक्ष गिरधारी गोदारा के नेतृत्व में भी शिक्षकों ने माध्यमिक शिक्षा निदेशालय पर विरोध प्रदर्शन कर अंग्रेजी माध्यम में स्कूलों में चयनित शिक्षकों को जल्द से जल्द पोस्टिंग देने की मांग की। वार्ता में सहमति नहीं बनने पर शिक्षक संघ रेसला ने शिक्षा निदेशालय पर अनिश्चितकालीन धरना लगाने का निर्णय लिया है।

आयोजना एवं परिवेक्षण निदेशालय

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)

क्रमांक-डीपीएम/सीसी/मप्रकृप्रौविवि/निविदा-01/2025-26/6095 दिनांक : 20.06.2025

ई-निविदा सूचना-01 (2025-26)

माननीय कुलपति महोदय, म.प्र.कृ.प्रौ.वि.वि. उदयपुर की ओर से कलर प्रिन्टिंग कार्य करने हेतु (अनुमानित लागत रू. 20 लाख), मुहरबन्द निविदाएँ आंमत्रित की जाती है। समस्त शर्ते एवं विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov. in, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.mpuat.ac.in पर देखा जा सकता हैं।

UBN No. ATU2526SLRC00109 निदेशक, आयोजना एवं परिवेक्षण निदेशालय

Office of the Superintendent Engineering and Project Manager WCDC, Karauli

No. 742 Date: 13-06-2025

NOTICE INVITING BID

NIB No 14/2025-26

Bids for Gabian stracture work Project PMKSY2.0 Block - Mandrail of estimated value INR 224.17 Lacs [01 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 23-06-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB CODE:- WSC2526A0304

UBN NO- WSC2526WSRC00504

Superitending Engineer and Project Manger WCDC Zila Parishad Karauli

DIPR/C/8227/2025

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद जालोर

क्रमांक-एफ( )/निविदा/2025-26/628 दिनांक-11.06.2025

NOTCE INVITING BID NIT NO 05/2025-26

Bids for NRM Works Under PMKSY 2.0 project area in Ahore of estimated Value INR 27.99 Lacs are invited from interested bidders Up to 3.00 PM 24-06-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https//eproc.rajasthan.gov.in or https://Sppp. rajasthan.gov.in) of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB NO.	UBN NO.
NIT-05/ 2025-26	Open Air Gym, Tine shed & Stage in play Ground and balvatika (Ahore)	WSC2526 A0287	WSC2526 WSRC00483

(Laxman Singh Sandu) SE & PMWCDC, ZILA PARISHAD JALORE DDO CODE NO. 28606

DIPR/C/8207/2025

Office of the Superintendent Engineering and Project Manager WCDC, Karauli

No. 739 Date: 12-06-2025

NOTICE INVITING BID

NIB No 13/2025-26

Bids for Talab, talai, Periferal band work Project PMKSY2.0 Block - Mandrail of estimated value INR 68.50 Lacs [01 Package) are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 22-06-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB CODE:- WSC 2526 A0294

UBN NO- WSC, 2526 WSRC00491

Superitending Engineer and Project Manger WCDC Zila Parishad Karauli

DIPR/C/8123/2025

जोधपुर में डॉक्टर्स का पूर्ण कार्य बहिष्कार

जोधपुर, (कासं)। डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के फार्मेसी विभाग के रेजिडेंट डॉ. राकेश विश्नोई के 13 जून को सेल्फाश खाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सातवें दिन शुक्रवार को भी नहीं सुलझ पाया। जयपुर के एसएमएस अस्पताल के बाहर धरना प्रदर्शन जारी है। साथ ही अब जोधपुर में डॉक्टर्स ने पूर्ण कार्य का बहिष्कार आज से कर दिया। मामले में अभी तक डॉ. एसएन. मेडिकल कॉलेज प्रशासन और सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं होने से जोधपुर में रेजिडेंट डाक्टर्स भी हड़ताल पर उतर गए हैं। रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसियेशन के अध्यक्ष हीरालाल और महासचिव रंजीत चौधरी आपात स्थिति में सेवाएं दे रहे हैं। रेजिडेंट डॉक्टर डॉ. राकेश विश्नोई के आत्महत्या प्रकरण में न्याय की मांग को लेकर जोधपुर रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसियेशन जोधपुर से जुड़े करीब पांच छह सौ डॉक्टर्स हड़ताल पर उतर गए हैं।

रिश्वत मांगने के मामले में मोकलसर सरपंच निलंबित

- **एबीसी ने 10 हजार की रिश्वत लेते ट्रेप किया था**
- **निलंबन अवधि के दौरान किसी भी पंचायत कार्य या कार्रवाई में भाग नहीं ले सकेगा सरपंच**

सूरतगढ़, (निसं)। उपखंड की ग्राम पंचायत मोकलसर के सरपंच गणेशाराम गोदारा को प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि स्वीकृत करने के बदले रिश्वत मांगने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम 1994 की धारा 38(4) के तहत की गई है। निलंबन आदेश अतिरिक्त आयुक्त एवं शासन उप सचिव इन्द्रजीत सिंह ने जारी किया।

मामले की शिकायत मोकलसर के वार्ड नंबर पांच के निवासी गणेशाराम कुम्हार ने दर्ज करवाई थी। शिकायत में कहा गया था कि सरपंच गणेशाराम गोदारा ने उनके पिता गोविंदराम कुम्हार से प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति के लिए 12,000 की रिश्वत मांगी थी। शिकायत के अनुसार 24 मई 2025 को सरपंच ने 10,000 नकद ले लिए थे। इस मामले को एसीबी ने गंभीरता से लिया और सरपंच को कर्तव्यों में लापरवाही और अपकीर्तिकर आचरण का दोषी पाया। जिसके बाद उसे रंगे हाथ ट्रेप करने के लिए जाल बिछाया गया और कार्रवाई को अंजाम देते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। निलंबन के बाद सरपंच को आरोप पत्र जारी किया गया है और वे निलंबन अवधि के दौरान किसी भी पंचायत कार्य या कार्रवाई में भाग नहीं ले सकेंगे।

एसीबी की हनुमानगढ़ और बीकानेर की टीमों ने 24 मई को बड़ी कार्रवाई अंजाम देते हुए सूरतगढ़ पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मोकलसर के सरपंच गणेशाराम गोदारा को 10,000 रुपए रिश्वत लेते पुराना हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित आवास से रंगे हाथों गिरफ्तार किया था।

एसीबी के महानिदेशक के मुताबिक एबीसी हनुमानगढ़ चौकी को शिकायत मिली थी कि मोकलसर सरपंच गणेशाराम गोदारा पंचायत क्षेत्र के निवासी परिवादी के पिता के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि स्वीकृत करवाने के बदले 12,000 रुपए रिश्वत मांग रहा था। शिकायत की सत्यता जांचने के बाद एसीबी ने जाल बिछाया और सरपंच गणेशाराम को 10,000 रुपए रिश्वत लेते मौके पर गिरफ्तार किया था।

राजस्थान सरकार

कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक-F.32(B) (Model Shop)EX/L/2025-26-05066/170 दिनांकः 18.06.2025

मॉडल शॉप्स (Model Shops) के अनुज्ञापत्र हेतु ई-नीलामी आमंत्रण सूचना-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा कमांक प.4 (1) वित्त/आब/2025 दिनांक 29 जनवरी, 2025 के द्वारा जारी आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2025-29 के प्रावधानानुसार मॉडल शॉप्स की ऑनलाईन ई-नीलामी के लिये विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार ई-बोली आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	नीलामी की दिनांक	नीलामी का समय
1	07-07-2025	प्रातः 11.00 बजे से सांय 4.00 बजे तक

1. ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बोलीदाता द्वारा विभागीय वेबसाइट https://iems.rajasthan.gov.in से अपने के माध्यम से लॉगइन करते हुए विभागीय ई-ऑक्शन पोर्टल में निर्धारित प्रकियानुसार दिनांक 20.06.2025 प्रातः 11.00 बजे से एक बारीय पंजीकरण करने उपरान्त ऑनलाइन नीलामी में भाग लिया जा सकेगा। इच्छुक बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व सर्वप्रथम राजस्थान सरकार के पोर्टल https://sso.rajasthan.gov.in पर ""Citizen"" केटेगरी के अन्तर्गत SSO ID बनाना होगा।
2. नीलामी एक कार्य दिवस में न्यूनतम पांच घण्टे की होगी एव उसके पश्चात् जब तक बोली लगती रहे तब तक 10 मिनट के अनन्त विस्तार (indefinite extension) तक जारी रहेगी।
3. बोलीदाता को कम से कम रू. 10,000/- अथवा रू. 10,000 के गुणांक मे बढाकर बोली लगानी होगी।
4. राज्य में शहरीय क्षेत्र जयपुर शहर में 05, जोधपुर में 02, उदयपुर में 02, माउन्ट आबू व आबूरोड एवं अन्य शहरों में एक-एक मॉडल शॉप आवंटित की जायेगी।
5. मॉडल शॉप की न्यूनतम रिजर्व प्राईस जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, माउन्ट आबू तथा आबूरोड के लिये राशि रूपये 1 करोड प्रति मॉडल शॉप तथा अन्य शहरों के लिये राशि रूपये 50 लाख प्रति मॉडल शॉप निर्धारित है।
6. बोलीदाता एक बार में रिजर्व प्राइस / पिछली बोली से 10 प्रतिशत से अधिक राशि बढाकर बोली नही लगा सकेगा।
7. ऑनलाईन नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने हेतु प्रति मॉडल शॉप का आवेदन शुल्क रूपये 50,000/- निर्धारित है, जो की अप्रतिदेय (Non-refundable) होगा।
8. मॉडल शॉप्स का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, न्यूनतम रिजर्व प्राईस एवं अमानत राशि का विवरण विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगा।
9. ऑनलाईन नीलामी में SSO ID के माध्यम से भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा मॉडल शॉप का चयन कर आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि यथासंभव नीलामी की तिथि से एक दिवस पहले रात 11.59 तक https://iems.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर बोलीदाता के ऑनलाईन भुगतान द्वारा इस वेबसाईट पर जमा हो जानी चाहिये। ऐसा करने से बोलीदाता विभिन्न प्रकार की तकनीकी समस्याओं से बच सकेंगे। ऑनलाईन भुगतान नही होने या अन्यथा तकनीकी कारणों से निर्धारित राशियां जमा नही होने के कारण बोली में भाग नहीं ले पाने के लिये आवेदक स्वंय जिम्मेदार होगा।
10. प्रत्येक मॉडल शॉप के लिये ऑनलाईन नीलामी में भाग लेने हेतु निर्धारित न्यूनतम रिर्जव प्राईस की 2 प्रतिशत राशि अमानत राशि के रूप में आवेदन के साथ जमा करायी जानी है। बिड राशि के अनुसार अतिरिक्त अमानत राशि (Dynamic Earnest Money) भी जमा करानी होगी
11. सफल बोलीदाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेन्स ई-नीलामी के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तो, जो विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध है के अनुसार जमा करानी होगी।
12. निर्धारित समय में वांछित राशियाँ यथा-धरोहर राशि, स्वीकृत वार्षिक गारंटी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि खारिज की जायेगी।
13. वर्ष 2025-26 के पात्र अनुज्ञाधारियों को वर्ष क्रमशः 2026-27, 2027-28 व 2028-29 के लिये निर्धारित शर्तो पर अनुज्ञापत्र नवीनीकरण का अवसर दिया जायेगा।
14. बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29, समस्त दिशा-निर्देश, प्रक्रिया एवं शर्तों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लिया जाना चाहिये।
15. मॉडल शॉप के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-नीलामी में भाग ले सकेंगें, जो राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
16. ई-नीलामी के संबंध में अन्य सभी प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 तथा राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेगे।

(शिवप्रसाद नकातें)

आबकारी आयुक्त, राजस्थान

DIPR/C/8151/2025

मानसून की बारिश ने जयपुर की सड़कों की पोल खोली

कहीं सड़क बही तो कहीं मिट्टी के अंदर ही सड़क और उस पर खड़े वाहन धंस गए

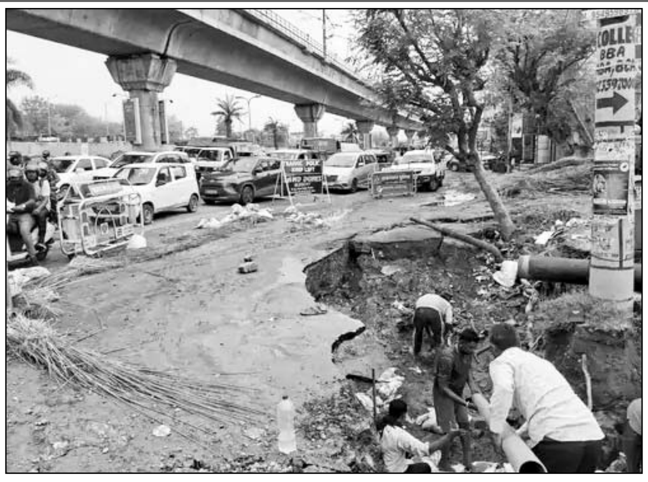

जयपुर में बीते दो दिनों से हो रही मानसून की बारिश से शहर में कई जगहों पर सड़कें धंस गई। मुहाना क्षेत्र में तो मिट्टी कटाव के कारण वहां खड़ी गाड़ियां ही करीब 3 फीट नीचे जा पहुंची।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मानसून की शुरूआत के साथ राजधानी जयपुर में हुई महज आधे घंटे की बरसात ने सड़कों की पोल खोल कर रख दी। कई जगह सड़कों पर गड्ढे हो गए तो कहीं कारें ही सड़क के साथ मिट्टी में धंस गई। इन सब कामों में जेडीए के इंजीनियर्स की लापरवाही सामने आई है। विशेषकर जोन 5 और पृथ्वीराजनगर दक्षिण है। काम में हुई लापरवाही की कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। सब एक-दूसरे पर मामला टालने की कोशिश कर रहे है।

■ **गंगा-जमुना पेट्रोल पंप, निर्माण नगर और मुहाना क्षेत्र में मामले सामने आए**

बारिश के दौरान जोन 5 में तीन जगहों पर बड़े गढ्ढे हो गए। गंगा-जमुना पेट्रोल पंप और निर्माण नगर की तरफ तीन बड़े गढ्डे हो गए हैं। निर्माण नगर की तरफ हाल ही जेडीए ने सड़क निर्माण कराया था। उस समय सड़क की घटिया क्वालिटी को लेकर स्थानीय निवासियों और आतिश मार्केट के दुकानदारों ने नाराजगी भी जताई थी।

परंतु जेडीए प्रशासन ने यहां सड़क बनाने वाली फर्म मैसर्स गोकुलनाथ की धांधली पर आंखें मूंद ली। इस फर्म ने जो सड़क बनाई है, वह इस मानसून के अंत तक भी टिक जाए तो बड़ी बात होगी। यह बातें इसलिए कही जा रही है, क्योंकि पहली ही बारिश में सड़क उधड़ गई। मिट्टी में कटाव होते ही यह पूरी सड़क को ले बैठी। टोरेंट गैस कंपनी ने भी यहां सड़क की खुदाई का काम कराया था। मौके पर निर्माण के समय तो इंजीनियर्स फील्ड से गायब रहते है, अब जब पोल खुल रही है तो सभी अपनी जिम्मेदारी एक-दूसरे पर टालने में लगे है।

सीवर के काम में भी खामियां

जेडीए ने हॉल ही पृथ्वीराजनगर में 100 रुपए की लागत से सीवरलाइन डालने का काम शुरु कराया था। यह काम जेडीए की पीआरएन दक्षिण की पीएचई शाखा कर रही है। यह काम मुहाना मंडी के पास इस्कान रोड से शुरु हुआ है। पारूल कंस्ट्रक्शन के नाम टेंडर खुला है। कंपनी यहां मिट्टी खोद कर सीवर लाइन डाल रही है लेकिन सीवर के पाइप सीधे मिट्टी में डाले जा रहे हैं, जबकि पहले मिट्टी की खुदाई करने के बाद नीचे सीमेंट रोडी कंक्रीट का आधार बनाया जाता है उसके बाद बाक्स डाला जाता है, ताकि बरसात या पानी में लीकेज होने के कारण नीचे की मिट्टी ढहे नहीं। परंतु ठेकेदार पैसे बचाने के चक्कर में सीधे मिट्टी में बाक्स डाल देते है जिससे मिट्टी पानी के साथ बह जाती है। इस खुली लापरवाही के बावजूद जेडीए के इंजीनियर्स, ठेकेदारों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। जोन 5 में सड़क निर्माता ठेकेदार गोकुलनाथ से कोई जवाबदारी नहीं मांग रहा, वहीं जेडीए की पीआरएन की पीएचई विंग भी पारूल कंस्ट्रक्शन को बचाने में जुट गई है। जेडीए के अफसरों ने उसे नोटिस तक नहीं दिया है।

मेडिकल स्टोर व दवा निर्माता पर 21 हजार रुपए हर्जाना

■ **दवा की स्ट्रिप में टेबलेट नहीं निकलने पर उपभोक्ता आयोग ने लगाया**

जयपुर (कासं) । जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-तृतीय ने मरीज को दी गई मेडिसिन की स्ट्रिप में टेबलेट्स नहीं निकलने और उससे दवाई की पूरी राशि लेने को अनफेयर ट्रेड प्रेक्टिस करार देते हुए मैसर्स सात्विक मेडिकल स्टोर व फार्मा कंपनी लोगोस पर 21 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने विपक्षी को निर्देश दिया है कि वे स्ट्रिप में नहीं निकली टेबलेट्स की राशि उसे परिवाद दायर होने से 9 प्रतिशत ब्याज सहित वापस करे। आयोग के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर व सदस्य पवन कुमार भारद्वाज ने यह आदेश रितू काला व देवांग काला के परिवाद पर दिया।

परिवाद में कहा गया कि 3 जून 2024 को परिवादी की स्किन पर चकते होने पर उन्होंने डॉक्टर को दिखाया। डॉक्टर के परामर्श के बाद 3,159 रुपए के बिल का भुगतान किया, जबकि मेडिसिन 3,158 की थी। वहीं कुछ स्ट्रिप में टेबलेट्स ही नहीं निकली। इसके अलावा स्ट्रिप व बिल में टेबलेट्स की एक्सपायरी डेट भी अलग-अलग अंकित की गई। इस गफलत के चलते उन्होंने टैबलेट का सेवन नहीं किया और 6 जून को एसएमएस अस्पताल में दिखाया। जहां उन्हें निशुल्क दवाइयां मिली। परिवाद में कहा गया कि परिवादी ने विपक्षी से स्ट्रिप में नहीं निकली टेबलेट्स की राशि लौटाने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इसे उपभोक्ता अदालत में चुनौती देते हुए विपक्षी से हर्जा-खर्चा सहित टेबलेट्स की राशि दिलवाए जाने का आग्रह किया।

भू-माफिया गिरोह का पर्दाफाश किया मानसरोवर थाना पुलिस ने

■ **फर्जी कागजात बनाकर करोड़ों के भूखंडों पर कब्जा करते थे बदमाश**

जयपुर । मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी कागजात बनाकर करोड़ों के भूखंडों पर कब्जा करने वाले भू माफिया गिरोह को पकड़ा है और शातिर हिस्ट्रीशीटर श्याम सिंह और राजेश तंवर गिरफ्तार किया है।

आरोपित गुर्जर की थड़ी स्थित चंपानगर कॉलोनी में करोड़ों के भूखंड पर कब्जा कर निर्माण कार्य शुरू किया था। जहां आरोपियों ने सोसाइटी से मिलीभगत करते हुए भूखंड के फर्जी डॉक्यूमेंट बना लिए थे। पुलिस जानकारी में सामने आया कि परिवादी नारायण संगतानी ने 1998 में इकरारनामा के जरिए प्लाट क्रय किया था। प्लॉट को संभालने के दौरान श्याम सिंह और राजेश तंवर का कब्जा मिला। विरोध करने पर आरोपियों ने परिवादी को मौके से भगाया। पुलिस जांच में सामने आया कि प्लॉट की मूल आवंटी पुष्पा देवी की मौत के 3 वर्ष बाद आरोपी राजेश तंवर ने इस फर्जीवाड़े के खेल को रचा और फर्जी इकरारनामा तैयार कर क्रेता बनकर प्लॉट की रजिस्ट्री करवा ली थी। आरोपी श्याम सिंह के खिलाफ पुलिस रिकॉर्ड में डेढ़ दर्जन से ज्यादा धोखाधड़ी समेत अन्य आपराधिक मामले दर्ज है। साथ ही आरोपी श्याम सिंह मुरलीपुरा थाने का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

सार-समाचार

अवार्ड मिलने पर अनीता सोनी का सम्मान

जयपुर । सीआईआई फाउंडेशन द्वारा हाल ही बाड़मेर की अनीता सोनी को वूमेन एग्जेमप्लेयर अवॉर्ड से नवाज़े जाने पर बाड़मेर में सोसायटी टू अपलिफ्ट रूरल इकोनोमी (श्योर) की और से सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। संस्था की संयुक्त सचिव डॉ. लता कच्छवाहा ने बताया कि सीआईआई फाऊण्डेशन दिल्ली द्वारा वूमेन एग्जेमप्लेयर अवार्ड का आयोजन किया गया। शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सुरक्षा के क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं में से 10 राज्यों की 20 महिलाओं को फाइनल लिस्ट में जगह मिली। उनमें से बाड़मेर से अनीता सोनी को चुना गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री अन्नपूर्णं देवी एवं श्रम विभाग के मंत्री मनसुख मांडविया ने चयनित महिलाओं को अवार्ड के रूप में स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र एवं एक लाख रूपये की सम्मान राशि प्रदान कर सम्मानित किया। अनीता सोनी ने यह राशि महिलाओं के हित के कार्यों में लगाने का फैसला किया। इस अवसर पर संस्था के कोषाध्यक्ष नरेन्द्रकुमार तनसुखानी ने बताया कि बाड़मेर जिले के दाखा गावं की अनिता सोनी जिले की असहाय, कमजोर और एकल महिलाओं के सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिए लम्बे समय से कार्य कर रही है। उनका सम्मान जिले और प्रदेश के लिए के लिए गौरव की बात है। थार ऑर्टीजन्स की डारेक्टर जरीना सियोल ने कहा कि अनीता सोनी ने अपने जीवन के संघर्ष के बाद जो जज्बा दिखाया है वो काबिले तारीफ है। संस्था के लेखाकार धेवरचन्द प्रजापत और गणेश केला ने भी कहा कि अनिता सोनी द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। कार्यकम में समाजसेवी और संस्था सदस्य महेन्द्र सिंह कच्छवाह, हनुमान राम चौधरी, मीना, राजेन्द्र सोनी, बाबू सिंह, यासीन इत्यादि गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। सम्मान समारोह में अनीता सोनी को शॉल ,गुलदस्ता भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन नरेन्द्र कुमार तनसुखानी द्वारा किया गया।

900 करोड़ रु. से ज्यादा के लोन दिए

जयपुर । आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपने ग्राहकों को ट्रेडिशनल पॉलिसीज़ के जरिए 900 करोड़ रुपए से ज्यादा के लोन दिए। यह लोन अगेंस्ट पॉलिसी (पॉलिसी के बदले लोन) की सुविधा ग्राहकों के लिए बहुत फायदेमंद रही, क्योंकि इससे उनकी लॉन्ग-टर्म सेविंग प्लान पर असर डाले बिना तत्काल फंड मिल सका। इस दौरान, कंपनी ने 42 हजार 700 से ज्यादा ग्राहकों को इस लोन की सुविधा दी। यह जानकारी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ ऑपरेशंस ऑफिसर अमीश बैंकर ने दी है। उन्होंने बताया कि ''लाइफ इंश्योरेंस एक लॉन्ग-टर्म प्रोडक्ट है, और इस दौरान ग्राहकों को कभी-कभी फंड की जरूरत पड़ सकती है। ऐसी स्थिति में लोन अगेंस्ट पॉलिसी सुविधा से उनका सेविंग प्लान प्रभावित नहीं होता। खास बात यह है कि ग्राहक अपनी पॉलिसी की सरेंडर वैल्यू का 80 प्रतिशत तक लोन ले सकते है। वित्त वर्ष 2024-25 में 98 प्रतिशत से ज्यादा लोन 24 घंटे के भीतर जारी किए गए।

एसीएमई सोलर ने साइन किया पीपीए

जयपुर । भारत की अग्रणी रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी, एसीएमई सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड (एसीएमई सोलर) ने राजस्थान में अपने 250 मेगावॉट के फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी (एफडीआरई) प्रोजेक्ट के लिए एनएचपीसी लिमिटेड (जो एक ट्रिपल-ए रेटेड सरकारी उद्यम है) के साथ 25 साल का बिजली खरीद समझौता (पीपीए) साइन किया। यह समझौता 4.56 रुपये प्रति किलोवाट घंटे की दर पर हुआ है, जिसमें न्यूनतम 40 प्रतिशतवार्षिक क्षमता उपयोग (सीयूएफ) और रोजाना 4 घंटे की पीक पावर की 90 प्रतिशत जरूरत को पूरा करना शामिल है। इस पीपीए पर हस्ताक्षर करने के बाद, एसीएमई सोलर का पीपीए-साइन किया हुआ पोर्टफोलियो 5130 मेगावॉट का हो गया है, जिसमें से 2826.2 मेगावॉट पहले से ही चालू है, और बाकी विभिन्न चरणों में लागू हो रहा है। इसके अतिरिक्त, कंपनी के पास 1,840 मेगावॉट की एक मजबूत पाइपलाइन है, जिसके लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) प्राप्त हो चुका है। एसीएमई सोलर के कुल पोर्टफोलियो में 86 प्रतिशत हिस्सा केंद्रीय सरकारी उद्यमों के साथ और बाकी 14 राज्य बिजली वितरण कंपनियों के साथ है।

सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर संपन्न

जयपुर । सिटी पैलेस जयपुर में एक महीने तक चले सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर का हर्षोल्लास के साथ समापन समारोह आयोजित हुआ। समारोह में प्रतिभागियों ने शिविर के दौरान सीखी ध्रुवपद, जयपुर घराने का कथक, राजस्थानी लोक नृत्य, बांसुरी जैसी विभिन्न पारम्परिक कलाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। वहीं, समारोह में प्रतिभागियों द्वारा बनाई गई प्राचीन आला गिला, आराईश (फ्रेस्को), ठीकरी कला, पारंपरिक पेंटिंग्स की प्रदर्शनी को भी दर्शकों ने खूब सराहा। इस एक माह तक चले शिविर में प्रतिभागियों ने वैदिक ज्योतिष का ज्ञान भी प्राप्त किया। शिविर का आयोजन महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय ट्रस्ट द्वारा पारम्परिक कलाओं की प्रतिनिधि संस्था रंगरीत तथा सरस्वती कला केन्द्र के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर एमएसएमएस द्वितीय संग्रहालय की कार्यकारी ट्रस्टी, रमा दत्त उपस्थित रहीं। उन्होंने सभी प्रशिक्षकों का माला पहनाकर और प्रमाण-पत्र देकर सम्मान किया। इस प्रशिक्षण शिविर का समन्वय सिटी पैलेस के कला एवं संस्कृति, ओएसडी, चित्रकार रामू रामदेव द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन पूर्व राजपरिवार द्वारा हर वर्ष किया जाता है, जिसका उद्देश्य नई पीढ़ी को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना तथा पारंपरिक कलाओं का संरक्षण और संवर्धन करना है। इस वर्ष शिविर में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरण के साथ हुआ।

बीज वितरण 21-22 जून को भी होगा

जयपुर । राज्य में मानसून का आगमन होने के कारण किसानों के द्वारा बुवाई की जा रही है। बुवाई पूर्व कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं में बीज मिनिकिट, प्रमाणित बीज वितरण एवं फसल प्रदर्शन कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं को बीज वितरण किया जा रहा है। बीज का वितरण सुनिश्चित करने के लिए 21 और 22 जून को राजकीय अवकाश के दिन अतिरिक्त निदेशक कृषि (वि0). खण्ड स्तर से कृषि पर्यवेक्षक स्तर तक के कार्यालय तथा आयुक्तालय स्थित संबंधित अनुभाग खुले रहेंगे।

बस के नीचे आने से युवक की मौत

जयपुर (कासं)। आदर्श नगर थाना इलाके में बस से उतरने के दौरान एक युवक टायर के नीचे आ गया। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार बासपदमका पटौदी हरियाणा ने मामला दर्ज करवाया कि उसका दोस्त दुलीचंद हरियाणा रोडवेज में बैठकर जयपुर आ रहा था। गोविंद मार्ग पर बस से उतरने के दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह टायर के नीचे आ गया। इससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां पर उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना 19 जून की रात करीब साढ़े दस बजे की बताई जा रही है। मामले की जांच दुर्घटना थाना पुलिस पूर्व कर रही है।

नकली सिगरेट बेचने वाले दो गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकली सिगरेट की सप्लाई करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर गिरोह के दो सप्लायरों को गिरफ्तार किया है। मानसरोवर एसएचओ लखन सिंह खटाना ने बताया कि नकली सिगरेट की सप्लाई करने वाले गिरोह के सदस्य मनोज और दीपक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से गोल्ड फ्लैक ब्रांड के 5000 नकली सिगरेट के पैकेट जब्त किए है। आरोपित इनोवा गाड़ी से दुकानों पर सप्लाई कर रहे थे सप्लाई। इस संबंध में आईटीसी कंपनी के प्रतिनिधियों की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई थी।

राष्ट्र की एकता-अखंडता के लिए कार्य करें : बागड़े

■ **राज्यपाल ने गोवा, सिक्किम, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के लोगों से किया संवाद**

जयपुर । राजभवन में शुक्रवार को गोवा, सिक्किम, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल राज्यों का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इस दौरान इन राज्यों के स्थानीय निवासियों को स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनसे संवाद किया।

उन्होंने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना के तहत राजभवन में राज्यों के स्थापना दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि विविधता में एकता की हमारी संस्कृति से हम सदा जुड़े रहें। उन्होंने राज्यों के निवासियों को अपनी मातृभूमि और वहां की परम्परा, संस्कृति से जुडे रहने के साथ जहां निवास कर रहे हैं उस राज्य के विकास में सहभागी बनने का भी आव्हान किया। राज्यपाल ने कहा कि गोवा आजादी के बाद भी पुर्तगाल के कब्जे में था। इसके लिए बाकायदा सत्याग्रह आंदोलन हुआ। महाराष्ट्र और दूसरे राज्यों से लोगों ने गोवा मुक्ति संग्राम में भाग लिया। कर्नाटक केसरी कहे जाने वाले जगन्नाथ जोशी सहित सुधीर फड़के आदि ने गोवा की आजादी में महती भूमिका निभाई। उन्होंने गोवा को देश का सुंदर पर्यटन स्थल बताते हुए वहां की लोक संस्कृति से भी प्रेरणा लेने का आ ान किया। उन्होंने तेलंगाना के नए राज्य बनने की चर्चा करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों की ही राजधानी हैदराबाद रखी गयी। राज्यपाल ने पूर्वोत्तर राज्य सिक्किम को प्रकृति का उपहार बताते हुए कहा कि यह छोटा सा परन्तु भारतीय संस्कृति में रचा-बसा प्रदेश है। लघु तिब्बत के रूप में यह जन-आस्थाओं से भी जुड़ा है। पश्चिम बंगाल भी आजादी आंदोलन का गढ़ है।

जयपुर में 2.51 लाख से ज्यादा लोग करेंगे योगाभ्यास

■ **कलक्टर डॉ. जितेन्द्र सोनी ने आमजन से की योग की अपील**

जयपुर । जयपुर जिले में शनिवार, 21 जून को ग्यारहवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2025 उमंग, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' थीम पर आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत जयपुर जिले में 2 लाख 51 हजार से अधिक लोग योग का अभ्यास करेंगे। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आमजन से योगाभ्यास करने एवं योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की है।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन के प्रभारी एवं आयुर्वेद विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. बत्तीलाल बैरवा ने बताया कि जिले का मुख्य कार्यक्रम सवाई मान सिंह स्टेडियम में आयोजित होगा, जिसमें राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, कैबिनेट मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, सांसद मंजू शर्मा, नगर निगम जयपुर ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर, विधायक गोपाल शर्मा सहित कई अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधिगणों सहित 3 हजार से अधिक प्रतिभागी योगाभ्यास करेंगे। अल्बर्ट हॉल, रामनिवास बाग पर 2000 प्रतिभागी, बिड़ला मन्दिर पर 600 प्रतिभागी, सिटी पार्क मानसरोवर में 200 प्रतिभागी, हवा महल के सामने 100 प्रतिभागी, पत्रिका गेट पर 700 प्रतिभागी, सेन्ट्रल पार्क में 600 प्रतिभागी, जलमहल की पाल पर 1000 प्रतिभागी, आमेर फोर्ट में 600 प्रतिभागी, श्री गलता जी मंदिर परिसर में 200 प्रतिभागी, सिटी पैलेस में 100 प्रतिभागी, श्री गोविन्द देव जी मंदिर में 200 प्रतिभागी, जयगढ़ फोर्ट में 100 प्रतिभागी कुल 9400 सम्मिलित होंगे।

ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने हवामहल के सामने शुक्रवार को व्यापारियों और आमजन के साथ योगाभ्यास किया।

उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी एवं होम्योपैथी (आयुष) विभाग के तत्वाधान में जयपुर के प्रमुख स्थानों पर योग प्रशिक्षकों द्वारा आमजन को योग का अभ्यास करवाया गया है।

जयपुर शहर के विभिन्न धार्मिक व पर्यटन स्थलों प्रमुख स्थानों के साथ-साथ उपखंड एवं ग्राम पंचायत स्तर तक योग प्रशिक्षकों द्वारा आमजन को योग का अभ्यास करवाया जाएगा। सामूहिक योगाभ्यास से पूर्व आयोजन स्थल पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संबोधन का सीधा प्रसारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में धार्मिक एवं पर्यटन स्थल जमवाय माता मन्दिर, जमवारामगढ, शीतला माता मंदिर, चाकसू, शाकम्भरी माता मन्दिर, श्री दादू धाम पीठाधीश्वर मंदिर, नरैना, एवं ब्लॉक स्तर तथा ग्राम पंचायत स्तर पर एवं सभी आयुर्वेद चिकित्सालय, औषधालय, आयुष्मान आरोग्य मन्दिर में संभावित कुल 2.51 लाख लोगों को योगाभ्यास कराया जायेगा।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से राजभवन में शुक्रवार को नीट यूजी 2025 परीक्षा में पूरे भारत में पहला स्थान प्राप्त करने वाले हनुमानगढ़ के छात्र महेश कुमार ने अपने परिजनों के साथ मुलाकात की। राज्यपाल ने महेश कुमार को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने महेश का शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया।

ई-रिक्शा लूटने वाले दो गिरफ्तार

जयपुर । मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ई-रिक्शा लूट की वारदात करने वाले दो बदमाशों को पकड़ा है और उनके पास से लूटा गया ई-रिक्शा भी जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ई-रिक्शा लूट की वारदात करने वाले श्रीनिवास कुशवाह उर्फ लल्लू निवासी भरतपुर हाल मुहाना और राहुल महावर निवासी करौली हाल मुहाना जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से रामपुरा फाटक से लूटा गया एक ई-रिक्शा भी बरामद किया है।

टैक्सी बुक करके लूटपाट करने वाले तीन गिरफ्तार

■ **चालक को बंधक बनाकर वारदात करते थे बदमाश**

जयपुर । मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए टैक्सी कार बुक करके चालक को बंधक बनाकर लूटपाट करने वाले तीन लुटेरों को बापर्दा गिरफ्तार किया है और साथ ही लुटेरों के पास से लूटी गई कार,मोबाइल और सोने-चांदी के जेवरात भी बरामद किए है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए टैक्सी कार बुक करके चालक को बंधक बनाकर लूटपाट करने वाले दिलखुश धोबी निवासी टोंक हाल मुहाना,विशाल जांगिड निवासी टोंक और चरत लाल गुर्जर निवासी टोंक को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से चालक से लूटी गई कार सहित मोबाइल और सोने-चांदी के जेवरात जब्त किए है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

चाकू की नोंक पर मुर्कियां लूटी

जयपुर । बिंदायका थाना इलाके में बकरियों के बाड़े में सो रहे एक व्यक्ति ने तीन बदमाशों ने चाकू दिखाकर डराया धमकाया और फिर उसके कानों से सोने की मुर्कियां तोड़कर ले गए। पुलिस के अनुसार हाथोज मोड सिरसी निवासी श्रवण गुर्जर ने मामला दर्ज करवाया कि वह बकरियों के बाड़े में सो रहा था इसी दौरान तीन युवक आए और उसे चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी देकर डराया। विरोध करने पर बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की और फिर उसके कानों से सोने की मुर्कियां तोड़कर ले गए। चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे तो बदमाश अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकले।

प्रदेश में स्वास्थ्य महा-अभियान की तैयारी

■ **1 जुलाई से 'स्टॉप डायरिया' कैंपेन, 24 जून से शुरू होगा अंत्योदय संबल पखवाड़ा**

■ **ओआरएस-जिंक वितरण व जागरूकता की रणनीति भी बना रहा विभाग**

जयपुर (कासं)। बरसात के मौसम में दस्त जैसी बीमारियों की रोकथाम को लेकर राजस्थान सरकार पूरी तरह सक्रिय हो गई है।

राज्यभर में 1 जुलाई से 15 अगस्त तक 'स्टॉप डायरिया' अभियान चलाया जाएगा, जबकि 24 जून से 9 जुलाई तक पंडित दीनदयाल अंत्योदय संबल पखवाड़े के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न सेवाएं विशेष शिविरों के माध्यम से आमजन तक पहुंचाई जाएंगी। शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में इन अभियानों की रूपरेखा पर चर्चा की गई और अधिकारियों को समयबद्ध तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. भारती दीक्षित ने बताया कि अभियान के तहत दस्त की रोकथाम हेतु स्वच्छ जल, हाथों की सफाई व ओआरएस-जिंक उपयोग पर जागरूकता फैलाई जाएगी। उन्होंने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में इंटर-डिपार्टमेंटल कॉर्डिनेशन मीटिंग आयोजित कर तैयारियों की समीक्षा करने के निर्देश दिए। जनस्वास्थ्य, पंचायतीराज, पीएचईडी सहित विभिन्न विभागों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी शुभमंगला ने अभियान की सफलता के लिए मास मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म व लोक माध्यमों के समन्वित उपयोग की आवश्यकता बताई ताकि संदेश ग्रामीण स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने निर्देश दिए कि अभियान अवधि में आशा सहयोगिनियों के माध्यम से ओआरएस घोल और जिंक टैबलेट का वितरण किया जाए। साथ ही ओआरएस-जिंक कॉर्नर चिकित्सा संस्थानों में स्थापित किए जाएं, तथा क्लोरिन टेबलेट की उपलब्धता और उपयोगिता पर भी आमजन को जानकारी दी जाए। डॉ. शर्मा ने बताया कि पखवाड़े के दौरान गैर संचारी रोगों की जांच (बीपी, शुगर), गर्भवती महिलाओं की जांच, टीकाकरण, टीबी जांच, वय वंदन योजना में पंजीकरण, और कार्ड वितरण जैसी सेवाएं प्राथमिकता के साथ दी जाएंगी।

बैठक में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राज्यभर में आयोजित कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा भी की गई। साथ ही मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम पंचायत योजना, टीबी मुक्त भारत अभियान, नेत्र वाउचर योजना, और गैर संचारी रोग कार्यक्रम की प्रगति पर भी चर्चा की गई।

समीक्षा बैठक में निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रितेश्वर, संयुक्त निदेशक, उपनिदेशक, सीएमएचओ, जिला आरसीएच अधिकारी सहित प्रदेशभर के अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

न्यू सांगानेर रोड से पत्रकार कॉलोनी के बीच सड़क से हटाए अतिक्रमण

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण प्रशासन ने वी.टी. रोड़ के सामने न्यू सांगानेर रोड से पत्रकार कॉलोनी की तरफ जाने वाली 100 फीट सेक्टर रोड सीमा को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया। पुलिस महानिरीक्षक कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि इस सड़क सीमा में 2 मकान, 11 दुकानें, टीनशेड, ढ़ाबा, चबूतरे, सीढ़ियां और दीवार बनाकर अवैध रूप से कब्जा किया हुआ था, जिसे शुक्रवार को अभियान चलाकर जेसीबी की मदद से ध्वस्त किया।

Music is a Therapy

There's nothing in the world like the sound of your favourite song coming on, it just gets right into your head and your body and makes you move. Or maybe, it takes you on a journey to a faraway place and time, where you languish in a memory of times gone by and people who are no longer present. Some of our favourite songs can lift us up out of depression and worry, and make an otherwise horrible day suddenly seem like it's not so bad. World Music Day celebrates music in all its forms and the impact it's had on the world and the human spirit. It is a day to sing along, create music and experience it, as a truly endless adventure.

#LIFE

Turning Over a New Leaf

Nature reminds us that entering a new season in our lives is nothing to fear!

Change can be unsettling. Good or bad, exciting or unexpected, there's an undeniable anxiety that accompanies seeing our lives shift. We've all likely felt that instinctive resistance to 'the new,' unsure what a new job, a new diet, a new house, or a new town might bring. I even remember seeing it in my kids as they moved through grade school, hesitant to start a new school year with an unfamiliar classroom or teacher.

Thankfully, nature reminds us that entering a new season in our lives is nothing to fear. Right now, trees around the country are already beginning to welcome their next chapter. Soon, green leaves will fade, replaced by the telltale hues of autumn. We already know trees have a positive effect on people's mental health, but during this time of the year, it feels like forests are just dishing out endless joy for free. And I'm not the only one looking to soak it all in. What's now known as 'leaf-peeping' has become a highly lucrative form of tourism in the United States. A researcher from Appalachian State University estimates that across 24 states in the eastern half of the country, fall foliage tourism contributes more than $30 billion to local economies. In Maine alone, tourists looking to check out the fall colours make up about 20-25% of all the visitors the state sees in an entire year. And even though climate change has made it more difficult to predict when exactly foliage will peak, it hasn't stopped people from trying to figure it out. Tourism leaders from the Smoky Mountains recently released their annual fall foliage prediction map. It's a popular interactive tool that uses weather science data to help travelers plan out when they have the best chance to catch those gorgeous autumn views, county by county.

There's such majesty in trees, and this is the season we take the time to marvel at the spectacle. Perhaps, part of what makes the foliage so special is the innate understanding that it's temporary. Eventually, branches will become bare, and we'll stop snapping photos for social media. And as the seasons change and we feel that familiar longing for what was, trees will once again embrace their evolution. Because even when they aren't adorned with flashy fall colours, even when their internal systems slow down during dormancy, trees are still supporting the ecosystem. Their fallen leaves are broken down by bacteria and fungi and infuse the soil with nutrients that the tree needs, to grow. Insects take up shelter in their bark, eventually becoming food for other wildlife, seeking a place to nest. Their strong roots stabilize the soil, preventing erosion from winter snowmelt. A leafless tree is not a lifeless tree. Fall foliage or not, trees are important all year round. By taking care of trees and continuing to plant them, we're protecting ecosystems and wildlife. We're making people happier and healthier. And we're also helping to preserve this everlasting reminder that growth is beautiful.

The Power Dynamics Shaping This War

As per reports, Mossad-operated drone base was inside Iranian territory, near Tehran. This base played a pivotal role in the early stages of the operation, with unmanned aerial vehicles (UAVs) launching overnight to neutralize surface-to-surface missile launchers, radar systems, and air defense networks. These strikes from within were not high yield in firepower but strategically designed to create temporary blind spots in radar coverage, and confuse ground coordination during the critical opening moments of the Israeli air campaign. The base was established through gradual smuggling of drones, surveillance gear, and command modules via Mossad intelligence networks, and is believed to have operated with local assistance from sleeper cells or sympathetic insiders. This is similar to what was witnessed in the Ukrainian drone strike on Russian strategic assets.

Maj Gen Jagatbir Singh VSM (RETD)

In the early hours of Friday, the 13th, Israel began a series of air and precision strikes on Iranian military and nuclear targets, culminating in the killing of top Army Generals and Nuclear Scientists. The attacks, dubbed Operation Rising Lion, had been widely suggested as threats but few expected them to take place as Iranian nuclear talks with the United States were underway with the next round of talks, which were scheduled for 15 June in Oman.

Israel launched Operation Rising Lion preemptively to 'roll back the Iranian threat to Israel's very survival.' Some 200 Israeli Air Force jets struck dozens of nuclear and military command targets deep inside Iran. Apparently, Israeli intelligence had concluded that Tehran was about to cross the threshold towards weaponisation. Israeli sources said that the Revolutionary Guard had capabilities to assemble 15 nuclear bombs. Targets included nuclear enrichment facilities, ballistic missile production sites, and the homes and offices of senior Iranian military and political leaders. Major General Hossein Salami, Commander-in-Chief of the Islamic Revolutionary Guard Corps (IRGC) and Major General Mohammad Bagheri, the Chief of Staff of Iran's Armed Forces, were killed in the strikes. Among the scientists reported killed were Dr. Fereydoun Abbasi-Davani, former head of the Atomic Energy Organisation of Iran and a leading nuclear physicist, and Dr. Mohammad Mehdi Tehranchi, a prominent academic and advocate of Iran's advanced scientific and AI capabilities. Iran, of course, retaliated on 14 June with ballistic missile strikes on Tel Aviv and Jerusalem.

No Longer A Shadow War

The confrontation that long seemed a shadow war is now fully in the open. Following the 07 October Hamas attack, Israel has been systematically focusing on the elimination of several of Iran's proxy forces. Tehran's regional sway has been weakened by Israel's attacks, ranging from Hamas in Gaza to Hezbollah in Lebanon, the Houthis in Yemen and militias in Iraq as well as by the ousting of Iran's close ally, Syrian dictator Bashar Assad. Israel has also been targeting Iran with missiles and felt that it is weak as sanctions have also hit Iran's oil exports and the economy is reeling from a collapsing currency and rampant inflation, as well as energy and water shortages. This is the moment that has been anticipated with great concern for a long time. Over the past year, Iran's defensive and offensive capabilities have been revealed to be far less capable than many had expected, which in theory would temper fears of where things could now be headed. However, the Iranian regime is now facing a potentially existential threat. That makes the risk of a major spiral of escalation far more real than what has been played out before.

The strikes also appear to have exploited the use of Syrian airspace, for direct overflight and for refueling. Syria's present government has no capacity to prevent this, even if it wanted to, but its willing engagement in covert dialogue with Israel in recent weeks amid continued overt military tensions makes this issue especially complex and potentially significant. Can the dots of Syrian complicity be connected to the meeting of the Syrian leader Ahmed al-Sharaa in Riyadh with President Donald Trump on 14 May.

There can be no decoupling pattern between the rise of oil prices and conflict risk in the region. While most analysts continue to see direct attacks between Israel and Iran as short-term price risks and spikes and not long-term changes but this all depends on how Iran decides to respond, specifically regarding transit routes and Gulf energy infrastructure as well as the duration of this new chapter.

#OPERATION RISING LION

Modern Warfighting Technologies

What distinguishes this operation from past Israeli campaigns is not just the breadth of targets, ranging from the Natanz enrichment facility to missile sites and senior Iranian officials, but the technology behind the strikes. More than 200 aircraft dropped over 330 munitions on 100 targets, achieving real-time coordination and minimising collateral damage. This level of synchronization would be only possible with AI-assisted battle management systems, real-time intelligence, surveillance, and reconnaissance (ISR) fusion, and autonomous asset deployment.

As per reports, Mossad-operated drone base was inside Iranian territory, near Tehran. This base played a pivotal role in the early stages of the operation, with unmanned aerial vehicles (UAVs) launching overnight to neutralize surface-to-surface missile launchers, radar systems, and air defense networks. These strikes from within were not high yield in firepower but strategically designed to create temporary blind spots in radar coverage, and confuse ground coordination during the critical opening moments of the Israeli air campaign. The base was established through gradual smuggling of drones, surveillance gear, and command modules via Mossad intelligence networks, and is believed to have operated with local assistance from sleeper cells or sympathetic insiders. This is similar to what was witnessed in the Ukrainian drone strike on Russian strategic assets.

Further evidence of Israeli electronic and intelligence superiority emerged from their use of jamming systems and previously tested air corridors, made possible through partial complicity or evasion of regional air traffic control systems. While this is conceivable for stealth aircraft, it is almost impossible for refueling tankers, suggesting either pre-cleared aerial routes or degraded radar visibility due to internal disruption.

This integrated operation targeted Iran's strategic triad: nuclear infrastructure, ballistic missile systems, and senior leadership. The convergence of cyber, kinetic, and autonomous strikes reflects a new playbook for 21st-century warfare, where manned and unmanned systems are fused under a single operational tempo governed by machine learning and predictive analytics. The diffusion of AI-assisted warfare is no longer hypothetical, it is unfolding in real time.

Options

How the Iranian regime decides to react and what America's other regional partners, particularly the Arab Gulf states, choose to do in the coming days will shape the trajectory of events across the region. The US has the largest military footprint of any external actor in the region.

An option could involve a return to clandestine warfare, reminiscent of the 1980s with bombings targeting US and Israeli Embassies and military installations.

Iran's leaders cannot afford to appear weak in the face of Israeli military pressure, raising the prospect of further escalation, including attacks on Israel or even the option of testing a nuclear device and building a nuclear bomb. As per some experts, Iran could also withdraw from the NPT which would signal the acceleration of their nuclear enrichment programme. Presently, there is uncertainty about how much quantifiable damage Israel has dealt to Iran's nuclear program. But the more important question is if Israel's attack has destroyed Iran's will to move forward.

On the Israeli side, Prime Minister Benjamin Netanyahu has positioned himself as a central actor regarding Iran. He may choose to pause after absorbing Iran's retaliation, and allow a brief window for renewed diplomacy. The aim would be a deal that includes zero uranium enrichment and full dismantling of Iran's nuclear infrastructure. Alternatively, Israel could pursue sustained military operations, as it has done with Hezbollah in Lebanon, to further degrade Iran's nuclear program and weaken its leadership and decision-making apparatus.

For Iran, the calculus is more constrained. While it must respond and already has, its overriding interest will be to avoid a full-scale conflict that it cannot win. The imbalance in military power with Israel, backed by the US presence in the region, is stark. Further, striking US assets would trigger an American response which is avoidable. Attacking US targets in the Gulf would also alienate key regional partners, undermining Iran's long-term position. Iran's leadership is therefore likely to focus now on regime survival, the path may be to signal readiness to re-engage diplomatically after the tempers have cooled. There is a precedent as Ayatollah Khomeini had taken a strategic decision to end the Iran-Iraq War, which he termed 'drinking the poisoned chalice.'

The US Presence

Secretary of State, Marco Rubio, emphasised in the first official response to the attacks that this was a unilateral action by Israel and the US was not involved in the campaign. However, Iran is not buying that argument. The New York Times reports that Iran's Foreign Ministry said the attack could not have happened without 'coordination and authorisation' from the US and 'as Israel's main supporter, would also be responsible for the consequences.'

For the US, its military and diplomatic presence across the region will now be directly in Iran's crosshairs. Iran has made no secret of their potential intent to strike at US interests in the event of such an acute challenge to their security. While there will be concern about the Gulf, the most acute threat will be in Iraq and Syria, where several thousand US troops remain deployed in the range of Iranian proxies. A resumption of Houthi targeting of US vessels off the coast of Yemen also seems inevitable.

It is unlikely that the US will be able to benefit both ways from the Israeli strikes on Iran, by enjoying the geopolitical benefits of a defanged Iranian nuclear infrastructure while avoiding the negative consequences of direct involvement in the operation.

Conclusion

The Israeli strike against Iran, confirmed by Prime Minister Benjamin Netanyahu as a 'targeted military operation to roll back the Iranian threat,' marks a dangerous new chapter in the long-simmering tensions between these two regional rivals. While the assault on Iran could turn out to be a devastating blow against the regime in Tehran, but it also brings to the fore a bewildering range of outcomes, including some that can directly affect not only Israel and the US but the Gulf countries.

The real risk lies in escalation of the conflict that could drag in the US and destabilize the Gulf with consequent reverberations across the globe. Should the conflict escalate, the potential for an economic calamity due to its impact on crude oil prices, both regionally and globally, will be high. The fact is that this cycle of violence indicates that while nothing is ever the same yet nothing changes. As Clausewitz famously said, 'War is the continuation of politics by other means.' The political endgame of the Israeli military action now remains to be unveiled. More so is that achievable, and mindful of broader regional and global stability. Absence of such a strategy risks escalation without resolution.

rajeshsharma1049@gmail.com

#GOODBYE

Arrowhead Leaves But With A Roar

Final act of defiance against her illness came just three days before her death, Arrowhead took down a crocodile in Padam Talab.

Tigress Arrowhead (T-84) is no more, with her ends an era in Ranthambore. Till just two days before her death due to bone cancer, she was looking after her young brood, her semi-grown cub was relocated to another part of the jungle just the day before. She was one of India's most iconic tigers, whose life journey became a symbol of grace, strength, and resilience. Known as the 'Queen of Ranthambore,' Arrowhead's reign over the wilds of Rajasthan's Ranthambore Tiger Reserve was marked by her impressive hunting skills, fierce protection of her cubs, and a lineage that made her an emblem of conservation success.

Ranthambore National Park's tigress Arrowhead dies hours after daughter Kankati's relocation.

Early Life and Lineage: The Making of a Legend

Arrowhead was born in 2014 to Tigress Krishna (T-19), herself a celebrated figure in Ranthambore, and sired by Star Male, a dominant and respected tiger in the reserve. The iconic bloodline didn't stop there, Arrowhead was also the granddaughter of Machhli (T-16), one of the most famous tigers in Indian wildlife history. Machhli, often referred to as the 'Queen of Ranthambore' in her own right, was the oldest known tiger in the world, living to the age of 20. Her legacy, marked by her astonishing ability to hunt crocodiles, would be passed down to Arrowhead, who would also go on to carve her own remarkable place in the park's history. Arrowhead first captured public attention in March 2014 when she was seen alongside her mother and siblings in the heart of Ranthambore, with her distinctive arrow-shaped mark on her left cheek, giving her the name 'Arrowhead.' The mark made her instantly recognizable, and as she grew, so did her reputation for being a fierce and intelligent predator.

A ROYAL PRESENCE: DOMINATING RANTHAMBORE'S WILDS

Her Final Days: A Heart-Wrenching Farewell

As she aged, Arrowhead's health began to deteriorate. By June 2025, she had been diagnosed with bone cancer, a condition that slowly weakened her body. Despite her illness, she remained a dominant force in the park, moving with a sense of pride and strength, even as her body began to betray her.

On June 17, 2025, wildlife photographer Sachin Rai captured what would become the final images of Arrowhead. On that day, Arrowhead appeared frail, her bones protruding beneath her fur as she labored to take each step. Rai, who had been following the tigress for years, described the moment as the 'final walk of a legend,' and his photos, taken at the banks of Padam Talab, became an iconic tribute to her grace and strength. Even in her weakened state, Arrowhead moved with a regal air, her eyes still fierce, as if reminding the world of her undying spirit.

Two days later, on June 19, 2025, Arrowhead was found dead near Jogi Mahal, succumbing to the battle she had been fighting, with bone cancer. Her death came just hours after the relocation of her daughter, RBT 2507 (known locally as 'Kankati'), to the Mukundra Tiger Reserve in Rajasthan's Kota. This poignant timing added an emotional layer to her passing, as it marked the end of an era for Ranthambore's tigers.

The Crocodile Encounter: A Fitting Final Act

Arrowhead's final act of defiance against her illness and age came just three days before her death. On June 16, 2025, in a moment that would go down in the history of Ranthambore, Arrowhead took down a crocodile in Padam Talab, a feat that mirrored the legendary actions of her grandmother Machhli, who was famously known for killing crocodiles in the same waters. The encounter was dramatic. As Arrowhead lay at the edge of the water, she suddenly sprang into action, ambushing a crocodile that had emerged from the lake. With swift and calculated precision, she grabbed a chunk of meat from the crocodile's neck and dragged it out of the water, showing that even in her final days, she had the power of a queen. Her daughter, Riddhi, had also managed to kill a crocodile in the same waters, cementing the generational strength of this remarkable family.

The Queen Lives On

While Arrowhead's physical presence may have left Ranthambore, her legacy will continue to inspire wildlife enthusiasts, photographers, and conservationists. Her story is one of survival, power, and the unbreakable bond between a mother and her cubs. Arrowhead's life and death remind us that even in the face of inevitable decline, the wild retains its raw beauty and strengthen an enduring force that lives on in the stories we share and the land we protect. As the sun sets over Ranthambore, the echoes of her roar will forever linger in the forests, a legacy carved in the very heart of India's tiger conservation efforts. The Queen of Ranthambore may be gone, but she will never be forgotten.

THE WALL

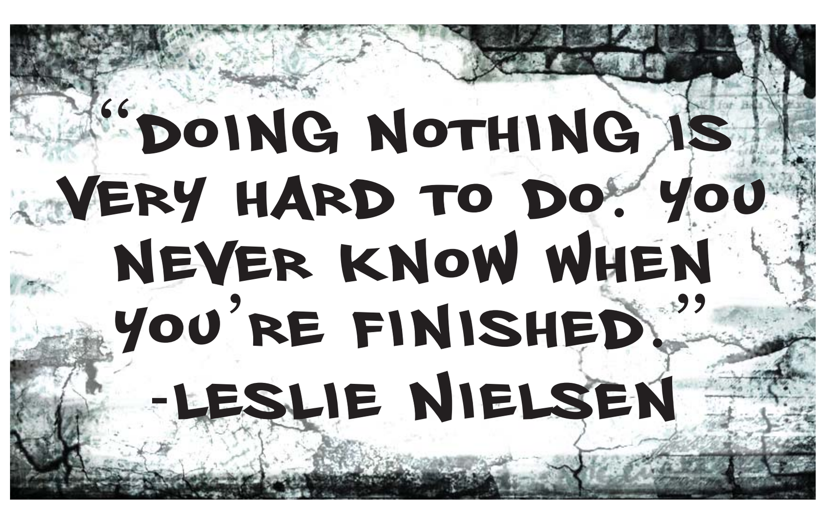

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

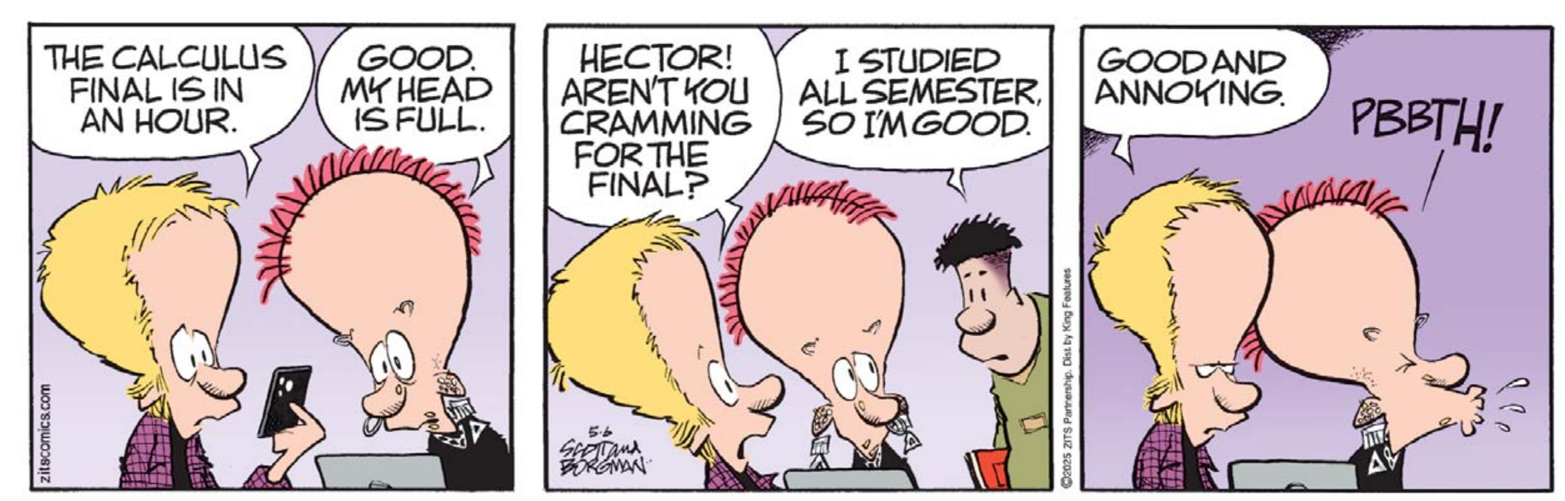

खाजूवाला ट्रिपल मर्डर केस में तांत्रिक समेत आठ आरोपी गिरफ्तार

'तंत्र-मंत्र से रुपए डबल करने के अंधविश्वास में दो तांत्रिकों समेत तीन लोगों की मौत हो गई थी'

■ **पुलिस पूछताछ में सामने आया कि 50 लाख रुपए पर तांत्रिक की नीयत बिगड़ गई थी, इसलिए उसने सभी को ठिकाने लगाकर रकम लेकर भागने का प्लान बनाया**

बीकानेर, (निसं)। खाजूवाला में सात दिन पहले हुए ट्रिपल मर्डर केस का पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने मामले में तांत्रिक समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि 50 लाख रुपए पर तांत्रिक की नीयत बिगड़ गई थी। इसलिए उसने सभी को ठिकाने लगाकर रकम लेकर भागने का प्लान बनाया। 12 जून की रात तीन बजे तांत्रिक ने जहरीला हलवा तैयार किया। उसने यह हलवा सभी लोगों गफ्फार, तांत्रिक शैतान सिंह और विक्रम सिंह, इनके अलावा तांत्रिक रामस्वरूप चौधरी, राजेंद्र पूनिया, डॉ. मनोज वर्मा और गफ्फार के बेटे सलमान को खिलाया। हलवा खाकर सलमान को छोड़ बाकी सभी बेहोश हो गए थे। सलमान ने पिता की हालत बिगड़ती देख उसने अपनी मां, घरवालों और रिश्तेदारों को बुला लिया। इसके बाद अपने परिजनों के साथ मिलकर तांत्रिक के पास रखे 50 लाख रुपए गायब करने का प्लान बनाया। सलमान ने 40 लाख रुपए कार में छुपा दिए और 10 लाख रुपए अपने जीजा मुस्ताक को दे दिए थे।

एसपी कावेंद्र सिंह सागर ने बताया कि खाजूवाला में तंत्र-मंत्र से रुपए डबल करने के अंधविश्वास के चक्कर में दो तांत्रिकों समेत तीन लोगों की मौत हो गई थी। यहां वार्ड 16 में रहने वाला गफ्फार (40) और चौधरी मेडिकल का मालिक राजेंद्र पूनिया तंत्र-मंत्र से रुपए डबल करना चाहते थे। जोधपुर निवासी एक तांत्रिक शैतान सिंह के झांसे में आकर उन लोगों ने 50 लाख की रकम जुटा ली थी। यह रकम गफ्फार, राजेंद्र और दो-तीन अन्य लोगों की थी। 11 जून की रात गफ्फार के घर तांत्रिकों का जमावड़ा लग गया। इसमें तेलंगाना का तांत्रिक बी शिवा भी था। रुपयों के लालच में बी शिवा ने सभी लोगों को जहरीला हलवा खिला दिया, जिससे सभी लोग बेहोश हो गए। एसपी कावेंद्र सिंह सागर ने बताया कि गफ्फार के परिजन ने बी शिवा से उसके दोनों मोबाइल ले लिए और उसे पीटकर भगा दिया। सुबह पांच बजे गफ्फार के भांजे (साली के बेटे) युसुफ निवासी बेरियांवाली ने बी शिवा को अपनी बाइक पर बैठाकर राजीव सर्किल (खाजूवाला) छोड़ दिया। वहां से वह तेलंगाना फरार हो गया। इसके बाद सलमान ने दोनों तांत्रिकों शैतान सिंह और विक्रम सिंह को सलमान ने प्राइवेट टैक्सी से रवाना कर दिया। 50 किलोमीटर दूर जाकर दोनों ने दम तोड़ दिया। रामस्वरूप चौधरी और डॉ. मनोज वर्मा को होश आया तो सलमान और उसके घरवालों ने दोनों को बस में बैठाकर रवाना कर दिया। वे बीकानेर होते हुए मेड़ता रोड पहुंचे।

सलमान और उसके परिवार ने सभी को यही बताया कि बी शिवा 50 लाख रुपए और घर से गहने लेकर भाग गया है। सभी को भगाने के बाद वे सुबह गफ्फार को ईं हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पिता की मौत के बाद भी सलमान अपने झूठ पर अड़ा रहा और बताया कि सभी को जहर देकर बी शिवा पैसे लेकर भाग गया। मामले में तेलंगाना के निजामाबाद से तांत्रिक बी शिवा और उसके ड्राइवर रामू माला की गिरफ्तारी के बाद सलमान और उसके परिवार का सच सामने आ गया। पुलिस ने मामले में अब तक तांत्रिक बी शिवा, उसके ड्राइवर रामू माला, तांत्रिक टीम के सदस्य रामस्वरूप चौधरी, डॉ. मनोज वर्मा, जितेंद्र तिवारी, धर्मेंद्र कुमार राम, सलमान और मुस्ताक को गिरफ्तार किया है।

जानकारी में यह भी सामने आया कि तांत्रिक शैतान सिंह अजमेर में तंत्र-मंत्र के नाम पर ठगी की कोशिश कर चुका था, लेकिन सफलता नहीं मिली। फिर उसने गफ्फार को रुपए डबल करने का झांसा दिया था। कहा था कि 50 लाख का इंतजाम कर लो, फिर करोड़ों में खेलेंगे। रकम जुटाने के बाद गफ्फार ने शैतान सिंह और विक्रम सिंह को पैसों का इंतजाम होने के बारे में बताया था। इसके बाद गफ्फार ने शैतान सिंह को खाजूवाला बुलाया। 9 जून को शैतान सिंह, विक्रम सिंह, कर्नाटक निवासी बी शिवा, रामस्वरूप चौधरी, डॉ. मनोज वर्मा सभी गफ्फार के घर पहुंच गए। महिलाओं को दूसरे घर भेज दिया गया। इसके बाद बी शिवा ने 50 हजार रुपए को डबल करके दिखाया। गफ्फार और राजेंद्र पूनिया (जिन्हें रकम डबल करानी थी) को विश्वास हो गया। खाजूवाला में चौधरी मेडिकल का मालिक राजेंद्र पूनिया पांच लाख रुपए लेकर आया था। यह रकम उसने गफ्फार को दे दी थी। बाकी के 45 लाख गफ्फार ने अलग-अलग जगह से इकट्ठा किए थे।

964 पाक विस्थापितों को नागरिकता प्रमाण पत्र दिये

■ **नागरिकता प्रमाण पत्र पाकर कई पाक विस्थापितों की आंखें छलकी**

जोधपुर, (कासं)। जनगणना कार्य निदेशालय, राजस्थान के निदेशक विष्णु चरण मल्लिक ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान शनिवार को पाक विस्थापितों को नागरिकता प्रमाण पत्र वितरण करेंगे। इससे पहले गुरुवार को डॉ. एस.एन. मेडिकल कॉलेज, जोधपुर के सभागार में आयोजित नागरिकता प्रमाण पत्र वितरण शिविर में 964 पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता के प्रमाण पत्र सौंपे। जैसे ही नागरिकता प्रमाण पत्र हाथों में आया, दशकों पुराना इंतज़ार आँखों से बह निकला। चेहरे पर संतोष और हृदय में भारत माता से जुड़ाव की अनुभूति स्पष्ट झलक रही थी। विस्थापन की पीड़ा अब भारतीय नागरिक होने के गर्व में परिवर्तित हो गई।

मल्लिक ने इस ऐतिहासिक क्षण को विस्थापितों के संघर्ष, धैर्य और उम्मीद की जीत बताते हुए सभी नव-नागरिकों को बधाई दी और कहा कि आज आपने केवल कागज़ नहीं, बल्कि अपनी पहचान पाई है। जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने उपस्थित लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, आज आपकी भारतीय नागरिकता की औपचारिक शुरुआत है। केंद्र और राज्य सरकारें आपके कल्याण के लिए निरंतर कार्यरत हैं। ये 964 प्रमाण पत्र केवल संख्या नहीं, बल्कि 964 संघर्ष और साहस की कहानियाँ हैं। उन्होंने संविधान प्रदत्त अधिकारों के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन की भावना को आत्मसात करने का आग्रह किया।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर प्रथम) उदयभानु चारण ने बताया कि दो दिवसीय यह नागरिकता प्रमाण पत्र वितरण शिविर शनिवार को प्रातः नौ बजे से सायं छह बजे तक जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि गुरुवार को कुल 964 पाक विस्थापितों को नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि यह शिविर केंद्र और राज्य सरकारों की मानवीय संवेदना और दूरदर्शी सोच का प्रत्यक्ष उदाहरण है, जहाँ वर्षों के संघर्ष को सम्मान और स्थायित्व की सौगात मिली है।

दुष्कर्म मामले में फरार दो आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले के रूपवास थाना क्षेत्र में सामूहिक दुष्कर्म के एक गंभीर मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस तीसरे आरोपी की तलाश कर रही है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देशन में चलाए जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत की गई।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बयाना हरिराम आरपीएस के सुपरविजन और वृताधिकारी रूपवास नीरज भारद्वाज आरपीएस के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की। थाना रूपवास पर दर्ज प्रकरण के अनुसार, 10 जून 2025 को पीड़िता द्वारा तीन आरोपियों के विरुद्ध सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस द्वारा की गई त्वरित जांच एवं अनुसंधान के दौरान नामजद आरोपी रोहित पुत्र राजाराम और रिंकू पुत्र प्रेम सिंह को गिरफ्तार किया गया है। तीसरे आरोपी की तलाश अभी जारी है।

डोडा-पोस्त के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

पुलिस की गाड़ी देखकर भागा था, पूछताछ में कई खुलासे होंगे

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन सीमा संकल्प के तहत पुलिस ने एक नशा सप्लायर को दबोचा है। गजसिंहपुर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 4 किलो 200 ग्राम डोडा-पोस्त के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने मादक पदार्थ की तस्करी में संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पड़ताल में जुट गई है।

पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि शुक्रवार को गजसिंहपुर थानाधिकारी उप निरीक्षक सीर कौर मय जाब्ता रोही 25 आरबी क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान एक व्यक्ति पुलिस वाहन को देखकर घबरा गया और मौके से भागने की कोशिश करने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उस व्यक्ति के पास एक थैले में 4 किलो 200 ग्राम अवैध डोडा पोस्त मिला। पूछताछ में आरोपी की पहचान सुखबीर सिंह (40) पुत्र प्यारा सिंह, निवासी 23 आरबी, हाल निवासी 25 आरबी के रूप में हुई। आरोपी से मौके पर ही प्रारंभिक पूछताछ की गई, जिसमें उसने नशे के कारोबार में संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच थाना घमूड़वाली के थानाधिकारी पृथ्वीराज को सौंपी गई है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी सीर कौर के साथ कॉन्स्टेबल पवन कुमार, महावीर प्रसाद, दयाराम और सुरेन्द्र कुमार शामिल थे।

मानव जीवन को खतरे में डाल रील बनाने वाला युवक कमलेश निरूद्ध

■ **रेलवे पटरी पर सोकर ट्रेन अपने ऊपर से गुजरने की रील बनाई थी**

■ **बालोतरा पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखी जा रही है**

बालोतरा, (नि.सं.)। बालोतरा पुलिस ने रेलवे पटरी पर सोकर ट्रेन अपने ऊपर से गुजरने की रील बनाने का सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के मामले में आरोपी को निरुद्ध किया है।

अमित जैन आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला बालोतरा ने बताया कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर गहन साइबर पेट्रोलिंग कर सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने एवं सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की फैक/भ्रामक पोस्ट, गलत टिप्पणी, आपसी सौहार्द व कानून व्यवस्था बिगाड़ने सम्बन्धी एवं गैर-कानूनी पोस्ट करने वालों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई के विशेष अभियान के तहत दिए गए दिशा-निर्देशानुसार गोपालसिंह भाटी आरपीएस, नोडल अधिकारी, सोशल मीडिया सेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोतरा व सुशीलमान आरपीएस वृताधिकारी बालोतरा के निकट सुपरवीजन में चेलसिंह नि. थानाधिकारी बालोतरा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा एक युवक द्वारा रेलवे पटरी पर सोकर अपने जीवन को खतरे में डालकर ऊपर से रेल गुजरने की रील बनाकर वायरल करने के मामले को गंभीरता से लेकर त्वरित कार्रवाई करते हुए शख्स कमलेश को निरूद्ध करने में सफलता हासिल की है। जानकारी के अनुसार 20 जून को एक युवक द्वारा रेलवे पटरी पर सोकर अपने जीवन को खतरे में डालकर अपने ऊपर से रेल गुजरने की रील बनाकर इंस्टाग्राम पर अपलोड करना ज्ञात हुआ। रेलवे ट्रेक पर इस तरह की रील का खतरनाक तरीके से बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले को गंभीरता से लेते हुए उक्त शख्स की इंस्टाग्राम आईडी के आधार पर कमलेश (21) पुत्र शिवलाल मेघवाल निवासी तिलवाड़ा पुलिस थाना जसोल के रूप में पहचान कर थाना बालोतरा की टीम राकेश कुमार सउनि. मय जाब्ता द्वारा कस्बा बालोतरा से दस्तयाब किया गया। घटनाक्रम रेलवे पुलिस क्षेत्र का होने से अग्रिम कार्रवाई के लिए आरपीएफ बालोतरा को सुपुर्द किया गया।

एक गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। नान्ता पुलिस टीम ने मुखबीर की सूचना पर अवैध देशी रिवाल्वर सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। नान्ता थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी नवल किशोर शर्मा ने बताया कि थाने के सहायक उपनिरीक्षक शिवराज सिंह मय जाप्ता इलाके में गश्त कर रहे थे। गश्त के दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि मोनीबाबा के आश्रम की तरफ वाली रोड पर पॉवरहाउस की दीवार के पास एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर खड़ा है। थानाधिकारी ने बताया कि उक्त सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मुखबीर द्वारा बताये गये हुलिये के आधार पर पूछताछ करने को डिटेन कर उसकी तलाशी ली।

रूपयों के लेनदेन की मानसिक प्रताड़ना के चलते युवक ने आत्महत्या की

सुसाइड नोट मिला, जिसमें कुछ लोगों से रूपये उधार लेने पर रूपयों के लेन-देन को लेकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है

■ **सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ा तो युवक फन्दे पर लटका हुआ मिला**

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके के देवाशीष सिटी में रूपयों के लेन-देन की मानसिक प्रताड़ना के चलते युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक युवक ने आत्महत्या से पहले मौके पर सुसाइड नोट भी छोड़ा जिसमे कुछ लोगों से रूपये उधार लेने पर रूपयों के लेन-देन को लेकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। पुलिस ने सुसाइड नोट के आधार पर मामला दर्ज कर कुछ जनो के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

बोरखेड़ा थानाधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि देवाशीष सिटी निवासी दुष्यंत पांडे (35) ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। थानाधिकारी ने बताया कि दुष्यंत ने सुसाइड से पहले एक सुसाइड नोट छोड़ा है जिसमें रूपयों के लेन-देन के बारे में लिखा है। थानाधिकारी ने बताया कि दुष्यंत ने सुसाइड नोट में कोटा निवासी नरेन्द्र नागर, रवि तिवारी सहित दो जनों के खिलाफ रूपयों के लेन-देन को लेकर मानसिक प्रताड़ना देते हुए अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है। परिजनों ने घटना का पता उस समय चला जब गुरूवार को दुष्यंत अपने कमरे में सोने गया और शुक्रवार सुबह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आया जिस पर परिजनों ने दरवाजा खटखटाया तो कुंडी अंदर से लगी हुई थी। जिसकी सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ा तो युवक फांसी के फन्दे पर लटका हुआ मिला।

थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया, मृतक के पास मिले सुसाइड नोट के आधार पर मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि मृतक के ऊपर कोई कर्जा बाकि था या कर्जा देने वाले रूपया वसूलने के बाद उसको रूपयों के लिये ब्लैकमेल कर रहे थे।

पिता-पुत्र पर बदमाशों ने एसिड फैंका

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र में बेखौफ बदमाशों ने बीती रात दुकान से घर जा रहे बाइक सवार पिता-पुत्र पर एसिड फैंक दिया। इससे पिता-पुत्र झुलस गये, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

जानकारी के अनुसार भरक निवासी जमनालाल (37) पुत्र नंदलाल बैरवा गुरुवार रात्रि को करीब 8.30 बजे सहाड़ा से अपनी दुकान बंदकर बाइक पर बेटे धनराज (17) के साथ घर जा रहा था। इस दौरान माताजी का खेड़ा तिराहे पर एक अन्य बाइक से आये दो बदमाशों ने उन पर एसिड फैंका, जिससे पिता-पुत्र झुलस गये। इसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गये। जैसे-तैसे वह अपने बेटे के साथ घर पहुंचा और एंबुलेंस को सूचना दी। इसके बाद एंबुलेंस से उन्हें पहले गंगापुर और बाद में एमजी अस्पताल ले जाया गया। एमजी अस्पताल में पिता-पुत्र का उपचार किया जा रहा है। दूसरी ओर पुलिस हमले के आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

नसीराबाद में सेल्फी पॉइंट का लोकार्पण

नसीराबाद, (निसं)। छावनी क्षेत्र नसीराबाद में पर्यटन को बढ़ावा देने और शहर की सुंदरता में चार चांद लगाने के उद्देश्य से विकसित किए गए 'सेल्फी पॉइंट' का शुक्रवार को लालडिग्गी परिसर में भव्य लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। इस आकर्षक स्थल का उद्घाटन छावनी परिषद अध्यक्ष ब्रिगेडियर हरीश कुमार द्वारा किया गया। उनके साथ छावनी परिषद सीईओ नीतीश कुमार गुप्ता तथा नगरपालिका सीईओ पिंटू जाट विशेष रूप से उपस्थित रहे। 'सेल्फी पॉइंट' नसीराबाद की सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और आधुनिकता का समन्वय प्रस्तुत करता है। यह स्थान विशेष रूप से युवाओं के लिए एक नया हॉटस्पॉट बनेगा, जहाँ वे अपनी यादों को कैमरे में कैद कर सकेंगे।

नापासर सरपंच सरला देवी को पद से हटाया

सरपंच पर नियम विरुद्ध भुगतान करने के आरोप लगाए गए थे

बीकानेर, (निसं)। यहां ग्राम पंचायत नापासर की सरपंच सरला देवी को पद से हटा दिया गया है। राज्य सरकार के आदेश पर निलंबन के आदेश जारी किए गए हैं। सरला देवी पर नियम विरुद्ध भुगतान करने के आरोप लगाए गए थे। जिसकी जांच के बाद ये कार्रवाई की गई है।

नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39(6) के अंतर्गत नगर पालिका नापासर के अध्यक्ष एवं सदस्य पद से तत्काल प्रभाव से हटाने के आदेश जारी किए गए हैं। जांच में पाया गया कि सरला देवी ने अपने कार्यकाल में बिना अनुमोदन के तीन कर्मचारियों की नियुक्ति की, जो नियम विरुद्ध पाई गई। इस मामले में कई स्तर पर जांच हुई है। स्थानीय स्तर पर छानबीन के बाद प्रकरण को स्थानीय निकाय विभाग के मुख्यालय भेजा गया था, जहां की रिपोर्ट तैयार हुई। इसी आधार पर सरपंच को सस्पेंड किया गया है। जांच के बाद दी गई रिपोर्ट में दिए गए स्पष्टीकरण का जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर विभाग ने नियमानुसार यह निर्णय लिया। सरपंच ने भुगतान नियमों के तहत बताया था लेकिन उसके लिए उपलब्ध साक्ष्य नहीं थे। आदेश में कहा गया है कि इस प्रकरण में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए कार्यवाही की जाएगी।

युवक का शव मिला

बीकानेर, (निसं)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ कस्बे में हौद में युवक का शव मिला है। मौके से गुजर रहे राहगीर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। शव को बाहर निकाला गया। युवक की उम्र करीब 30 से 35 के करीब है।

पुलिस के अनुसार कालूबास में स्थित एक बाड़ी में बने हौद के भीतर पानी में एक युवक का शव मिला है। हौद को पट्टी और टीनशेड से ढका हुआ था। हौद के पास से एक युवक गुजर रहा था। तब उसके ऊपर से टीनशेड हटा हुआ था। युवक ने अंदर झांका तो शव दिखा। इसके बाद श्रीडूंगरगढ़ पुलिस को सूचना दी गई। एसआई मोहन मीणा दल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकाला। मृतक की पहचान कस्बे के आडसर बास में रहने वाले अमित डागा (40) पुत्र भीखमचंद डागा के रूप में हुई है। उनके पिता की बाजार में दुकान है। डागा के एक जवान बेटे की मौत पहले हार्टअटैक से हो चुकी है। ये दूसरा बेटा था।

केवलादेव पक्षी विहार में "बया वीवर" पक्षी की बुनाई कला आकर्षण का केन्द्र बनीं

वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर दीपक मुद्गल ने "बया वीवर" की कारीगरी को तस्वीरों में उकेरा है।

■ **छोटा सा "बया वीवर" पक्षी, जिसे "बुनकर पक्षी" भी कहा जाता है, अपनी अनोखी घोंसला बुनाई की कला से सभी का मन मोह लेता है**

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर का केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, जिसे पक्षी विहार के नाम से भी जाना जाता है, पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग समान है। यहां की हरी-भरी हरियाली और शांत तालाबों के बीच देश-विदेश के रंग-बिरंगे पक्षी आकर्षण का केंद्र हैं। मानसून के मौसम में यहां का प्राकृतिक परिवेश अपनी अनुपम छटा बिखेरता है। इन सबके बीच, छोटा सा "बया वीवर" पक्षी, जिसे "बुनकर पक्षी" भी कहा जाता है, अपनी अनोखी घोंसला बुनाई की कला से सभी का मन मोह लेता है।

वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर और नगर निगम पार्षद दीपक मुद्गल ने दो माह के अथक प्रयास और गहन अवलोकन के बाद "बया वीवर" के जीवन, व्यवहार और कारीगरी को अपनी तस्वीरों और अध्ययन में खूबसूरती से उकेरा है। प्रजनन काल में नर "बया वीवर" का सिर और गला चमकीला पीला-नारंगी, चेहरा काला और शरीर भूरा होता है, जो उसे अत्यंत आकर्षक बनाता है। अन्य समय में नर और मादा दोनों गौरैया जैसे भूरे और धारीदार दिखते हैं। इनकी छोटी, मजबूत चोंच बीज, अनाज और कीट खाने के लिए उपयुक्त होती है।

"बया वीवर" खजूर और बबूल के पेड़ों पर, विशेषकर जल स्त्रोतों के निकट, घास, पत्तियों और पौधों के रेशों से बोतलनुमा लटकते घोंसले बनाते हैं। नर अथक परिश्रम से इन जटिल घोंसलों को बुनता है, जिनमें एक लंबी प्रवेश नली होती है। ये घोंसले शिकारियों, जैसे साँपों, और बारिश से सुरक्षा प्रदान करते हैं। मादा इन घोंसलों का बारीकी से निरीक्षण करती है और सबसे उत्कृष्ट घोंसले का चयन करती है। नर द्वारा बनाए गए घोंसले यदि मादा को पसंद नहीं आते, तो वह उन्हें तोड़कर नए सिरे से निर्माण करता है। यह प्रक्रिया उसकी मेहनत और समर्पण का प्रतीक है। "बया वीवर" बीज, चावल, अनाज और कीटों का सेवन करते हैं। प्रजनन काल में ये कीटों का अधिक भक्षण करते हैं, जो पर्यावरण में कीट नियंत्रण में महत्वपूर्ण योगदान देता है। समूह में रहने की उनकी आदत उनकी सामाजिकता को दर्शाती है। नर अपनी बुनाई कला से मादाओं को आकर्षित करते हैं और कई घोंसले बनाकर अपनी कुशलता का प्रदर्शन करते हैं।

स्थानीय संस्कृति में "बया वीवर" के घोंसले मेहनत, कला और प्रकृति की रचनात्मकता के प्रतीक माने जाते हैं। प्रजननकाल के बाद खाली हो चुके इन मजबूत घोंसलों को लोग सजावट के लिए उपयोग करते हैं। प्रत्येक प्रजनन काल में ये पक्षी नए घोंसले बनाते हैं, जो उनकी निरंतर रचनात्मकता को दर्शाता है। दीपक मुद्गल का यह प्रयास न केवल "बया वीवर" की कारीगरी और सुंदरता को उजागर करता है, बल्कि जैव-विविधता और पर्यावरण संतुलन के महत्व को भी रेखांकित करता है। उनके अनुसार, अजान बांध, कुम्हेर रोड, बृज विश्वविद्यालय और रूपवास जैसे क्षेत्रों में "बया वीवर" के दर्शन और उनकी कला को निहारने का अनुपम सुख प्राप्त किया जा सकता है। यह कारीगरी प्रकृति की अनमोल देन है, जो हमें पर्यावरण संरक्षण और जैव-विविधता के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा देती है।

मंदिर के ताले तोड़कर छत्र, जेवर व नकदी चुराई

■ **ऐतिहासिक धरोहर मीनार पर स्थित यक्षणी माता मंदिर को चोरों ने निशाना बनाया**

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात्रि को मांडल कस्बे की ऐतिहासिक धरोहर मीनार पर स्थित यक्षणी माता मंदिर को चोरों ने बीती रात निशाना बनाया।

अज्ञात चोरों ने मंदिर के ताले तोड़कर अंदर प्रवेश किया और माता की प्रतिमाओं पर लगे छत्र व जेवरात, साथ ही दानपेटी में रखी नकदी चोरी कर ली। सबसे हैरानी की बात यह रही कि शातिर चोर मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी अपने साथ ले गए, जिससे उनकी पहचान नहीं सको। सुबह मंदिर पहुंचे पुजारी भारमल माली जब आरती की तैयारी में लगे थे, तब उन्होंने मंदिर में टूटे ताले और बिखरी हालत देखकर तत्काल घटना की सूचना मंदिर समिति अध्यक्ष बिहारीलाल सारस्वत को दी। अध्यक्ष सारस्वत ने पुलिस को सूचित कर मौके पर बुलाया। मंदिर समिति अध्यक्ष बिहारी लाल ने बताया कि पुजारी द्वारा सूचना मिली कि माताजी के मंदिर चोरी हो गई है। पुजारी की सूचना मिलते ही पुलिस को सूचित कर दिया। वहां मौके पर आए तो ताले टूटे हुए मिले, सबसे पहले कैमरे और डीवीआर कमरे के ताले टूटे हुए देखे गए। उसके बाद मेन गेट का ताला टूटा और माता जी के गेट के यहां ताले टूटे थे, दानपात्र का ताला टूटा हुआ दिखाई दिया। माता जी के चांदी के दो मुकुट, दानपात्र जिसमें 25-30 हजार कैश था, कमरे में लगा कैमरा और डीवीआर भी चोर ले गए। घटना की जानकारी मिलते ही समिति पदाधिकारियों में आक्रोश फैल गया। समिति सदस्यों ने पुलिस गश्त को लेकर नाराजगी जताई और चोरों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई, सभी ने घटना को लेकर गहरी चिंता जताई। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने की मांग की है।

लूट की वारदात करने वाले गिरफ्तार

■ **11 अप्रैल को कार से कई पेट्रोल पंपों पर लूट की वारदातें की थी**

नोखा, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने पेट्रोल पंप लूट के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी अमित स्वामी ने बताया कि मकराना निवासी मनीष भाकर, नागौर निवासी प्रेम मेघवाल, गजनेर निवासी अर्जुन कुम्हार को गिरफ्तार किया है। इन्होंने 11 अप्रैल को बिना नंबर की स्विफ्ट कार से कई पेट्रोल पंपों पर लूट की वारदातों को अंजाम दिया था। पहले श्रीबालाजी थाना क्षेत्र के गंठीलासर गांव के पेट्रोल पंप पर लूट का प्रयास किया। सेल्समैन की सतर्कता से वहां असफल रहे। इसके बाद बीकानेर-नागौर राजमार्ग पर नोखा थाना क्षेत्र के चरकड़ा गांव के पेट्रोल पंप से रुपए और मोबाइल लूटे। बदमाशों ने नोखा, मुकाम और काकड़ा होते हुए जसरासर के जसनाथ पेट्रोल पंप पर भी लूट की। फिर उड़सर कैंप, झाड़ेली और थावरिया होते हुए मैनसर पेट्रोल पंप पर भी लूट की। लालगढ़ पेट्रोल पंप पर भी लूट की। जोगलसर में पेट्रोल पंप का शीशा तोड़ा, लेकिन सुबह होने के कारण भाग गए।

संक्षिप्त

शिविर का आयोजन

टोंक। प्रेरणा ग्रुप ऑफ टोंक व सीडीसी डांस एंड जुम्बा स्टूडियो टोंक संयुक्त तत्वाधान में विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में महिलाओं और बच्चों के लिए 2 दिवसीय योगा एंड जुम्बा शिविर का आयोजन अग्रवाल धर्मशाला टोंक में किया गया। शिविर के प्रथम दिन लगभग 70 महिलाओं और बालिकाओ ने शिविर का लाभ उठाया, शिविर संयोजिका रेखा जाजू ने बताया की आज की व्यस्त जीवन शैली में महिलाए सिर्फ अपने आपको समय नहीं दे पा रही है, उनका पूरा समय परिवार और सामाजिक जिम्मेदारियों में पूरा हो जाता है, इसके चलते वे अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान नहीं दे पाती। इस शिविर में साक्षी जैन ,मिताली ,शालिनी ,वेदांशी ,मीनाक्षी ,मनीषा ,ज्योति ,पम्मी ,योगिता ,प्रियांशी ,मोंटी ,नेहा ,नीतू ,जो की रेगुलर एक्सरसाइज करती हे के साथ ही कई महिलाए उपस्थित रही। शिविर का समापन आज योग दिवस पर होगा।

लगातार 2 घंटे झमाझम बारिश

निवाई। प्रदेश में मानसून के प्रवेश के दूसरे दिन शुक्रवार को निवाई शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में झमाझम बारिश हुई। जल संसाधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार 125 एमएम बारिश दर्ज की गई है। तेज बारिश के चलते पहाड़ पर झरने चलने से मौसम मनोरम हो गया है। गुरुवार की देर रात से शुरू हुई रिमझिम बारिश का दौर सुबह करीब 9 बजे तक चला। इसके बाद रिमझिम बारिश झमाझम बारिश में परिवर्तित हो गई। करीब 2 घंटे तक झमाझम बारिश हुई। उसके बाद शाम तक कभी तेज तो कभी हल्की बारिश होती रही। बारिश की दिनभर झड़ी लगी रहने से आषाढ़ में सावन का एहसास होने लगा। तेज बारिश के चलते शहर की सडक़ें नदियां बन गई लगातार बारिश के चलते शुक्रवार को शहर की अधिकतर बाजार बंद रहे। बारिश होने के साथ ही तापमान में गिरावट आ गई और गर्मी से राहत मिली।

योग अभ्यास सत्र का आयोजन

टोंक। पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल द्वारा पूर्व विधायक व पूर्व जिलाध्यक्ष अजीत सिंह मेहता के नेतृत्व में दुर्गा पैराडाइज (कंकाली माता मंदिर के सामने टोंक) में योग गुरु सत्यनारायण नामा के मार्गदर्शन में भव्य योग अभ्यास सत्र का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज, एक लाख से अधिक लोग करेंगे योगाभ्यास

टोंक। ग्यारहवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2025 आज मनाया जा रहा है। एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य थीम पर आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत टोंक जिले में एक लाख से अधिक लोग योगाभ्यास करेंगे। जिला प्रभारी सचिव महावीर प्रसाद मीना ने जिला प्रशासन द्वारा योग दिवस पर की गई तैयारियां को लेकर शुक्रवार को

- **एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य थीम पर आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत टोंक जिले में एक लाख से अधिक लोग योगाभ्यास करेंगे**

जिला प्रभारी सचिव महावीर प्रसाद मीना ने जिला प्रशासन द्वारा योग दिवस पर की गई तैयारियां को लेकर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक ली।

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक ली तथा अधिकारियों को सुव्यवस्थित आयोजन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान, एडीएम रामरतन सौंकरिया, सीईओ परशुराम धानका समेत सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

राज्य सरकार के निर्देशानुसार इस बार अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन जिले के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर किया जाएगा। इसके तहत तहसील टोंक में डॉ. बी.आर. अंबेडकर खेल स्टेडियम के इंडोर हॉल में, देवली तहसील में बीसलपुर बांध पर, मालपुरा उपखंड की डिग्गी तहसील में विजय सागर की पाल, नगर फोर्ट तहसील में मांडकलां, उनियारा तहसील के हाथी भाटा पर योगाभ्यास किया जाएगा। साथ ही, जिले के सभी प्रमुख कस्बों एवं ग्राम पंचायतों में भी बड़ी संख्या में योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित होंगे।

जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अधिक से अधिक संख्या में अपने आसपास आयोजित होने वाले योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल हो और इसे अपनी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि योग हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ्य एवं मजबूत बनाता है।

स्वायत्त शासन विभाग ने दी गृह एवं नगरीय विकास कर पर छुट

- **30 सितम्बर तक जमा करवाने पर मूल बकाया में मिलेगी 50 प्रतिशत की छुट**
- **कोटपूतली नगर पालिका को नगर परिषद में क्रमोन्नत किये जाने के बाद यूडी टैक्स जमा किये जाने को आवश्यक किया**

कोटपूतली। राज्य सरकार के स्वायत्त शासन विभाग ने गृह कर एवं नगरीय विकास कर में एकमुश्त राशि जमा करवाने पर शास्ति में छुट प्रदान की है। इस सम्बंध में विभाग के निदेशक इन्द्रजीत सिंह द्वारा जारी आदेशानुसार आगामी 30 सितम्बर तक सम्पूर्ण बकाया गृह कर आवासीय व व्यावसायिक भूखण्डों एवं भवनों का एकमुश्त जमा कराने पर मूल गृह कर की राशि पर 50 प्रतिशत की छुट एवं शास्ति पर शत-प्रतिशत की छुट प्रदान की जायेगी।

साथ ही वर्ष 2024-25 तक के नगरीय विकास कर की राशि एकमुश्त जमा कराने पर ब्याज एवं शास्ति पर शत-प्रतिशत छुट रहेगी। जिन प्रकरणों में वर्ष 2011-12 से पूर्व का नगरीय विकास कर बकाया है। उन प्रकरणों में एकमुश्त जमा कराने पर उस अवधि के नगरीय विकास कर में शास्ति की छुट के साथ मूल बकाया में 50 प्रतिशत की छुट प्रदान की जायेगी।

उल्लेखनीय है कि नगर परिषद ने 31 मार्च 2025 तक 02.35 करोड़ यूडी टैक्स जमा किया था।

प्रोजेक्ट इंचार्ज जसवंत सिंह ने बताया कि इसमें 30 व 31 मार्च 2025 को अन्तिम दो दिनों में रिकॉर्ड 48 लाख रूपये यूडी टैक्स जमा किया गया था। जबकि 29 मार्च तक यह राशि 01.87 करोड़ थी। जो कि वर्ष 2023-24 में वसूले गये कुल यूडी टैक्स 01.58 करोड़ रूपये से कुल 29 लाख रूपये ज्यादा थी। इस वर्ष यूडी टैक्स वसूले जाने को लेकर विभिन्न व्यापारिक संस्थानों, औधोगिक ईकाईयों व अन्य भूखण्डों को 5285 डिमांड नोटिस व 2293 लीगल नोटिस जारी किये गये थे। दरअसल में कोटपूतली नगर पालिका को नगर परिषद में क्रमोन्नत किये जाने के बाद यूडी टैक्स जमा किये जाने को आवश्यक किया गया है।

इसी के चलते इस वित्तीय वर्ष के अन्त में ब्याज व शास्ति पर सम्पूर्ण छुट प्रदान की गई थी। साथ ही मार्च के अन्तिम सप्ताह में ही यूडी टैक्स वसूले जाने में तेजी लाई गई थी। इस वर्ष अभी तक 4800 नोटिस बांटे गये है एवं 24 लाख की वसूली की जा चुकी है। प्रोजेक्ट इंचार्ज जसवंत सिंह ने बताया कि यह छुट नागरिकों के लिये बड़ी राहत है, क्योंकि इससे उन्हें अपने बकाया करों का भुगतान बिना किसी बोझ के करने का मौका मिल रहा है।

प्रदर्शन 23 जून को

फुलेरा। प्रांतिय कार्यकारणी, राजस्थान पेंशनर समाज जयपुर के अव्हान केन्द्र सरकार को पूर्व पेंशनर्स और वर्तमान पेंशनर्स में विभेद करने का अधिकार प्राप्त हो जाने के विरोध में राजस्थान पेंशनर समाज उपशाखा फुलेरा द्वारा 23 जून को प्रात: 11:30 बजे उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक को ज्ञापन देगें।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

इंटरप्रिटिशन सेंटर बीजक रोड विराटनगर पर होगा योग

निरीक्षण करते एसडीएम ।

पावटा। 21 जून को 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। शुक्रवार को विराटनगर उपखंड अधिकारी अमिता मान ने 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ब्लॉक स्तरीय समारोह की तैयारियों का अवलोकन किया व अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किया।

जानकारी देते हुए विराटनगर उपखंड अधिकारी अमिता मान ने बताया कि विराटनगर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उपखंड स्तरीय समारोह इंटरप्रिटिशन सेंटर बीजक रोड विराटनगर में मनाया जायेगा। विराटनगर उपखंड अधिकारी अमिता मान ने निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी को निर्देश दिया सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएं।

उन्होंने आयोजन स्थल की सफाई, मंच व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, पीने के पानी और प्राथमिक चिकित्सा जैसी जरूरी सुविधाओं को लेकर भी अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस बार के योग दिवस की थीम योग से स्वास्थ्य, योग से सशक्त समाज तय की गई है। कार्यक्रम में स्कूली छात्र, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी और आम लोग मौजूद रहेंगे। इस दौरान उनके साथ आयुष चिकित्सक राजेंद्र वर्मा, नगरपालिका जेईएन हरिसिंह कुम्हार सहित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

बावड़ी वाले बाबा का 2 दिवसीय वार्षिक उर्स कूल की रस्म के साथ सम्पन

मनोहरपूर। पुरानी सड़क के पास वाली बावड़ी में स्थित हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत बावड़ी वाले सैय्यद बाबा का दो दिवसीय वार्षिक उर्स कूल की रस्म के साथ में विधिवत संपन्न हो गया। दरगाह के खादीम सलीम शाह उर्फ छित्तर बाबा ने बताया कि उर्स की शुरुआत 19 जून गुरुवार को झंडे की रस्म के साथ में हुई इसी के साथ में जायरिनों का आना शुरू हुआ। इसके बाद में बाबा के शाम को चिराग रोशन किया गया रात्रि 10 बजे बाद में राजस्थान की मशहूर कव्वाल सिकंदर वारसी एन्ड कव्वाल पार्टी द्वारा महफिले शमा का आयोजन किया गया जिसमें एक से बढ़कर एक कव्वाली सुनाकर जायरिनों को खुश कर दिया। शुक्रवार 20 जून को सुबह 4 बजे कूल की रस्म हुई इसी के साथ में पत्रकार और सराहनीय कार्य करने वाले तथा दूर दराज के आए हुए सूफियों का इस्तक़बाल किया गया।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुक्दमा नम्बर 63/2025

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री कौशलेन्द्र मिश्रा पुत्र श्री अरविन्द मिश्रा निवासी 3/56 यूआई.टी. कॉलोनी, आलमपुर भिवाडी, जिला खैरथल तिजारा ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1969 की धारा 17(1) के अन्तर्गत श्री दुर्गा मंदिर बीडीआई धमार्थ सेवा ट्रस्ट, फ्लेट नम्बर 1011 एमरॉल्ड 1 बीडीआई सनसाई सिटी, तहसील टपूकडा, जिला खैरथल-तिजारा के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतएव धारा 19 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तिया, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तिया नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जायेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 16.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 20.08.2025

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 64/2025

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री रमेश पुत्र श्री फतेह सिंह बहादुरगढ़, निवासी झज्जर, हरियाणा-124507 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत न्यू लाईफ नशा मुक्ति फाउण्डेशन ट्रस्ट, बिलाहेडी (नियर पावर हाउस), औद्योगिक क्षेत्र, भिवाडी, तहसील टपूकडा, जिला खैरथल तिजारा के सम्बन्ध में जाच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युका प्रन्यास जिसकी जाच की जा रही है. में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तिया नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्म अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 16.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 20.08.2025

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

कार्यालय उपायुक्त किशनपोल जोन नगर निगम जयपुर

सोफिया स्कूल के सामने घाटगेट जयपुर पिन कोड 302007

क्रमांक-F-52/DC/KPZ/2025/444 दिनांक-19/6/2025

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय की विज्ञिप्त संख्या 43 दिनांक 10.02.2023 को श्री नोशाद व गुलफाम कुरैशी मकान नं. 128 रहीम मंजिल की गली लकड़ी वालो का मोहल्ला एम.आई. रोड़ जयपुर क्षेत्रफल पंजिकृत विक्रय पत्र की सार्वजनिक आपत्ति सूचना जारी की गई थी। प्राप्त आवेदन पर जोन कार्यालय द्वारा कार्यवाही करते हुए मकान नं. 128 रहीम मंजिल की गली कड़ी वालो का मोहल्ला एम.आई. रोड़ जयपुर का प्रार्थी के नाम से पट्टा जारी कर दिया गया था। उक्त आपत्ति सूचना व पट्टे में सहवन से मकान नं. 135 के स्थान पर 128 दर्ज हो गया था जो विक्रेता पक्ष का मकान नम्बर है। इसे मकान नं. 128 के स्थान पर 135 संशोधित करते करने हेतु पराधीन है।

अतः उक्त मकान के संबंध में किसी व्यक्ति सरकारी/गैर सरकारी संस्था या अन्य किसी को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता को सूचित करे। बाद मियाद गुजरने के दिन का नियमानुसार निस्तारण कर दिया जावेगा।

उपायुक्त, किशनपोल जोन
नगर निगम जयपुर (हैरिटेज)

विवाधको के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

आदेश 5 के नियम 1 और 5

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी जोबनेर जि.जयपुर

गोविन्दराम बनाम गीतादेवी वगैरह

वाद पत्र सं. 15/2022

वाद विभाजन एवं स्थायी निषेधाज्ञा

बनाम-1- गोरादेवी पुत्री ईसरा, 2- रूकमीदेवी पुत्री ईसरा 3- अनुराधा पुत्री स्व. लादूराम 4- संजू पुत्री स्व. लादूराम, 5-सरिता पुत्री स्व.लादूराम समस्त जाति कुमावत निवासी आसलपुर तहसील जोबनेर जिला जयपुर राज. 10-तहसील जोबनेर जिला जयपुर उपरोक्त आपके विरूद्ध उपरोक्त के वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 9/7/25 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है आप न्यायालय मे स्व्यं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्पक अनुदेश दिये गये हो और जो ऐसे सब प्रश्नो का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करे और दाखिल/सुजराई का दारवा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति मे हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराईके दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप मे निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजो को उल्लेखित समय के बाद उपाबद्व की जाने वाली सूची में प्रतिष्ठ करे।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय मे उपसंजात नही होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी आपकी अनुपस्थिति मे किया जायेगा।

यह वाद ता. 13/6/25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मद्रा से लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

आज्ञा से-रीडर
उपखण्ड अधिकारी
जोबनेर

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

सार्वजनिक सूचना

क्रमांक : न.नि.भ./स्कीम/2025-26/4763-764 दिनांक : 16.06.2025

आवेदकान् श्रीमती अनीता रानी यादव पत्नी डॉ० ज्ञान चन्द यादव एवं श्री गौरव यादव पुत्र डॉ० ज्ञान चन्द यादव निवासी-B-5, न्यू सिविल लाइन्स, निकट सारस चौराहा, भरतपुर द्वारा भूखण्ड संख्या 5, योजना आनन्द नगर, सारस होटल के पास, भरतपुर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 256.75 वर्गगज/214.67 वर्गमीटर का आवासीय से व्यावसायिक में भू-उपयोग परिवर्तन कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ पट्टा विलेख क्रमांक 10094 दिनांक 07.08.2013, नगर निगम, भरतपुर जारी नाम हस्तान्तरण आदेश क्रमांक 445-46 दिनांक 15.07.2020 की प्रति, भवन निर्माण स्वीकृति क्रमांक 13024 दिनांक 11.03.2022 की प्रति, टोटल स्टेशन सर्वे की 4 प्रति, गूगल मैप सुपर इम्पोज की दो प्रति, आधार कार्ड आदि दस्तावेजों की प्रतियाँ तथा भू-उपयोग परिवर्तन कराने हेतु 3 साइट प्लान प्रस्तुत किये हैं। भू-उपयोग आवेदन पत्र व मानचित्र में अंकित आवेदित भूखण्ड का क्षेत्रफल 256.75 वर्गगज/214.67 वर्गमीटर का आवासीय से व्यावसायिक में भू-उपयोग परिवर्तन चाहा गया है। इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि 7 दिवस में कार्यालय नगर निगम, भरतपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा गुजरने म्याद संस्थानिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन करने की अग्रिम कार्यवाही की जावेगी एवं कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

प्रभारी अधिकारी
स्कीम शाखा, नगर निगम, भरतपुर

आम-सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवासीय फ्लैट नम्बर एस-1, सैकिण्ड फ्लोर, प्लॉट नम्बर बी-46, मंगल सिटी, हाथोज, कालवाड़ रोड, जयपुर राजस्थान में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 1100 वर्गफीट है, उक्त सम्पत्ति को श्रीमती मंजू शर्मा पत्नी श्री राज बहादुर ने विक्रय पत्र दिनांकित 21.06.2013 द्वारा मैसर्स विनायक एण्टरप्राईजेज से खरीद किया था। यह कि कुछ समय पश्चात् श्रीमती मंजू शर्मा पत्नी श्री राज बहादुर का स्वर्गवास दिनांक 29.01.2023 को हो गया। श्रीमती मंजू शर्मा पत्नी श्री राज बहादुर की मृत्यु के पश्चात उनके विधिक उत्तराधिकारीयो मे श्री राजबहादुर (पति), विवेक शर्मा (पुत्र) व तरूण शर्मा (पुत्र) उक्त सम्पत्ति के संयुक्त रूप से विधिक रूप से मालिक एवं स्वामी, काबिज हुए, श्री राजबहादुर व श्री विवेक शर्मा ने उक्त सम्पत्ति में निहित अपने-अपने अविभाजित हिस्से को रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र दिनांकित 02.06.2025 द्वारा श्री तरूण शर्मा के हक में त्याग कर दिया। इस प्रकार श्री तरूण शर्मा उक्त सम्पत्ति के एकमात्र रूप से विधिक रूप से मालिक स्वामी अधिकारी काबिज हुए। अब श्री राकेश खण्डेलवाल उक्त सम्पत्ति को क्रय कर रहे है मेरे अभिभाष्य वित्तीय संस्था HDFC Bank Ltd. से ऋण ले रहे है, सर्वसाधारण को उक्त सम्पत्ति के विधिक वारिसान, मालिकाना हक, स्वामित्व, कब्जे, अधिकार पर कोई आपत्ति हो तो सात दिवस मे लिखित मे मय दस्तावेज सूचित करे अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।

दिनांक-20.06.2025

केदार राम, एडवोकेट, मो.-9460943434/9799170016

---

eAuction For Salvage Disposal of Solar Panel Modules

E- Auction forms are invited for participating in e-auction for Disposal of Salvage of Solar Panel Module. On "As Is Where Is" basis, belonging to M/s Insolation Green Energy Pvt. Ltd.

Inspection can be done till: **26/06/2025**
Till 12 pm (Prior Appointment)
Contact: Mukul Gupta:+91-9999707373

Date of E auction is 26/06/2025 from 4 Pm onwards

E auction Forms with Earnest Money Deposit (EMD) to be submitted latest by **26/06/2025** up to by **2 Pm** at the auctioneer's address OR at seller's address.

E-Auction Portal is
www.rlasalvage.auction,
visit and register yourself.

Forms can be obtained from the details given below:

For Inquiries please contact:-
Mr. Mukul Gupta: +91-9999707373
R L Agarwal Salvage Solution LLP, Plot No. 18, Block C2, Sushant Lok Phase – 1, Gurgaon–122002.

NAME CHANGE

I army no 2703719W unit 5GDRS Ex NK Suresh Kumar Yadav S/O Damodar Prasad Yadav resident of village sundarpura post ramjipura tehsil kishangarh renwal district jaipur that have changed my son name which is wrongly entered my service record from YAJAT To YAJAT YADAV (DOB 27/9/2009) vide affidavit dated 19 jun 2025 before district notary Jaipur

---

खोया पाया

मेरे मकान नं. 112/20, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर का राजस्थान हाउसिगं बोर्ड द्वारा लक्ष्मी व्यास, प्रीती तिवाड़ी, अदिती पारीक, रिचा गोयल के नाम से जारी किया गया नाम हस्तांतरण पत्र कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें- 9829354846

मेरा नाम जगदीश प्रसाद पुत्र श्री बच्चू लाल से बदलकर जगदीश प्रसाद बैरवा कर लिया गया है। भविष्य में मुझे इस नाम से जाना और पहचाना जाये। P.24, बैरवा मौहल्ला, सूजनपुरा, टोडाभीम, करौली राजस्थान

मेरे आवास संख्या 3/ब/49 जवाहर नगर जयपुर के असल दस्तावेजात आवंटन-पत्र, अदेय प्रमाण-पत्र, कब्जा प्रपत्र आदि कहीं गुम हो गये है मिलने पर मुझ शकुन्तला बल्दवा पत्नी स्व. श्री विष्णु स्वरूप बल्दवा उर्फ वी.एस. बल्दवा, बल्दवा परिसर गणेश मन्दिर के सामने मोती डूंगरी, जयपुर को सूचित करें। मो. 8766662351

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य/कार्यो हेतु कार्यपालक इंजीनियर (कारखाना) लोको – अजमेर के कार्यालय से ई-निविदा आमंत्रित की जा रही है। **निविदा सं.:** 05-वर्कशॉप-अजमेर-2025-26, **कार्य का नाम:** अजमेर-रिनोवेशन एण्ड आगमेन्टेशन ऑफ एगजिस्टिंग मेन्टेनेन्स फेसिलीटीज व्हीलशॉप, बोगी शॉप, सपोर्ट शापस एण्ड ऑफिसेज टू केटर टू एनएमजीएचएस कन्वरजन वर्क एट कैरिज वर्कशॉप, अजमेर, **अनुमानित लागत:** रु.30520805.13, **धरोहर राशि/बिड सिक्यूरिटी:** रु.302600/-, **निविदा की अंतिम तिथि:** 15.07.2025 को 15.00 बजे तक। उपरोक्त ई-निविदा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी रेलवे की वैबसाइट www.ireps.gov.in पर तथा इस कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध है। **721-PS/25**

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य/कार्यो हेतु कार्यपालक इंजीनियर (कारखाना) लोको अजमेर के कार्यालय से ई-निविदा आमंत्रित की जा रही हैं। **1. निविदा सं.:** 04- वर्कशाप-अजमेर-2025-26, **कार्य का नाम:** इम्प्रुवमेन्ट' इन वेगन मेंटेनेन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर एट अजमेर डीजल लोको एण्ड वेगन वर्कशाप एण्ड अपग्रेडेशन आफ मेंटेनेन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर फेसिलिटीज आफ वेगन रिपेयर शॉप एट लोको वर्कशाप अजमेर, **अनुमानित लागत:** रु. 68058063.39, **धरोहर राशि/बिड सिक्यूरिटी:** रु.490300.00, **निविदा की अंतिम तिथि:** 16.07.2025 को 15.00 बजे तक। उपरोक्त ई-निविदा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर तथा इस कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध हैं। **723-PS/25**

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/379

चूंकि प्रार्थी श्री JAYESH BHATT, 62 FLAT NO A-F 2, SHRI KRISHNA NAGAR, MANSAROVAR JAIPUR RAJASTHAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास ब्रेन स्कूल फाउंडेशन, FLAT NO A-F 2 PLOT NO 62 SHRI KRISHNA NAGAR, MANSAROVAR, JAIPUR, RAJASTHAN के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 19-06-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 22/08/2025

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कोर्ट सम्मन

न्यायालय श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय, खेतड़ी, राज.।

रामकुमार आदि बनाम बलबीर सिंह आदि

मु. नं.

आवेदन पत्र धारा 251 (क) राज. काश्तकारी अधिनियम बाबत प्राप्त करने रास्ता ।

प्रेषित:-

1. सुनिता पुत्री महावीर पत्नी महेश कुमार जाति अहीर निवासी शिमला हाल आबाद दुलोठ तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ हरियाणा
2. कुसुम पुत्री महावीर पत्नी राजेश जाति अहीर निवासी शिमला हाल खेड़ी तहसील झझर हरियाणा
3. नीतू पुत्री कृष्ण कुमार पत्नी कर्मवीर
4. पिंकी पुत्री कृष्ण पत्नी सुनील कुमार जाति अहीर निवासी शिमला हाल आबाद मुड़लाना तहसील नारनौल जिला महेन्द्रगढ़ हरियाणा
5. हरीश पुत्र कृष्ण अहीर निवासी शिमला तहसील खेतड़ी जिला झुंझुनूं राज.
6. उषा पुत्री माता मुन्नी पत्नी कृष्ण कुमार अहीर निवासी हाजीपुर कुण्ड तहसील व जिला रेवाड़ी हरियाणा
7. रायसिंह पुत्र रामसिंह
8. बबलू पुत्र शेर सिंह
9. संजय पुत्र सुमेर सिंह
10. रोहताश पुत्र कासीराम
11. कृष्ण पुत्र वासूदेव
12. सन्तोष देवी पत्नी वासुदेव

समस्त जाति अहीर निवासी शिमला तहसील खेतड़ी जिला झुंझुनूं राज.

आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में आवेदकगण ने धारा 251 (क) राज. का. अधिनियम के तहत रास्ता मांगा है जिसकी नकल संलग्न है। इस न्यायालय द्वारा दर्ज रजिस्टर कर लिया गया है। और इस आवेदनपत्र की सुनवाई दिनांक 14.07.2025 नियत की गई है। जिसका समय 10.00 बजे है। यदि इस आवेदन पत्र में आपकी ओर से आप स्वयं या आपका प्लीडर या आपके कार्य करने के लिए विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा तो आपकी अनुपस्थिति में सुनी व विनिश्चित की जायेगी।

यह आज तारीख 22/05/25 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी की गई है।

रीडर न्यायालय उपखण्ड अधिकारी खेतड़ी

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

सार्वजनिक सूचना

क्रमांक : पट्टा शा०/न.नि.भ./2025-26/5059-5060 दिनांक : 19.06.2025

नगर निगम द्वारा स्टेट ग्रान्ट एक्ट का पट्टा 128 दिनांक 01.10.2021 श्री रशीद खां पुत्र भगवत, निवासी मौहल्ला गोपालगढ, भरतपुर के नाम जारी किया गया है। श्री रशीद खां द्वारा अपने जीवनकाल में जरिये वसीयत दिनांक 21.12.2020 से उक्त भूखण्ड क्षेत्रफल 198.76 वर्गगज में से 20×20 क्षेत्रफल 44.44 वर्गगज को श्री ताज मौहम्मद पुत्र स्व. बसीर खां को वसीयत अनुसार पूर्व में ही दे दिया गया था तथा शेष क्षेत्रफल 152.24 वर्गगज श्री रफीक मौहम्मद पुत्र स्व. रशीद खां को कर दिया गया है। अब आवेदक श्री रफीक मौहम्मद व श्री ताज मौहम्मद उक्त भूखण्ड में से अपने-अपने हिस्से का उप विभाजन व नामान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में अपनी लिखित आपत्ति साक्ष्य सहित इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा आवेदक के पक्ष में उप-विभाजन कर नाम हस्तान्तरण आवेदकान् के पक्ष में किये जाने की अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

प्रभारी अधिकारी
नगर निगम, भरतपुर

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, (फ.स.), चौमूँ (जयपुर)

क्रमांकः- 149-160 दिनांकः-19-6-25

निविदा सुचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस मंडी समिति में निम्नलिखित व्यवस्थायें / कार्य करवाने हेतु ठेके देने के लिये इच्छुक निविदादाता / बोलीदाता फर्मो /व्यक्तियों से निविदायें/ बोली आवेदन आमंत्रित किये जाते हैः-

क्र. सं.	कार्य / व्यवस्था का नाम	ठेके की अवधि	ठेके हेतु प्रक्रिया	निलामी बोली दिनांक एवं निविदा खोलने की दिनांक
1	जल एवम् प्रकाश व्यवस्था के संचालन हेतु	एक वर्ष	निविदा	26.06.2025

जल एवं प्रकाश व्यवस्था हेतु प्राप्त निविदाओं को उसी दिन दोपहर 12.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं (यदि कोई उपस्थित हों) के समक्ष खोला जायेगा। निविदा / नीलामी से सम्बंधित अन्य विस्तृत विवरण, शर्तें व जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट www.mandi.agriculture.rajasthan.gov.in पर तथा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में कार्यालय में उपस्थित होकर अवलोकन की जा सकती है।

DAM2526A0218

सचिव, कृषि उपज मंडी समिति (फ.स.), चौमूं जयपुर

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान)

क्रमांक :- 5820-31 दिनांक :-20/6/2025

निलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जिला पुलिस सवाई माधोपुर में विविध/ जनरल स्टोर, पुलिस लाईन, स0मा0 में उपलब्ध नकारा / नष्टीकरण योग्य सरकारी सामान जिसकी लागत 7,12,373/- रूपये (अक्षरे सात लाख बारह हजार तीन सौ तिहतर रूपये मात्र) की निलामी की जानी है। उक्त निलामी की खुली बोली दिनांक 07.07.2025 को प्रातः 12 बजे पुलिस लाईन, सवाई माधोपुर में गठित कमेठी द्वारा सार्वजनिक निलामी की जावेगी। अतः ईच्छुक खरीददार / बोलीदाता को जरिये विज्ञिप्त सूचित किया जाता है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर बोली लगा सकते है। नीलामी की शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

पुलिस अधीक्षक
जिला सवाई माधोपुर

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, (अनाज), चौमूँ (जयपुर)

क्रमांक 316-26 दिनांकः 19.06.2025

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस मंडी समिति में निम्नलिखित व्यवस्थायें / कार्य करवाने हेतु ठेके देने के लिये इच्छुक निविदादाता फर्मों / व्यक्तियों से दिनांक 27.06.2025 को प्रातः 11.30 बजे तक निर्धारित निविदा प्रपत्र में बन्द लिफाफे में निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं.	कार्य/व्यवस्था का नाम	ठेके की अवधि	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू.में)
1	किसान कलेवा योजना के संचालन हेतु	एक वर्ष	6.00
2	जल एवम् प्रकाश व्यवस्था के संचालन हेतु	एक वर्ष	2.00

प्राप्त निविदाओं को उसी दिन दोपहर 12.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं (यदि कोई उपस्थित हों) के समक्ष खोला जायेगा। निविदा से सम्बंधित अन्य विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट व www.mandi.agriculture.rajasthan.gov.in पर तथा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में कार्यालय में उपस्थित होकर अवलोकन की जा सकती है।

DAM2S26A0214

सचिव प्रशासक

न्यायालय तहसीलदार (भू.अ.) दूदू जिला जयपुर

क्रमांक/भू.अ./2025/1778-79 दिनांक-20/6/25

आम सूचना

जरिये प्रार्थना पत्र प्रार्थी कार्तिकेय सिंह पुत्र नरेन्द्र सिंह जाति राजपुत निवासी हरसौली तहसील दूदू द्वारा मृतक खातेदार किशन सिंह पुत्र दान सिंह जाति राजपुत सा0 कैरिया बुजुर्ग खातेदार के नाम दर्ज खाता स0 40 कुल किता 04 रकबा 19.05 हैक्ट में हिस्सा सम्पूर्ण वाके ग्राम धांधोली की विरासत का नामान्तरण मृतक खातेदार के बजाय कार्तिकेय सिंह पुत्र नरेन्द्र सिंह के पक्ष में विरासत का नामान्तरण खोलने की कार्यवाही उपपंजीयक जयपुर पंचम द्वारा पंजीबद्ध वसीयत दिनांक 25.05.2023 के आधार पर कार्यालय हाजा में प्रकरण संख्या 01/2024 अन्तर्गत धारा 135(2) राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम-1956 विचाराधीन है।

मृतक खातेदार किशन सिंह पुत्र दान सिंह जाति राजपुत सा0 हरसौली बुजुर्ग खातेदार तह0 दूदू की दिनांक 11.12.2023 को ही मृत्यु हो चुकी है। विधिक वारिसान व वसीयत के गवाहान् द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्रो के आधार पर मृतक खातेदार के बजाय कार्तिकेय सिंह पुत्र नरेन्द्र सिंह जाति राजपुत निवासी हरसौली तहसील दूदू के पक्ष में विरासत का नामान्तरण खोले जाने पर किसी व्यक्ति को कोई आपति/दावा/हक अथवा अन्य कोई वसीयत हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में स्वयं अथवा प्लीडर के माध्यम से अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करे। कोई दावा/आपति प्राप्त नहीं होने पर प्रकरण का निस्तारण नियमानुसार कर दिया जायेगा। सूचित रहे।

तहसीलदार (भू.अ.) दूदू जयपुर

कार्यालय सचिव राज. मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी, प्रा० स्वा० केन्द्र हिंगवाहेड़ा(तिजारा) खैरथल-तिजारा

क्रमांक :2025/82 दिनांक-18/6/2025

खुली निविदा सूचना

सचिव राजस्थान मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी प्राथ०स्वा०केन्द्र हिंगवाहेड़ा(तिजारा) खैरथल- तिजारा द्वारा निम्न सेवायें उपलब्ध कराने हेतु अधिकृत संस्था से निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाखों में)	अमानत राशि रू	निविदा शुल्क रूपये	बोली प्रपत्र प्राप्ती की अंतिम तिथि व समय	बोली प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि व समय	बोली प्रपत्र खोलने की तिथि व समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	कम्प्यूटर ऑपरेटर मैन विद मशीन(संविदा)	150000.00/-	3000.00/-		28.06.2025 12.00 PM	28.06.2025 1.00 PM	28.06.2025 2.00 PM
2	लेब टेक्निशियन	150000.00/-	3000.00/-		28.06.2025 12.00 PM	28.06.2025 1.00 PM	28.06.2025 2.00 PM
3	साफ सफाई कार्य सामग्री सहित	140000.00/-	2800.00/-	100.00/-	28.06.2025 12.00 PM	28.06.2025 1.00 PM	28.06.2025 2.00 PM

नियम एवं शर्ते-

1. निविदाएँ दोहरी बिड प्रणाली अनुसार प्रस्तुत करनी होगी। पहला लिफाफा (क) तकनीकी बिड का होगा जिसमें अमानत राशि का डीडी/बैंकर्स चैक, समस्त वांछित डॉक्युमेंट की प्रमाणित छाया प्रति मय निविदा फार्म लगाया जायेगा। डीडी/बैकर्स चैक राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसाइटी, राबड़का के नाम से व तिजारा शाखा पर देय होगा। दूसरा लिफाफा (ख) वित्तीय बिड का होगा जिसमें सिर्फ प्रस्तावित दरें ही दी जावेगी। तकनीकी बिड में सफल निविदादाताओं की ही वित्तीय बिड खोली जावेगी।
2. प्राप्त निविदाएँ दिनांक 28.06.2025 को दोपहर 1.00 तक जमा की जायेगी तथा 28.06.2025 को दोपहर 2.00 निविदा समिति के सदस्यों द्वारा उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी।
3. तकनीकी विवरण एवं निविदा की शर्ते निविदा प्रपत्र के साथ उपलब्ध है। जो कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क जमा करा प्राप्त की जा सकती है।
4. अधिक जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर उपलब्ध है।
5. निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने के सम्बन्ध में समस्त अधिकार कमेटी के पास रहेगा।

सचिव राज मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी
प्राथ0 स्वा0 केन्द्र राबड़का, तिजारा

संक्षिप्त

6 वीं राज्य स्तरीय किकबॉक्सिंग शुरू

श्रीमाधोपुर । तीन दिवसीय छठवीं राज्य स्तरीय किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता जयपुर मैं शुरू हुई । जिसमें शुक्रवार को सुबह ही श्रीमाधोपुर के खिलाड़ी हुए रवाना हुए । आर आर फाइटिंग के निर्देशक रवि प्रजापत ने बताया किजयपुर के मानसरोवर में 20 से 22 जून को राज्य स्तरीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में अलग अलग भार में श्रीमाधोपुर के 10 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जिनमें लक्ष्य प्रजापत, प्रांजल प्रजापत ,रुद्राश शर्मा, पलक कुमावत,हिमांशु सेनी,पंकज सैनी,मयंक सेनी,भूपेश सेनी,विशाल सोनी आदि हैं ।

छात्राओं से नोडल अधिकारी ने किया विशेष संवाद

वजीरपुर। राजकीय कन्या महाविद्यालय वजीरपुर की सेमेस्टर द्वितीय एवं चतुर्थ की छात्राओं से 19 एवं 20 जून को नोडल अधिकारी प्रो.रमेश बैरवा ने विशेष संवाद किया। छात्राओं को नियमित क्लास लेने तथा निर्भीक और तार्किक बनने के लिए प्रेरित किया। साथ ही आगामी दिनों में महाविद्यालय के 21 जून के योग दिवस,वृक्षारोपण, अंतिम वर्ष की छात्राओं की विदाई जैसे कार्यक्रमों में सक्रिय रहकर इन्हें सफल बनाने का आव्हान किया।

संजू बलाई को पीएचडी की उपाधि

सांभरझील। राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के हिंदी विभाग की और से गांव ढींढा निवासी संजू बलाई को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है, इनको यह उपाधि ''संत नवलराम कृत सर्वंगसार एक अनुशीलन'' विषय पर शोध के लिए दी गई है । इन्होंने शाहपुरा चिमनपुरा के डॉक्टर बाबूलाल महावर के निर्देशन में अपना शोध कार्य पूर्ण किया है इससे पूर्व इन्होंने बीए, बीएड, एम. ए, एम.एड. व एम. फिल की उपाधि प्राप्त की तथा नेट जेआरएफ क्वालीफाई कर चुकी है। पीएचडी की उपाधि मिलने पर ग्राम वासियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

अरदास कीर्तन का आयोजन आज

निवाई। इंद्रिरा कॉलोनी में स्थित श्याम मन्दिर में श्री श्याम अरदास कीर्तन मण्डल के तत्वावधान में कृष्ण पक्ष की एकादशी को अरदास कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। गायक राजू खण्डेलवाल ने बताया कि अरदास कीर्तन के एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रथम वार्षिकोत्सव शनिवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। वार्षिकोत्सव को लेकर बाबा श्याम का पन्चामृत से अभिषेक किया जाएगा एवं कलकता के फूलों से भव्य श्रंगार कर छप्पन भोग की झांकी सजाई जाएगी। रात्रि में गायक कलाकारों द्वारा आयोजित भजन संध्या में श्याम बाबा का गुणगान किया जाएगा। भजन संध्या के बाद माहाआरती कर श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से 40 वर्षीय मजदूर की मौत

निवाई। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर स्थित गुंसी पुलिया के पास गुरुवार की देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से 40 वर्षीय एक मजदूर की मौत हो गई। घटना की सूचना पर सदर थानाधिकारी हीरालाल वर्मा मय जाब्ते मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। सदर थानाधिकारी हीरालाल वर्मा ने बताया कि गुरुवार की रात को गांव लुहारा बांध पर मजदूरी का कार्य करने वाले मजदूर मनोज पुत्र दीपचंद राजपूत थाना डबलाना जिला बूंदी के अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार की सुबह पंचनामा तैयार करके पोस्टमार्टम करवाकर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। सदर थाना के पुलिसकर्मी मदनलाल जाट ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस कमेटी की बैठक आज

निवाई । टोंक जयपुर रोड पर स्थित पटेल फार्म हाउस पर शनिवार को दोपहर 1 बजे पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा की अध्यक्षता में ब्लॉक एवं शहर कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित होगी। कांग्रेस नेता तनवीर कुरेशी ने बताया कि बैठक में पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा कार्यकर्ताओं से आगामी पंचायत राज एवं निकाय के चुनाव को लेकर कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

कलेक्टर ने वंदे गंगा जल अभियान में योगदान करने वालों को सम्मानित किया

- खैरथल में जिला सचिवालय पर अभियान में विशेष सहयोग देने वालों का जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित हुआ

खैरथल। जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता और सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले भर में चलाए जा रहे वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का जिला स्तरीय सम्मान समारोह शुक्रवार को खैरथल जिला सचिवालय सभागार में आयोजित किया गया। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने जल संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान देने वाली संस्थाओं, शिक्षकों, ग्रामवासियों और स्वयंसेवियों को तुलसी का पौधा एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

कलेक्टर किशोर कुमार ने जल संरक्षण में योगदान देने वाले शिक्षकों को तुलसी का पौधा एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने कहा कि जल संकट आने वाले समय की सबसे बड़ी चुनौती है। एडीएम शिवपाल जाट ने कहा पानी बचाना केवल किसी एक कि जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। जल स्त्रोतों की स्वच्छता, वर्षा जल संग्रहण और जल दोहन की नियंत्रित समय की महत्वपूर्ण मांग है।

कार्यक्रम में सम्मानित होने वाले दुर्लभनाथ आश्रम, कतोपुर (कोटकासिम) के महाराज देव सिंह को जल संरक्षण कार्यक्रमों के आयोजन में विशेष सहयोग, आश्रम परिसर में लगभग 2000 पौधों के संरक्षण, जोहड़ पुनर्जीवन कार्य, तथा ऑपरेशन सिंदूर अभियान के अंतर्गत 2 लाख के दान हेतु सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार बीएमए भिवाड़ी एवं केईआई इंडस्ट्रीज ने 21-21 लाख रुपये, कैप्स्टन ने 11 लाख रुपये, कजरिया ने 7.30 लाख, तथा प्रदीप दायमा, अध्यक्ष, खुशखेड़ा-करौली इंडस्ट्रियल संगठन ने 21,000 का योगदान जल एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रदान किए जाने पर सम्मान किया गया। महेश चंचलानी को वंदे गंगा अभियान एवं हर आंगन एक परिंडा के अंतर्गत 1000 परिंडे वितरित किए जाने व सुरेंद्र सेन (निवासी पेहल, मुंडावर) को अभियान के दौरान 500 पौधारोपण हेतु गड्ढों की खुदाई की और अपने जीवन में अब तक लगभग एक लाख पौधे लगाकर अनुकरणीय कार्य किए जाने पर सम्मानित किया है।

इसके अलावा शिवलाल स्वामी (जिंदोली) को निस्वार्थ जल सेवा हेतु प्याऊ लगाने के लिए, तथा युवा टीम चाचाका को 1 किलोमीटर पाइपलाइन दबाकर जंगली पशुओं को प्रतिदिन जल उपलब्ध कराने हेतु सम्मानित किया गया। राजबाला यादव शिक्षिका, को एनएसएस और स्काउट-गाइड छात्रों के माध्यम से आईईसी गतिविधियाँ व वृक्षारोपण कराकर महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। देवेंद्र कुमार (ग्राम पंचायत रसगण) ने 40 किसानों को फार्म पॉन्ड निर्माण के लिए प्रेरित कर जल संरक्षण की दिशा में जागरूकता फैलाई।

सम्बल पखवाड़े का आयोजन 24 से 09 जुलाई तक

कोटपूतली। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग एवं पंक्ति में खड़े अन्तिम व्यक्ति तक पहुॅचाने के उद्धेश्य से मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशानुसार आगामी 24 जून से 09 जुलाई तक प्रदेश भर में पं.दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़े का आयोजन किया जायेगा। प्रत्येक ग्राम पंचायत व वार्ड स्तर पर आयोजित होने वाले शिविर में अनेक विभागों से जुड़े कार्य किये जायेगें। एसडीएम बृजेश कुमार ने जानकारी देते हुये बताया कि षिविर में राजस्व, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, उर्जा, पीएचईडी, जल संसाधन, कृषि, स्वास्थ्य, पशुपालन, शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वायत्त शासन व सामाजिक न्याय समेत राजस्व विभाग की दस गतिविधियां तथा अन्य 15 राजकीय विभागों को शामिल किया गया है। शिविर का समय प्रात: 09.30 से सायं 05.30 बजे तक रहेगा।

कलेक्टर ने अजनोटी ग्राम में रात्रि चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी

बौंली -बामनवास। सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर ने शुक्रवार देर रात्रि तक अजनोटी ग्राम में रात्रि चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी एवं मौके पर ही उपस्थित संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत अजनोटी के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणो को राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए सभी को इनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किय।

उन्होंने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ पेयजल, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, बेहतर शिक्षा और समुचित रोजगार के अवसर। जिला कलेक्टर को रात्रि चौपाल के दौरान नामांकन खुलवाने, खाद्य सुरक्षा का लाभ दिलाने, आम रास्तों, से अतिक्रमण हटाने, जल निकासी सुनिश्चित कराने बिजली के तार ठीक कराने, नया कनेक्शन जारी कराने सहित अन्य परिवाद प्राप्त हुए, जिन पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किया । उन्होंने मुख्य मार्ग पर बार-बार अतिक्रमण की शिकायत पर तहसीलदार नीरू सिंह को अतिकृमियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए, गांव में मुख्य मार्ग पर जल भराव की समस्या के निराकरण के लिए मौका निरीक्षण कर जल निकासी की कार्य योजना बनाकर पालना रिपोर्ट मुख्य कार्यकारी अधिकारी को प्रस्तुत करने के निर्देश ग्राम विकास अधिकारी को दिए।

जिला कलेक्टर ने रात्रि चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर मौके पर ही अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए।

रात्रि चौपाल के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया, अतिरिक्त जिला कलेक्टर संजय शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार कस्वा, उपखंड अधिकारी अनूप सिंह, विकास अधिकारी जगदीश मीणा, अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग बी एल मीणा, सीएमएचओ डॉक्टर अनिल कुमार जैमिनी सहित जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

श्मशान भूमि से अतिक्रमण हटाकर ग्रामीणों को मिला रास्ता

- जल्द बनेगी चारदीवारी और सीसी सड़क

नारायणपुर । ग्राम पंचायत चांदपुरी की जोगियों की ढाणी में शुक्रवार को सरपंच के नेतृत्व में श्मशान भूमि से अतिक्रमण हटाकर वहां की जमीन को सुरक्षित किया गया। इससे पहले कानूनगो अनुराग शर्मा एवं पटवारी योगेश सैनी द्वारा श्मशान भूमि की 7 एयर जमीन की पैमाइश की गई। पैमाइश के बाद ग्राम पंचायत की ओर से अस्थायी अतिक्रमण को हटाने के लिए जेसीबी मशीन की सहायता से कार्यवाही की गई, जिसमें अतिक्रमित भूमि को खाली करवाकर खाई खोदी गई।

चांदपुरी की जोगियों की ढाणी में सरपंच के नेतृत्व में श्मशान भूमि से अतिक्रमण हटाया।

इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि श्मशान भूमि तक पहुंचने का कोई समुचित रास्ता नहीं था, जिससे अंतिम संस्कार में परेशानी होती थी। इस समस्या के समाधान के लिए सरपंच द्वारा सकारात्मक पहल करते हुए काश्तकार पूरण, रामजीलाल, रुडमल, गणपतनाथ और उमरावनाथ को समझाइश की गई। उनकी सहमति से दोनों ओर से छह-छह फीट जमीन लेकर श्मशान तक जाने के लिए 12 फीट चौड़ा रास्ता बनाया गया।

ग्रामीणों ने रास्ता उपलब्ध कराने वाले काश्तकारों के प्रति आभार जताया। सरपंच ने बताया कि अब ग्राम पंचायत की ओर से श्मशान भूमि की चारदीवारी का निर्माण कराया जाएगा, साथ ही श्मशान स्थल तक पहुंचने के लिए सीसी सड़क भी बनाई जाएगी ताकि भविष्य में किसी को कोई परेशानी न हो। उधर, ग्राम पंचायत अजबपुरा में गैर मुमकिन जोहड़ पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही भी तय थी, जिसके लिए तहसीलदार अनिल कुमार मौके पर पहुंचे, लेकिन पुलिस जाप्ता नहीं पहुंच पाने के कारण कार्रवाई संभव नहीं हो सकी और अधिकारियों को बैरंग लौटना पड़ा। कार्यक्रम के दौरान सरपंच पति हरद्वारी लाल शर्मा, जगदीश यादव, मातादीन शर्मा, फूलचंद बाड़ीवाल, सुरेश, मोहन लाल, लालाराम जाट, राजेश कुमार, कमलेश योगी, मनोहर लाल, महेन्द्र, उमराव, हनुमान योगी, बाबूलाल, कैलाश चन्द, पुष्कर, मामराज, कुलदीप सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

'विद्यालयों के आसपास पौधारोपण करवाकर वातावरण को हरा-भरा बनाए'

- शिक्षक स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के साथ ड्रॉपआउट विद्यार्थियों की पहचान कर पुनः स्कूलों से जोड़े।
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला, ब्लॉक तथा विद्यालय स्तर पर अधिकतम संख्या में छात्रों और शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

खैरथल। मानसून को देखते हुए जिले में हरियालो राजस्थान अभियान के तहत जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने शिक्षा विभाग को विद्यालयों के आसपास पौधा रोपण का लक्ष्य निर्धारित करते हए 21 जून को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला, ब्लॉक तथा विद्यालय स्तर पर अधिकतम संख्या में छात्रों और शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

खैरथल जिला सचिवालय शुक्रवार को कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई शिक्षा विभाग की बैठक में कलेक्टर ने शिक्षा विभाग की ओर संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए आगामी मानसून सत्र को ध्यान में रखते हुए 'हरियालु राजस्थान' अभियान के तहत प्रत्येक ब्लॉक को लक्ष्य निर्धारित कर विद्यालय परिसरों एवं आस-पास पौधारोपण कराने के निर्देश दिए।

इसके साथ उन्होंने शिक्षा अधिकारियों को स्कूलों में नामांकन बढ़ाने व ड्रॉपआउट विद्यार्थियों की पहचान कर पुनः उन्हें विद्यालय में जोड़ने लिए ठोस कार्य योजना तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। इस दौरान बैठक में खैरथल अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, अतिरिक्त जिला कलेक्टर भिवाड़ी सुमित्रा मिश्र, जिला व ब्लॉक शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

योग शिविर में शामिल होने की अपील, योग दिवस के पोस्टर का विमोचन

- योग कार्यक्रम में सभी विभागों की समन्वित भागीदारी हो तथा प्रत्येक विभाग अपनी विभागीय गतिविधियों का समयबद्ध करें- कपिल कुमार उपाध्याय

पावटा। 21 जून को मनाया जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पोस्टर का विमोचन शुक्रवार को उपखंड कार्यालय पावटा में उपखंड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय द्वारा किया गया। इस दौरान उपखंड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय ने बताया कि 21 जून रविवार को सुबह 6 बजे से 8 बजे तक प्रोटोकॉल के अनुसार बाबा भूतनाथ मंदिर जोहड़ा धाम पावटा प्रांगण में किया जाएगा। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय ने आमजनों से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को ज्यादा से ज्यादा संख्या में योग शिविर में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि योग हमारे शरीर के लिए अति आवश्यक है।

उपखंड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पोस्टर का विमोचन किया।

योग कार्यक्रम में सभी विभागों की समन्वित भागीदारी हो तथा प्रत्येक विभाग अपनी विभागीय गतिविधियों का समयबद्ध करें। इस अवसर पर योग प्रोटोकॉल पोस्टर का विमोचन कर सभी को योग दिवस के दिन योगाभ्यास करने की बात कही। इस अवसर पर नोडल प्रभारी योग दिवस चंद्रहास शर्मा, सहायक नोडल अधिकारी डॉ. नाहर मल यादव, कंपाउंडर अशोक कुमार देवेंदा, अभिभाषक संघ पावटा अध्यक्ष एड. ओमप्रकाश सैनी समेत उपाध्यक्ष एड.अनिल सिंह शेखावत, सचिव एड. सुरेंद्र सिंह शेखावत, संयुक्त सचिव एड. मुकेश कुमार यादव, मीडिया प्रभारी एड.हेमंत कुमार मौर्य, कोषाध्यक्ष एड. मुकेश यादव, पुस्तकालयाध्यक्ष एड. कुलदीप पटेल, संगठन मंत्री जय किशन सोनी, दिलीप सिंह शेखावत, विष्णु कुमार शर्मा, नरेश कुमार यादव, लोकेश कुमार शर्मा, मुकेश कुमार स्वामी, अशोक सिंह गुर्जर, हजारी लाल यादव, घनश्याम शर्मा, सीताराम सैनी, गौरव शर्मा, कमलकांत शर्मा, महेश शर्मा, दिनेश दायमा, मेहर सिंह जाट, धर्मपाल यादव, सुरेश कुमार धानका, हरि सिंह यादव, किशोरी लाल यादव, बुद्धाराम यादव, रिंकू गुर्जर, स्टांप वेंडर श्यामसुंदर शर्मा, महेंद्र यादव, गुल्लाराम यादव, विसंबर सैनी, उमेश चौधरी, सुभाष यादव, सुल्तान यादव, महेंद्र सिंघल, सुरेश गुर्जर, सुनील अग्रवाल, सूर्यकांत सैनी, टीटू अग्रवाल, रामसिंह सैनी आदि अधिवक्तागण मौजूद रहे।

नालों की सफाई नहीं होने से सड़कों पर भरा पानी

नारायणपुर । मानसून की पहली बारिश ने नगर पालिका की व्यवस्थाओं की कलई खोल दी। शुक्रवार को हुई बारिश के बाद कस्बे के पुरुषोत्तम मार्केट में सड़क किनारे बने नालों से पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर जमा हो गया, जिससे राहगीरों और स्थानीय दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के बाद पानी निकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क पर जगह-जगह पानी भर गया। इससे न सिर्फ आमजन को आने-जाने में कठिनाई हुई, बल्कि दुकानों के सामने जलभराव के कारण व्यापार भी प्रभावित हुआ। दुकानदार मनोहर लाल ने बताया कि पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बनाए गए नालों में कई दुकानदार नियमित रूप से कचरा डालते हैं, जिससे नाले जाम हो जाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि नाले बनने के बाद से अब तक नगरपालिका ने एक बार भी उनकी सफाई नहीं करवाई है। स्थानीय निवासी और व्यापारियों ने आरोप लगाया कि मानसून से पहले नगर पालिका द्वारा किसी प्रकार की तैयारी नहीं की गई।

सार-समाचार

कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

निवाई। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में भाजपा शहर अध्यक्ष व पार्षद नितिन छाबडा एवं नगरपालिका उपाध्यक्ष जितेन्द्र चंवरिया का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण करने, रोगियों को फल वितरण करने सहित कई प्रकार के आयोजन करके खुशी का इजहार किया। इस दौरान विधायक रामसहाय वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी, प्रधान रामअवतार लांगडी, नटवाडा मंडल अध्यक्ष बद्री विजय, अरनिया मंडल अध्यक्ष शिवराज गुर्जर, डांगरथल मंडल अध्यक्ष केदार चौधरी सुनारा, हनुमान गुर्जर रजवास, बुधराम मीणा, अंकित वर्मा, आशु गौड, जयनारायण कुमावत, डीआर ममता जाट, पूर्व प्रधान ममता चौधरी, शंकरलाल पडियार, जीतू विजय, जितेन्द्र धारवाल, श्योलाल मीणा, शंकरलाल सैनी, मंगलराम मीणा व रामविलास बलाई सहित कई जनप्रतिनिधियों व पार्षदों ने माला व साफा पहनाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

श्री गौड़ विप्र परिषद की आमसभा कल

श्रीमाधोपुर। श्री गॉड विप्र परिषद समिति की आमसभा 22 जून रविवार को सांय पांच बजे श्री गौड विप्र परिषद समिति श्रीमाधोपुर की आम सभा परशुराम सभागार में आयोजित की जा रही है। बताया गया है कि आम सभा में नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शुरू की जायेगी। इस हेतु समाज के सभी पूर्व अध्यक्ष व मंत्रियों को सादर आमंत्रित किया गया है जिनके मार्गदर्शन में ये कार्यक्रम सम्पन्न हो सके। समाज के सभी वर्गों से आम सभा में पधारने की अपील की गई है। इस अवसर पर वर्तमान कार्यकारिणी के कार्यकाल की समीक्षा भी की जायेगी।श्री गौड विप्र परिषद् समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार शर्मा एडवोकेट एवं मंत्री डा चंद्र प्रकाश व्यास ने सभी योग्य उर्जावान महानुभावों से आव्हान किया है कि वे आगे आकर समाज की बागडोर संभालें। सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने भी समाज के हित में अधिक से अधिक संख्या में नये सदस्य बनने और चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है। रविवार 22 जून से नये सदस्य बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी जो 15 जुलाई तक चलेगी। आजीवन सदस्यों के अलावा सभी की सदस्यता का नवीनीकरण किया जायेगा।केवल सदस्य ही चुनाव प्रक्रिया में शामिल होंगे। मार्गदर्शन मंडल से प्रार्थना है कि वे 22 जून को पांच बजे पधारकर मार्गदर्शन करें।

योग शिविर आज

श्रीमाधोपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आज शनिवार को सभी नागरिक संगठनों ने प्रात: 6 बजे पीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल श्रीमाधोपुर में पहुंच कर कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। योग नोडल प्रभारी डा संदीप भारद्वाज ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष हरिनारायण महंत, अग्रवाल समाज के सचिव हरिप्रसाद गोकुलका, औषधालय समिति के सचिव बाबूलाल चौधरी, गोड विप्र परिषद् समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार शर्मा एडवोकेट, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर संघचालक जटाशंकर व्यास, विश्वहिंदू परिषद के मुकेश शर्मा आयुष चिकित्सालय के प्रभारी डा सत्यनारायण राव, गोपीनाथ मंदिर महंत डा मनोहर पारीक, गायत्री परिवार के विनोद शर्मा, सैनीसमाज के विनेश सैनी , सामाजिक कार्यकर्ता सीताराम सैनी, दिलीप राष्ट्रवादी, योगप्रेमी सुरेश कुड़ी ने सभी नगरवासियों से योग दिवस पर पधारकर योग का लाभ लेने की अपील की है। इस अवसर पर उपखण्ड प्रशासन एवं नगरपालिका द्वारा सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

विनोद करेल बने समिति के अध्यक्ष

निवाई। अखिल भारतीय श्री नारायणी धाम प्रबंध एवं विकास महासभा समिति के चुनाव में विनोद करेल ने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार अशोककुमार सरना को 22 वोटों से हराकर विजेता रहे। सह चुनाव अधिकारी प्रेमप्रकाश नटवाडा ने बताया कि कुल मतदाता 19 हजार 712 थे। जिनमें से 44.79 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान नव निर्वाचित पदाधिकारी को पद एवं गोपनीयता की शपथ मुख्य चुनाव अधिकारी खेमचंद सेन ने दिलाई। उन्होंने बताया कि चुनाव को लेकर अध्यक्ष पद पर अशोक सेन सरना को 4 हजार 158, लक्ष्मी देवी को 103, मुकेश कुमार को 37 एवं विनोद कुमार नापित को 4180 मत मिले। विनोद कुमार नापित ने अपने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार अशोक कुमार सरना को 22 मतों से हराया। सचिव पद के लिए हरिराम सेन कोट को 3 हजार 823, मुकेश कुमार को 3 हजार 369, पूनम सेन को 285, राजेन्द्र कुमार को 525 एवं सुरेन्द्र कुमार को 221 मत मिले। इस दौरान हरिराम ने अपने प्रतिद्वंद्वी मुकेश कुमार को 454 मतों से हराया। कोषाध्यक्ष पद के लिए भगवती प्रसाद को 523, दुर्गालाल सैन को 3 हजार 868, कैलाश प्रसाद सैन को 3 हजार 684 एवं पूरणमल सैन को 192 वोट मिले। जिस पर दुर्गालाल ने अपने प्रतिद्वंदी उम्मीदवार कैलाशप्रसाद सैन को 184 वोटों से हराकर विजेता रहे। इस दौरान नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को समाज के लोगों द्वारा माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया।

ब्लॉक स्तरीय योग दिवस आज

निवाई। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को अन्तिम रूप दिया गया है। ब्लॉक नोडल अधिकारी डॉ. महेंद्रकुमार गुप्ता व सहायक नोडल अधिकारी डॉ. देवेंद्रकुमार शर्मा ने बताया कि उपखंड अधिकारी अनीता खटीक के निर्देशन में ब्लॉक स्तरीय अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर कृषि उपज मंडी प्रांगण में शनिवार को सुबह 6:30 से 7:45 बजे तक योग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योग दिवस की तैयारियों को लेकर पेयजल, पार्किंग, मेट, माईक एवं मंच सहित सभी प्रकार की व्यवस्थाएं की गई है। शिविर में ब्लॉक स्तरीय सभी विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, चिकित्सक, शिक्षक- शिक्षिकाएं सहित आमजन भाग लेंगे। इसी प्रकार ग्राम पंचायत खणदेवत में सरपंच सीमा बैरवा के नेतृत्व में योग दिवस मनाया जाएगा। जिसकी तैयारियों को अन्तिमरूप दे दिया गया है। यह जानकारी ग्राम विकास अधिकारी राधाकिशन बैरवा ने दी है। उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के समारोह को सफल बनाने के लिए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दक्ष योग प्रशिक्षक रामकिशन गुर्जर बहादुरपुरा व रमेशकुमार वर्मा ने सभी शारीरिक शिक्षकों व पंचायत स्तर के योग शिक्षकों को योग प्रोटोकॉल के तहत प्रशिक्षण दिया गया।

आर्यिका विशुद्ध मति एवं विज्ञमति माताजी पहुंचे बरोनी

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में शुक्रवार को आर्यिका विशुद्ध मति माताजी एवं आर्यिका विज्ञ मति माताजी का निवाई से बरोनी के लिए मंगल विहार हुआ। आर्यिका माताजी के मंगल विहार में कई श्रद्धालु शामिल हुए। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला व सुनिल भाणजा ने बताया कि आर्यिका माताजी का ससंघ श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से रवाना होकर इन्द्रिरा कॉलोनी विस्तार, वैयरहाऊस व पहाड़ी चुंगी नाका होते हुए गांव बरोनी पहुंचे। जहां अरविन्द ककोड़, नवरत्न टोंग्या, बंटी कठमाणा, अर्पित लटुरिया, विमल पाटनी, अशोक सिरस, नेहरू बड़ागांव, राहुल लटुरिया, सुशील गिन्दोड़ी, त्रिलोक रजवास, विमल कठमाणा, मुकेश बनेठा, मनोज पाटनी, अनिल जैन, हर्षित संघी व मनीष जैन सहित जैन समाज के लोगों ने गांव बरोनी में स्थित कमल मोटर्स पर पाद प्रक्षालन करके अगुवानी की। उन्होंने बताया कि आर्यिका माताजी शनिवार को बरोनी से पराणा शिवाड़ होते हुए सवाई माधोपुर पहुंचेंगे।

धूमधाम से मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

निवाई। सिंधी कॉलोनी में स्थित झूलेलाल धर्मशाला में पुष्करदास महाराज के सानिध्य में आयोजित संगीतमय भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। पुष्करदास महाराज ने कहा कि भगवान से जुडऩा ही परम भागवत है। बेटी जवाई की अमानत, बेटे बहुओं की अमानत, शरीर श्मशान की अमानत, हर इंसान के साथ परमात्मा की शक्ति चलती है, किसी ने पहचाना नहीं है। जहां सत्य है वही पर ईश्वर है। कथा में कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया और सभी श्रोता भजनों पर झूम उठे और जयकारे लगाए। सभी भक्तों को बधाई स्वरूप प्रसाद दिया गया।

खेल जगत

इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका यानि देशों में टेस्ट सीरीज जीतना उनके लिए खिताब से बड़ा है। हर साल आता है, लेकिन इंग्लैंड जैसी जगह पर टेस्ट सीरीज खेलने का मौका करियर में 2-3 बार ही मिलता है।

- शुभमन गिल

भारतीय टेस्ट कप्तान, अपने खेल के बारे में बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

सचिन तेंदुलकर

दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा- मुझे खुशी है कि उनके (टाइगर पटौदी) के सम्मान में एक पदक देने का फैसला किया गया है। पटौदी ट्रॉफी के रिटायरमेंट पर विवाद हो गया था। ऐसे में तेंदुलकर ने पटौदी की विरासत को कायम रखने की पहल की। इस बार भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के विजेता को एक नई ट्रॉफी दी जाएगी, जो सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन के नाम पर होगी। यह दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के सम्मान में एक नई पहल है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट अगस्त 2021 में हुआ था, अब इंग्लैंड ने एक पारी और 76 रनों से बड़ी जीत दर्ज की थी।

ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव

विंडीज के खिलाफ टेस्ट से लाबुशेन बाहर

नई दिल्ली, 20 जून। बारबाडोस में 25 जून से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाले टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टीम में दो बड़े बदलाव किए हैं। मार्नस लाबुशेन को खराब फॉर्म के कारण टीम से बाहर किया गया है, जबकि स्टीव स्मिथ चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह सैम कोंस्टस और जोश इंग्लिस को टीम में शामिल किया गया है।

ऑस्ट्रेलिया ने अपनी बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने का फैसला वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद लिया है। लाबुशेन फाइनल में दोनों पारियों में 39 रन ही बना पाए थे लाबुशेन को फाइनल में ओपनिंग की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन वह 17 और 22 रन ही बना सके। पिछले दो सालों से उनका फॉर्म खराब चल रहा है।

चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा,मार्नस अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में टीम के लिए अहम हो सकते हैं। हम उनके साथ उनकी कमजोरियों को सुधारने पर काम करेंगे। हमें उनकी क्षमता पर भरोसा है और उम्मीद है कि वह इस चुनौती का सकारात्मक जवाब देंगे। कोंस्टस को तीसरा टेस्ट खेलने का मौका कोंस्टस को तीसरा टेस्ट खेलने का मौका मिलेगा, जिन्होंने भारत के खिलाफ मेलबर्न में डेब्यू पर 65 गेंदों में 60 रन बनाए थे। वहीं, इंग्लिस ने इस साल गाले में श्रीलंका के खिलाफ डेब्यू टेस्ट में शतक जड़ा था।

स्मिथ फाइनल में चोटिल हो गए थे स्मिथ को लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे दिन टेम्बा बवुमा का कैच पकड़ने का प्रयास करने के दौरान दाहिने हाथ की छोटी उंगली में चोट लगी थी। सर्जरी से बचने के लिए उन्हें आठ सप्ताह तक स्प्लिंट पहनना होगा। हालांकि, उम्मीद है कि वह वेस्टइंडीज सीरीज के बाद के मैचों में वापसी कर सकते हैं। बेली ने कहा,स्टीव को घाव ठीक होने के लिए और समय चाहिए। हम एक हफ्ते बाद उनकी स्थिति की समीक्षा करेंगे।

बेली ने कोंस्टसऔर इंग्लिस को मौका देने पर उत्साह जताया। उन्होंने कहा, जोश ने श्रीलंका में अपने डेब्यू टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था। वह विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं। प्लेइंग इलेवन और बल्लेबाजी क्रम की घोषणा टेस्ट के करीब होगी, लेकिन कोंस्टस के उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग करने की संभावना है। पिच की स्थिति के आधार पर ऑस्ट्रेलिया दो स्पिनरों – नाथन लियोन और मैट कुह्नमैन – को उतार सकता है।

गेंदबाजों ने दिलाई बांग्लादेश को 10 रनों की बढ़त

गॉले (श्रीलंका), 20 जून। नईम हसन (पांच विकेट) और हसन महमूद (तीन विकेट) ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन शुक्रवार को दूसरे सत्र में श्रीलंका की पहली पारी को 485 रन रोकने के बाद बंगलादेश ने 10 रनों की मामूली बढ़त ले ली है। श्रीलंका ने कल के चार विकेट पर 368 रनों के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। श्रीलंका का आज सुबह के सत्र में पांचवां विकेट कप्तान धनंजय डीसिल्वा (19) के रूप में गिरा। उन्हें नईम हसन महमूद ने विकेटकीपर लिटन कुमार दास के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद बंगलादेश की गेंदबाजी आक्रमण के आगे श्रीलंका के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके। कुसल मेंडिस (पांच) को हसन महसमूद ने आउट किया। मिलन रत्नायके (39), थरिंडु रत्नायके (शून्य) और असिता फर्नांडो (चार) रन बनाकर आउट हुये।

सुद्रासन की नौ बेटियों ने रचा इतिहास

राजकीय बालिका फुटबॉल अकादमी कोटा के लिए सुद्रासन की 9 बालिका खिलाड़ियों का चयन

डीडवाना, 20 जून। । जिले के सुद्रासन गांव की नौ बेटियों ने एक साथ राज्य स्तरीय फुटबॉल अकादमी में चयनित होकर इतिहास रच दिया है। कोटा स्थित राजकीय बालिका फुटबॉल एकेडमी में इन होनहार बेटियों का चयन हुआ है। इस अभूतपूर्व सफलता के पीछे हैं कोच शादाब उस्मानी, जिन्होंने अपनी मेहनत से एक छोटे गांव को राज्य स्तरीय पहचान दिलाई है।

सुद्रासन गांव प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है। इस गांव में आज जश्न का माहौल है। वजह भी खास है – गांव की एक-दो नहीं, बल्कि नौ बेटियों ने राजकीय बालिका फुटबॉल एकेडमी कोटा में अपना स्थान पक्का किया है। इन बेटियों की इस उपलब्धि के पीछे डीडवाना के कोच शादाब उस्मानी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

शादाब ने अपनी मेहनत, लगन और समर्पण भाव से सुद्रासन गांव की बालिकाओं को ना केवल खेल के लिए प्रोत्साहित किया, बल्कि वे रोजाना 35 किलोमीटर का सफर तय कर गांव जाते ओर बेटियों को फुटबॉल का प्रशिक्षण देते रहे। अब उनकी मेहनत रंग लाई है और बीते दिनों जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में बालिका फुटबॉल चयन ट्रायल प्रक्रिया में सुद्रासन गांव की करीब दस बालिका खिलाड़ियों में से 9 खिलाड़ियों का राजकीय बालिका फुटबॉल एकेडमी कोटा के लिए चयन हुआ है। अब यह बेटियां राष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग के लिए कोटा जाएंगी।

बेटियों के चयन और उपलब्धि पर बलदेव राम मिर्धा स्टेडियम में स्वागत समारोह आयोजित किया, जिसमें मारवाड़ फुटबॉल एकेडमी के डायरेक्टर डॉक्टर सोहन चौधरी ने कोच शादाब उस्मानी के साथ ही चयनित सभी 9 बालिकाओं का भी स्वागत कर हौसला अफजाई की। इस मौके पर डॉक्टर सोहन चौधरी ने कहा कि सुद्रासन गांव की बेटियों ने अपनी मेहनत के दम पर खेल की दुनिया में अपनी पहचान बनाई है और डीडवाना सहित देशभर के लिए एक मिसाल बनी है। इसलिए जरूरत है ऐसे ही प्रयासों को प्रोत्साहन देने की, ताकि हर गांव से प्रतिभाएं उभरती रहे और देश का नाम रोशन करती रहे।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के शुभंकर ‘विराज’ का हुआ अनावरण

नई दिल्ली, 20 जून। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अभिनेत्री सांसद कंगना रनौत ने शुक्रवार को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के शुभंकर ‘विराज’ का अनावरण किया। आज यहां आयोजित एक समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की ब्रांड एंबेसडर कंगना रनौत ने 27 सितंबर से जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शुरु होने वाले इस टूर्नामेंट के शुभंकर ‘विराज’ का अनावरण किया गया।

इस अवसर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह आयोजन केवल भारत की खेल शक्ति का प्रतीक नहीं है, बल्कि पैरा खिलाड़ियों के अदम्य साहस, जज़्बे और जुझारूपन का महोत्सव है। उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खेल जगत में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। विशेषकर पैरा खिलाड़ियों को दी गई विश्वस्तरीय सुविधाओं और सम्मान ने भारत को पैरा गेम्स में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में हिस्सा लेने वाले सभी पैरा खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार सभी खेलों और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने और इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है। इस अवसर पर भारतीय पैरा ओलंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया, मुख्य संरक्षक वनाठी श्रीनिवासन और दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद और अनय गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

कार्यालय नगरपालिका देवली (टोंक) राज.
Office of The Municipal Board, Deoli (Tonk) Rajasthan
Tel.- (01434) 232013, E-mail : npdeoli@gmail.com

क्रमांक/न.पा.दे./विकास/ई निविदा/2025–26/2339 दिनांक : 17.06.2025

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या (03/2025–26)

नगरपालिका देवली (टोंक) द्वारा नगर निकाय देवली एवं राजस्थान सरकार के समुचित वर्ग के सूचीबद्व ठेकेदारों/संवेदको एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनो में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन–लाईन निविदा दिनांक 18.06.2025 को प्रातः 9.00 बजे से 23.06.2025 को सायं 06.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित निविदा प्रोसेसिंग शुल्क एवं निविदा शुल्क जरिये RTGS/NEFT द्वारा HDFC Bank Account Number 25991450000134 IFSC Code HDFC0002599 में दिनांक 23.06.2025 को सायं 6.00 बजे तक जमा करवाकर Transction ID सहित बैंक स्टेटमेन्ट की प्रति ऑनलाईन अपलोड करनी होगी। तकनीकी बिड दिनांक 24.06.2025 को एवं वित्तीय बिड तकनीकी निविदा सफल होने के बाद खोली जावेगी। निविदा फार्म एवं ई–निविदा से सम्बन्धित विवरण व शर्तें वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय समय में उपलब्ध है। 01 कार्य की कुल लागत 24.95 लाख है।

NIB Code – DLB2526A2586
UBN No. - DLB2526WSLB08164

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका देवली

राज.संवाद/सी/25/4471

गली क्रिकेट टीम बनी चैम्पियन

रतनगढ़, 20 जून। शहर के न्यू लिंक रोड पर चौधरी मुक्तिधाम के सामने स्तिथ केडी स्पोटर्स ग्राउंड पर चल रही रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का सम्मापन गुरुवार देर रात हुआ। आयोजक सुनील वर्मा ने बताया कि। एक सप्ताह तक चली प्रतियोगिता में कुल 16 टीमो ने भाग लिया। गुरूवार रात गली क्रिकेट टीम व आर स्टार के मध्य फाइनल मैच खेला गया। जिसमें गली क्रिकेट टीम ने शानदार जीत दर्ज करते हुए ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया। मैच समापन पर बीसीएमओ डॉ मनीष तिवाड़ी के मुख्य अतिथ्य में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें समाजसेवी राजेंद्र सिंह बिदावत, नर्सिंग ऑफिसर गौरीशंकर सैनी, अमित सैनी चूरू एंव गजेन्द्र सिंह शेखवात चूरू मंचस्थ थे। इस दौरान विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 11 हजार नगद, एंव उप विजेता टीम को ट्रोफी के साथ 5 हजार नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बीसीएमओ डॉ मनीष तिवाड़ी ने कहा कि खेल युवाओं के लिए अति आवश्यक है, खेल से युवा वर्ग फिट रहता है। और युवा वर्ग फिट रहेगा तभी देश ओर समाज आगे बढ़ेगा। विजेता व उप विजेता टीम को ट्रॉफी का वितरण संजीवनी हॉस्पिटल के आर्थिक सौजन्य से किया गया। सफल अयोजन के लिए आयोजक सुनील वर्मा,चंद्रप्रकाश सुईवाल,अनिल वर्मा व अशोक वर्मा ने सभी का आभार जताया। मैच का आंखों देखा हाल देवीसिंह पंवार व कान्हा ने संयुक्त रूप से किया।

सभी जिला संघ के क्रिकेट मैदान, क्रिकेट एकेडमी पर अनुभव योगा टीचर द्वारा योग दिवस आयोजित करे : बिहानी

जयपुर, 20 जून। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 11 वर्ष पूर्व अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित करने की घोषणा के साथ हर वर्ष 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे भारत वर्ष में आयोजित किया जा रहा है। इसी तरह राज्य स्तरीय योग दिवस का आयोजन खुहडी सैंड हुन्स, जैसलमेर में किया जा रहा है जिसके मुख्य अतिथि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा योग दिवस में शामिल होंगे। जयदीप बिहाणी, संयोजक तदर्थ समिति, आरसीए द्वारा समस्त जिला संघो से निवेदन किया है कि सभी जिला संघ के क्रिकेट मैदान, क्रिकेट एकेडमी पर कल प्रातकाल अनुभव योगा टीचर द्वारा योग दिवस आयोजित कर खिलाड़ियों को स्वास्थ्य के प्रति प्रोत्साहित करें।

के.एल. सैनी क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 20 जून। अंडर-16 अरावली कप में राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 38 ओवर में 153 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। पुनीत यादव ने 34 और रौनक राकेश गुप्ता ने 31 रनों का योगदान दिया! के एल सैनीक्रिकेट अकादमी की ओर से गोरांश शर्मा ने चार और सतवीर जाट ने तीन विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी के एल सैनीक्रिकेट अकादमी ने 154 रन 8 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। साइओम ने 29, धनुष ने 28 और दीनदयाल सैनी ने 24 रनों का योगदान दिया।राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी की ओर से अथर्व सिंह और शुभम गुर्जर ने दो-दो विकेट लिए। मैन ऑफ़ द मैच सतवीर जाट को चुना गया।

राजस्थान राज्य जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता कल से कोलीडा सीकर में

जयपुर, 20 जून। राजस्थान फुटबाल संघ के तत्वाधान मेंराजस्थान राज्य जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता 22 जून से 24 जून 2025 कोलीडा जिला सीकर में आयोजित की जा रही है। राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि प्रतियोगिता में 23 जिले ओर राजस्थान खेल परिषद की अकादमी जोधपुर की टीम भाग लेगी जिसमें लगभग 400 खिलाड़ी भाग लेगे।

प्रतियोगिता के मैच कोलीडा ओर जेरथी के फुटबाल मैदानों में खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में से चुने हुए खिलाड़ी राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता में भाग लेगे जो कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के द्वारा आयोजित की जाएगी। जिला फुटबाल संघ सीकर के सचिव सुरेन्द्र मील जी ने बताया कि प्रतियोगिता की सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। राजस्थान के विभिन्न जिलों से पहुंचने वाले खिलाड़ियों का जिला फुटबाल संघ की तरफ से स्वागत है।

अध्यक्ष कर्नल मानवेन्द्र सिंह जसोल ओर महिला विंग चेयरपर्सन रोशनी टॉक ने बताया कि राजस्थान फुटबाल संघ के द्वारा गत वर्षों से सभी आयु वर्गों बालक व बालिका में प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जा रहा है जिससे अधिक से अधिक खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिले और राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिताओं में गत वर्ष की भाती अच्छे परिणाम मिले। प्रतियोगिता का ड्रा राजस्थान फुटबाल कार्यालय में सचिव दिलीप सिंह शेखावत, कृष्ण अवतार उपाध्यक्ष राजस्थान फुटबाल संघ जसवंत सिंहा अंतर्राष्ट्रीय फुटबाल खिलाड़ी व अब्दुल जब्बार राष्ट्रीय खिलाड़ी की मौजूदगी में निकाला गया।

राजस्थान जूनियर स्टेट तैराकी 12 जुलाई से कोटा में

जयपुर, 20 जून। राजस्थान तैराकी संघ और कोटा जिला संघ की संयुक्त मेजबानी में राजस्थान जूनियर स्टेट तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन 12 से 14 जुलाई तक कोटा के विजयराजे सिंधिया तरणताल पर किया जाएगा। राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने आज यहां बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर से तैराक हिस्सा लेंगे।

व्यास ने बताया कि स्वीमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के जूनियर स्तर पर किए बदलाव के बाद अब राज्य चैंपियनशिप में जूनियर ग्रुप-2 में जहां 13 और 14 वर्ष आयु के तैराक हिस्सा ले सकेंगे, वहीं जूनियर ग्रुप-1 में 15, 16 और 17 वर्ष के तैराक शामिल होंगे। व्यास ने बताया कि एक तैराक अधिकतम पांच स्पर्धाओं में अपनी एंट्री भेज सकता है।

जूनियर चैंपियनशिप के लिए कोटा के प्रमोद यादव को आयोजन सचिव नियुक्त किया गया है।

प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले तैराक अपनी एंट्री आयोजन सचिव को 28 जून तक भेज सकते हैं। प्रतियोगिता में फेडरेशन के डाटाबेस पर रजिस्टर्ड और यूआईडी धारक तैराक ही हिस्सा ले सकेंगे। अनिल व्यास ने बताया कि फ्रीस्टाइल वर्ग में 50, 100, 200, 400, 800 और 1500 मीटर की स्पर्धाएं होंगी, जबकि बैक स्ट्रोक में 50, 100 और 200 मीटर, ब्रेस्टस्ट्रोक में 50, 100 और 200, बटरफ्लाई में 50, 100 और 200, व्यक्तिगत मेडले में 200 और 400 मीटर, फ्रीस्टाइल रिले में 4 गुणा 100 और 4 गुणा 200 मीटर तथा मेडले रिले में 4 गुणा 100 मीटर की स्पर्धा होगी। इस तरह 20 स्पर्धाओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों के लिए मुकाबला होगा।

व्यास ने बताया कि स्टेट चैंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर ही 10 अगस्त से अहमदाबाद में होने वाली जूनियर नेशनल चैंपियनशिप के लिए राजस्थान टीम का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्टेट चैंपियनशिप में फेडरेशन द्वारा निर्धारित मापदंड को पूरा करने, नया कीर्तिमान स्थापित करने और अपनी स्पर्धा में व्यक्तिगत चैंपियन बनने वाले तैराक ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए पात्र होंगे।

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND

S.No./M.B.Nath/Nit/Cont./25/ 7739 Date : 17-06-2025

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 20 /2025-26 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders upto date 03-07-25 on18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.

UBN No. – 1. DLB2526WSOB08325, 2. DLB2526WSOB08326

Commissioner,
Municipal Board Nathdwara

Raj.Samwad/C/25/4599

कार्यालय नगर पालिका मण्डल बांदीकुई (दौसा)
Email: bandikui.jaipur@gmail.com

क्रमांक :– न.पा.बा./2025/947 दिनांक :– 16.06.2025

BID सूचना

समस्त पंजीकृत संवेदक/सामाजिक संस्थाओ को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका बांदीकुई NIB Code. DLB2526A2575 तथा UBN No. DLB2526WSRC08145 कार्य करवाना चाहती है अतः इच्छुक व्यक्ति नियत दिनांक 25.06.2025 को सायः 06:00 बजे तक अपनी दर ऑनलाईन प्रस्तुत कर सकते है। निविदा आनलाईन बेबसाईट http://sppp..goverment.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविंदा से संबंधित शर्ते उपरोक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है ।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका बांदीकुई

राज.संवाद/सी/25/4470

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- जो.वि.प्रा./पश्चिम/2025-26/राजकाज 15964873 दिनांक :- 18/06/2025

ई-बिड सूचना संख्या :- जोन पश्चिम/03/2025-26

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्यों हेतु मुहरबंद बिड आमंत्रित की जाती हैं। इन कार्यों की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.joda.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code : JOD2526A0051,
UBN No. : JOD2526WSOB00126 & JOD2526WSOB00127

राज.संवाद/सी/25/4652 अधिशाषी अभियंता (पश्चिम)

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर
Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013
E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner

क्रमांक - बीविप्रा./बीका/अ.अभि/2025-26/2754 दिनांक :- 17/06/2025

ई - बिड सूचना संख्या 14-III-2025-26

बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से Council of Architecture (COA) में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत फर्म से Consultancy कार्य हेतु मुहरबंद निविदा आमंत्रित की गई है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तों आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner पर देखा जा सकता है।

(UBN No. :- ITB2526WSOB00080)

राज.संवाद/सी/25/4650 अधिशाषी अभियन्ता

Rajasthan State Pollution Control Board
Headquarter, 4, Institutional Area, Jhalana Doongri, Jaipur-302004
Phone 0141-27168049, 2716800, E-mail : member-secretary@rpcb.nic.in

F.12(Project-38)/RSPCB/ Date :

Inviting Applications for engagement of Young Interns purely on contract basis at Rajasthan State Pollution Control Board

Rajasthan State Pollution Control Board invites applications for Young Interns at RSPCB purely on contract basis for a period of one year, which is extendable up to a maximum period of one year based on satisfactory performance. Further details are available at RSPCB website:

https://environment.rajasthan.gov.in/content/environment/en/rajasthan-state-pollution-control-board.html#

Application addressed to the MS, RSPCB with application form, CV having details of address, mobile and email for correspondence with relevant supporting documents, experience certificates, etc., shall be submitted to the Member Secretary, Rajasthan State pollution Control board, 4 Institutional Area, Jhalana Doongri, Jaipur by 25.06.2025 physically or by email at interns2025rspcb@gmail.com.

Raj.Samwad/C/25/4639 Member Secretary

कार्यालय नगरपालिका दूनी (टोंक) राज.
Office of the Municipal Board, Dooni (Tonk) Rajasthan

क्रमांक : न.पा.दू./ई–निविदा/2025–26/721 दिनांक : 16.06.2025

–: निविदा सूचना संख्या (02/2025–26) :–

नगरपालिका दूनी (टोंक) द्वारा नगर निकाय दूनी एवं राजस्थान सरकार के समुचित वर्ग के सूचीबद्व ठेकेदारों/संवेदको एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनो में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई– प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदा दिनांक 18.06.2025 से 30.06.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक दरें आमंत्रित की जाती है। तकनीकी बिड दिनांक 30.06.2025 को सायं 04.00 बजे एवं वित्तिय बिड तकनीकी निविदा सफल होने के बाद खोली जावेगी। निविदा फार्म एवं निविदा से ई–निविदा सम्बन्धित विवरण व शर्ते वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय समय में कार्यालय में उपलब्ध है। 01 कार्य की कुल लागत 40.00 लाख है।

NIB Code – DLB2526A2592
UBN No. – DLB2526SLRC08183

प्रशासक (RAS) नगरपालिका दूनी (टोंक) — अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका दूनी (टोंक)

राज.संवाद/सी/25/4466

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक–निर्माण शाखा/निविदा/2025/934–36 दिनांक : 17.06.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 16.06.2025 से दिनांक 26.06.2025 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 27.06.2025 को सांय 5 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/– का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code- DLB2526A2525

UBN :- DLB2526WSOB07970, DLB2526WSOB07974, DLB2526WSOB07981, DLB2526WSOB07983, DLB2526WSOB07992, DLB2526WSOB07993, DLB2526WSOB07994, DLB2526WSOB07995, DLB2526WSOB07996, DLB2526WSOB07997, DLB2526WSOB07998, DLB2526WSOB07999, DLB2526WSOB08000, DLB2526WSOB08001, DLB2526WSOB08002, DLB2526WSOB08003, DLB2526WSOB08004, DLB2526WSOB08006, DLB2526WSOB08007, DLB2526WSOB08008

राज.संवाद/सी/25/4512 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान
राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल–कोटा
email :nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :– ननिको/दक्षिण/निर्माण/2025/343–357 दिनांक :–18.06.2025

ई–निविदा सूचना संख्या :19/2025–26

नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों सेनिम्नांकित कार्यो हेतु कुल राशि 132.38 लाख रूपये की ऑन लाईन निविदायें दिनांक 23.06.2025 से दिनांक 30.06.2025 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्तें इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	132 केवी महावीर नगर जी.एस.एस. से नया बस स्टेण्ड सुभाष नगर तक 33 केवी केबल का रेस्ट्रोरेशन का कार्य।	7.43
2	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 71 तलवण्डी सेक्टर 02 व 03 में आर.सी.सी. नाला निर्माण एवं विभिन्न स्थानो पर विभिन्न प्रकृति के सिविल निर्माण/मरम्मत कार्य।	95.00
3	नगर निगम कोटा दक्षिण की सीमा क्षेत्र में आने वाले एस.एन. पारीक हॉस्पिटल से मोदी कॉलेज पुलिया होते हुये धोकड़े वाले हनुमान जी तक नाले की दिवारों पर प्लास्टर मरम्मत, रंगाई, पुताई एवं पैन्टिंग का कार्य।	29.95

NIB Code No.DLB2526A2623 UBN No.DLB2526WSOB08319
UBN No.DLB2526WSOB08320 UBN No.DLB2526WSOB08321

अधिशाषी अभियन्ता
नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/4616

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभास्मि शशि सूर्ययोः
रजि. ऑफिस.- विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर-302005
Website : http://energy.rajasthan.gov.org/jvvnl, कार्यालय मुख्य अभियन्ता (कोटा संभाग)
नयापुरा पॉवर हाऊस, खाई रोड, कोटा- 324001, दूरभाष नं. 0744- 2320881, 2450066, ईमेल :- zcekz@jvvnl.org

ई - निविदा सूचना

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा विभिन्न कार्यों हेतु दो भागों में ई–निविदा (तकनीकी–वाणिज्यिक) एआरसी 2023 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। झालावाड़ वृत में सहायक अभियन्ता (पवस), बकानी के अन्तर्गत 33/11 केवी बकानी–।। सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी व 11 केवी लाईन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–17/2025–26) (UBN:VVN2526WSOB00111), सहायक अभियन्ता (पवस), सुनेल के अन्तर्गत 33/11 केवी ओसाव सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी लाईन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–18/2025–26) (UBN:VVN2526WSOB00112), सहायक अभियन्ता (पवस), डग के अन्तर्गत 33/11 केवी धतूरीया सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी लाईन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–19/2025–26) (UBN:VVN2526WSOB00113), बारां वृत में सहायक अभियन्ता (पवस), शाहबाद के अन्तर्गत 33/11 केवी संदोकड़ा सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी व 11 केवी लाईन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–20/2025–26) (UBN:VVN2526WSOB00114), सहायक अभियन्ता (पवस), मांगरोल के अन्तर्गत परवन परियोजन सिंगोना प्रोजेक्ट के नवीन कनेक्शन हेतु 3.60 किमी 3 फेज़ 11 केवी लाईन, सबस्टेशन व 33/11 केवी ईश्वरपुरा में 11 केवी बे एक्सटेंशन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–21/2025–26) (UBN:VVN2526WSOB00115), बूंदी वृत में सहायक अभियन्ता (पवस), तालेड़ा के अन्तर्गत 33/11 केवी गुवार सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी व 11 केवी लाईन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–22/2025–26) (UBN:VVN2526WSOB00116). योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई–प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 20.06.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदाऐं ऑनलाईन ई–पोर्टल पर दिनांक 30.06.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/4625 जेपीआर - 3010 (2025) संभागीय मुख्य अभियंता (कोटा संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

जनजाति क्षेत्र में बिजली कनैक्शन समय पर जारी करें : मुख्यमंत्री

अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद में मुख्यमंत्री भजनलाल ने सरकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन पर जोर दिया

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती पर 15 से 30 जून तक चलाये जा रहे, "धरती आबा जन भागीदारी अभियान" में जन प्रतिनिधियों को सक्रिय भागीदार निभाने को कहा।

जयपुर, 20 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जनजातियों के कल्याण एवं ट्राइबल सब प्लान एरिया (टी.एस.पी. क्षेत्र) के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद केन्द्र एवं राज्य सरकार की महत्वूपर्ण योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रही है।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की ओर से आयोजित राजस्थान अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधि प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर 15 से 30 जून तक चलाए जा रहे धरती आबा जन-भागीदारी अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए इसे सफल बनाएं। उन्होंने वनाधिकार अधिनियम-2006 के तहत लंबित व्यक्तिगत एवं सामुदायिक दावों का शीघ्र निस्तारण कर अधिकारपत्र जारी करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की ओर से आयोजित राजस्थान अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद की बैठक को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने जलसंसाधन विभाग की परियोजनाओं तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की गतिविधियों में प्रगति लाने के निर्देश दिए, और जनजाति क्षेत्र में बिजली कनेक्शन समय पर जारी करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने टीएसपी क्षेत्र में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत रोगियों की पहचान और उपचार सहायता पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा।

इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, विधायक समाराम, फूल सिंह मीणा, प्रताप लाल भील, श्रीमती शान्ता अमृत लाल मीणा, गोपीचंद मीणा, ललित मीणा, महेन्द्र पाल मीणा, हंसराज मीणा, राजेन्द्र मीणा, रामबिलास, शंकर लाल डेचा एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

'महाप्रभु की धरती पर आना था इसलिए नहीं गया अमेरिका'

भुवनेश्वर, 20 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने अमेरिका आने का राष्ट्रपति ट्रंप का निमंत्रण इस कारण स्वीकार नहीं किया क्योंकि उन्हें महाप्रभु की धरती ओडिशा आना था।

मोदी ने ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर यहां आयोजित कार्यक्रम में कहा कि दो दिन पहले वह कनाडा में जी7 देशों की शिखर बैठक में भाग लेने गये थे और अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने उन्हें फोन कर अमेरिका आने का न्योता दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, ट्रंप ने मुझ से कहा कि आप कनाडा तो आए ही हैं, तो वॉशिंगटन होकर के जाइए, साथ में खाना खाएंगे, बातें करेंगे। उन्होंने बड़े आग्रह से निमंत्रण दिया। मैंने अमेरिका के राष्ट्रपति को कहा कि आपका निमंत्रण के लिए धन्यवाद, मुझे तो महाप्रभु की धरती पर जाना बहुत जरूरी है। और इसलिए मैंने उनके निमंत्रण को नम्रतापूर्वक मना किया और आपका प्यार, महाप्रभु की भक्ति मुझे इस धरती पर खींच करके ले आई है।

'अंग्रेजी जंजीर नहीं जंजीर तोड़ने का जरिया है, यह शर्म नहीं शक्ति है'

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमित शाह के, अंग्रेजी भाषा के खिलाफ दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा

- राहुल ने कहा अगर आप अंग्रेजी सीख जाते हैं तो कहीं भी घुस सकते हैं। आपके लिए बड़ी नौकरियों के दरवाजे खुल सकते हैं।
- राहुल ने कहा, भाजपा व आरएसएस वाले नहीं चाहते कि गरीब के बच्चे अंग्रेजी सीखें।

नई दिल्ली, 20 जून। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के अंग्रेजी बोलने वाले बयान पर कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पलटवार किया है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नहीं चाहते कि गरीब के बच्चे अंग्रेजी सीखे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है। अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है। अंग्रेजी जंजीर नहीं - जंजीरें तोड़ने का औजार है। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, भाजपा-आरएसएस वाले नहीं चाहते हैं कि गरीब के बच्चे पढ़ -लिखकर सवाल पूछें, आगे बढ़ें और बराबरी करें। आज के समय में अंग्रेजी उतनी ही जरूरी है जितनी आपकी मातृ भाषा - क्योंकि यही रोजगार दिलाएगी और आत्मविश्वास बढ़ाएगी।

राहुल ने कहा कि भारत की हर भाषा में आत्मा है, संस्कृति है, ज्ञान है। हमें उन्हें संजोना है - और साथ ही हर बच्चे को अंग्रेजी सिखानी है। यही रास्ता है एक ऐसे भारत का, जो दुनिया से मुकाबला करे, जो हर बच्चे को बराबरी का मौका दे।

राहुल ने पोस्ट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है। जिसमें वह बता रहे हैं कि अंग्रेजी एक हथियार है। आप अगर अंग्रेजी सीख जाते हैं तो कहीं भी घुस सकते हैं। आप अमेरिका, जापान और कहीं भी जा सकते हैं। आप कहीं भी काम कर सकते हैं। अंग्रेजी के खिलाफ जो लोग हैं वो नहीं चाहते हैं कि आपको करोड़ों रुपये की नौकरी मिले। वो चाहते हैं कि दरवाजा आपके लिए बंद रहे।

बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि जल्द ही भारत में ऐसा समय आएगा जब अंग्रेजी बोलने वाले खुद को शर्मिंदा महसूस करेंगे। ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं है। किसी विदेशी भाषा में आप अपनी संस्कृति, धर्म और इतिहास को नहीं समझ सकते हैं। गृहमंत्री ने यह बात आशुतोष अग्निहोत्री की किताब के विमोचन के मौके पर कही थी।

एयर इंडिया ने चार इंटरनैशन फ्लाइट्स सहित आठ फ्लाइट्स कैंसल कीं

नई दिल्ली, 20 जून। एअर इंडिया ने एक बार फिर अपनी कई उड़ान सेवाएं रद्द कर दी हैं। एयरलाइन की ओर से अब तक चार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों सहित आठ फ्लाइट्स को रद्द करने की सूचना दी गई है।

एयरलाइन ने बताया कि शुक्रवार को रखरखाव और परिचालन संबंधी कारणों से एअर इंडिया ने चार अंतरराष्ट्रीय सेवाओं सहित आठ उड़ानें रद्द कर दी हैं। यात्रियों के लिए जल्द से जल्द अपने गंतव्यों तक उड़ान भरने के लिए ग्राउंड पर उसकी टीमें वैकल्पिक व्यवस्था कर रही हैं।

एयरलाइन ने कहा कि उसने यात्रियों से, टिकट रद्द करने पर पूरे पैसों की वापसी या यात्रा को फिर से निर्धारित करने की पेशकश की है।

एयरलाइन ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी उड़ान की स्थिति अपनी वेबसाइट पर देखें या अपडेट के लिए ग्राहक सेवा नंबर पर कॉल करें। बयान में आगे कहा गया, "विमानों पर बढ़ी जांच, हवाई क्षेत्र प्रतिबंध और खराब मौसम के कारण हम कुछ व्यवधानों से जूझ रहे हैं, जिसके बारे में यात्रियों को उचित रूप से सूचित किया जाएगा। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी उड़ानों की स्थिति यहां हमारी वेबसाइट पर देखें।"

इससे पहले एअर इंडिया ने गुरुवार को कहा था कि 21 जून से 15 जुलाई के बीच 16 अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उड़ानें कम की जाएंगी और तीन विदेशी गंतव्यों पर उड़ानें निलंबित रहेंगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने कहा था कि इसका उद्देश्य यात्रियों को अंतिम समय में होने वाली असुविधा को कम करना है। दरअसल, अहमदाबाद हादसे के बाद एयरलाइन ने अपने विमानों की जांच बढ़ा दी है और एहतियातन कई कदम उठा रही है।

'आरक्षण की 50 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में शामिल करने का आव्हान किया

उन्होंने कहा, यह काम 1994 में नरसिम्हा राव सरकार द्वारा तमिलनाडु में 69 प्रतिशत आरक्षण की रक्षा के लिए किया गया था।

उन्होंने संविधान में संशोधन करने की भी मांग की ताकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और ईबीसी के लिए आरक्षण की 50 सीमा को पार किया जा सके।

रमेश ने कहा कि यह सीमा पिछले छह दशकों में सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों के कारण ही लागू हुई है।

उन्होंने कहा, अनुच्छेद 15(5) निजी शैक्षिणक संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और ईबीसी के लिए आरक्षण की अनुमति देता है। यह पिछले 11 वर्षों से लागू नहीं हो पाया है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने 2006 में डॉ. मनमोहन सिंह सरकार द्वारा लाए गए इस संवैधानिक संशोधन को मान्यता दी था।"

रमेश ने कहा कि कांग्रेस निश्चित रूप से 21 जुलाई 2025 से शुरू हो रहे मानसून सत्र में सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण से जुड़े इन तीनों महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाएगी।

विमान हादसा: 223 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनकी मृत्यु के पश्चात उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। इस प्रकार सिविल अस्पताल से कुल 204 शव सौंपे जा चुके हैं।

उन्होंने बताया कि जिन 223 मृतकों के डीएनए मैच पाए गए हैं, उनमें 168 भारतीय नागरिक, सात पुर्तगाली, 36 ब्रिटिश नागरिक, एक कनाडाई और 11 गैर-यात्री यानी स्थानीय लोग शामिल हैं। इनमें 15 शव हवाई मार्ग से तथा 189 शव सड़क मार्ग से उनके आवासों तक पहुंचाए गए।

पासपोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पासपोर्ट तय समय में जारी करें। याचिकाकर्ता की शादी 2023 में हुई थी, लेकिन पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया था। तलाक का केस चल रहा है। रेवती ने इस साल अप्रैल में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) में पासपोर्ट के लिए आवेदन किया था। जब उसका आवेदन आगे नहीं बढ़ा तो उसने जानकारी ली, जिसके बाद उसे बताया गया कि उसे फॉर्म-जे में पति के हस्ताक्षर लेने होंगे, तभी पासपोर्ट आवेदन पर आगे कार्रवाई की जाएगी। आरपीओ ने यह भी कहा कि चूंकि पति-पत्नी के बीच कोर्ट में विवाद चल रहा है, इसलिए यह हस्ताक्षर जरूरी हैं।

रेवती ने इसके खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की। जज ने अपने फैसले में कहा कि कोर्ट के विचार में यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता द्वारा दिया गया पासपोर्ट आवेदन की स्वतंत्र रूप से प्रक्रिया की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी पत्नी को पासपोर्ट के लिए आवेदन करने से पहले पति की अनुमति या उसके हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। जज ने कहा कि आरपीओ की यह मांग यह दिखाती है कि हमारे समाज में विवाहित महिलाओं को अब भी पति की संपत्ति की तरह देखा जाता है। यह चौंकाने वाली बात है कि पासपोर्ट ऑफिस पति की अनुमति और एक विशेष फॉर्म में उसके हस्ताक्षर पर ही पासपोर्ट की प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा था। उन्होंने कहा कि जब पति-पत्नी के बीच रिश्ते पहले से ही बिगड़े हुए हैं, तब आरपीओ की ओर से पति के हस्ताक्षर की मांग करना याचिकाकर्ता से असंभव चीज की उम्मीद करने जैसा है।

राहुल गांधी, अब देश का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें शुभकामनाएं दीं और गुलदस्ते भेंट किए।

मुख्यधारा के समाचारपत्रों में उनके जन्मदिन पर पूरे पन्ने के विज्ञापन प्रकाशित किए गए, जो आमतौर पर प्रधानमंत्री के लिए आरक्षित रहते हैं।

राहुल गांधी लंबे समय से बेरोजगारी की समस्या और इस दिशा में नरेंद्र मोदी सरकार की निष्क्रियता की बात कर रहे हैं। इसी मुद्दे पर एक रोज़गार मेला आयोजित किया गया, जिसमें कई कंपनियों को आमंत्रित किया गया और 3000 से अधिक युवाओं को मौके पर ही नियुक्ति पत्र दिए गए।

संदेश साफ़ था, यदि विपक्ष के नेता पद पर रहते हुए वह इतना कुछ कर सकते हैं, तो यह समझा जा सकता है कि देश के प्रधानमंत्री के रूप में वह युवाओं और बेरोजगारों के लिए कितना ज्यादा कर सकते हैं।

राहुल गांधी जातीय जनगणना के अपने एजेंडे को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं, जिसे अब सरकार ने भी स्वीकार कर लिया है, और यह उनके नेतृत्व के लिए एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

राहुल गांधी ने एक समिति गठित की है, जिसमें मुख्य रूप से ओबीसी और दलित नेता शामिल हैं। इस समिति के अध्यक्ष कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया हैं, जो इस एजेंडे को और आगे बढ़ाएंगे।

दिलचस्प बात यह है कि सचिन पायलट और अशोक गहलोत दोनों ही इस समिति के सदस्य हैं।

कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी का यह आकलन है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आधार खिसक रहा है। भाजपा और संघ परिवार के भीतर गंभीर समस्याएं हैं। अमेरिका और डॉनल्ड ट्रंप अब नरेंद्र मोदी के समर्थक नहीं रहे।

इसके अलावा, बिहार को एनडीए से वापस जीतने की पूरी संभावना है, और इसका मुख्य कारण नीतीश कुमार को माना जा रहा है, जो एक कमज़ोर कड़ी बन गए हैं। सूत्रों का यह तक कहना है कि राहुल गांधी अब प्रधानमंत्री बनने की जल्दबाज़ी में हैं और उन्हें विश्वास है कि उनका पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक आधारित एजेंडा आने वाले समय में उन्हें बड़ा राजनीतिक लाभ दिलाएगा। यह राहुल गांधी 2004 के राहुल गांधी से एकदम अलग हैं, जो उस समय राजनीति की असल दुनिया और उसके तंत्र से पूरी तरह कटे हुए लगते थे।

राजनीति को स्वीकार करना उनके लिए एक लंबी प्रक्रिया रही है, लेकिन अब ऐसा लगता है कि वह परिवार की विरासत को आगे ले जाना चाहते हैं, जिसका इंतज़ार उनकी मां सोनिया गांधी लंबे समय से कर रही थीं।

विशाखापट्टनम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से ज़्यादा लोगों के भाग लेने की उम्मीद है।

आंध्र प्रदेश सरकार इस अवसर को यादगार बनाने के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के प्रयास का भी समन्वय कर रही है। इसके अतिरिक्त, आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत प्रतिभागियों को 50 लाख से ज़्यादा योग प्रमाणपत्र दिए जाएँगे, जिससे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का यह संस्करण देश की स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती की यात्रा में एक ऐतिहासिक क्षण बन जाएगा।

इज़रायल खुशी मना रहा है, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एयर डिफैंस सिस्टम नष्ट कर दिया है जो कि अब तक ईरान के फोर्दो और नतांज जैसे परमाणु केन्द्रों को बचाए हुए था। इज़रायल की सफलता ने इन ठिकानों को असुरक्षित कर दिया है। पर इज़रायल की यह सफलता ईरान को अपनी रणनीति बदलने को बाध्य कर सकती है और वह अब पारम्परिक प्रतिरोध के बजाय अंधाधुंध प्रतिशोध की नीति अपना सकता है।

यह बदलाव पहले से ही दिखने लगा है। लेबनान में हिज़बुल्लाह ने सीमा पार हमले तेज कर दिए हैं, यमन में हूथियों ने सऊदी और इज़रायली ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले फिर से शुरू कर दिए हैं, और यूएई में तेल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर साइबर हमलों की रिपोर्ट सामने आई है, जिनके पीछे ईरान का हाथ माना जा रहा है।

ईरान समर्थित तथाकथित 'प्रतिरोध धुरी' (एक्सिस ऑफ रैज़िस्टैंस) सक्रिय हो रही है, बहुत बड़े-बड़े हमलों से नहीं बल्कि छोटे-छोटे हमलों से, जो धीरे-धीरे नुकसान पहुँचाएं और डर पैदा करें।

इस बीच, खाड़ी देशों की राजशाहियों को एक नाज़ुक भू-राजनीतिक संतुलन साधना पड़ रहा है। सऊदी अरब और यूएई, भले ही ईरान को नियंत्रित करने के इज़रायली रणनीतिक लक्ष्य से सहमत हों, लेकिन वे खुद को पूर्ण युद्ध में झोंकने से बचना चाहते हैं।

2019 में अरामको रिफाइनरी पर हुए हमलों की यादें अभी भी ताज़ा हैं, और दोनों देशों ने चुपचाप इज़रायल और अमेरिका से संयम बरतने का आग्रह किया है, हालाँकि वे चुपचाप अपनी जमीन को पश्चिमी अभियानों के लिए लॉजिस्टिक आधार के रुप में इस्तेमाल होने दे रहे हैं।

इस पूरी स्थिति को वैश्विक शक्तियों की संभावित भागीदारी और जटिल बना रही है। यदि अमेरिका ईरान के, गहराई में स्थित परमाणु स्थलों पर सीधा हमला करता है, तो रूस या चीन की प्रतिक्रिया सामने आ सकती है, शायद सैन्य नहीं, लेकिन हथियारों की आपूर्ति, संयुक्त राष्ट्र में कूटनीतिक विरोध, या दक्षिण चीन सागर जैसे इलाकों में गतिविधियों के जरिए।

इस तरह, इज़रायल की सामरिक (टैक्टिकल) जीत, रणनीतिक (स्ट्रैटेजिक) रूप से भारी पड़ सकती है। फिलहाल ईरान की पारंपरिक सैन्य शक्ति को सीमित कर दिया गया है, लेकिन क्षेत्र को अस्थिर करने की उसकी क्षमता अब भी बरकरार है। यह इलाका एक नए चरण में प्रवेश कर चुका है, जहाँ असुरक्षा, आर्थिक कमज़ोरी और भू-राजनीतिक पुनर्गठन की आशंका है।

अगर इज़रायल और उसके सहयोगियों का लक्ष्य ईरान के परमाणु खतरे को समाप्त करना है, तो उन्हें यह समझना होगा कि ईरान को सैन्य रूप से कमज़ोर करना तो आसान काम था। असली चुनौती अब उस क्षेत्रीय तूफ़ान को संभालने की है जो इस कार्रवाई के बाद उठ सकता है, एक ऐसा संकट जिसे दुनिया की तेल-निर्भर अर्थव्यवस्थाएँ बिल्कुल भी झेल नहीं सकतीं।

ईडी ने वरिष्ठ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यायाधीश को पत्र लिखा, जिसमें ईडी की कार्रवाई की निंदा की गई और वेणुगोपाल को समन जारी करने के मामले में सीजेआई से स्वत: संज्ञान लेने का आग्रह किया गया। पत्र में कहा गया कि ईडी की इस कार्रवाई का "कानूनी पेशे की स्वतंत्रता" और "वकील-क्लाइंट गोपनीयता के मौलिक सिद्धांत" पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। पत्र में निम्नलिखित अनुरोध किए गए।

पहला, कानूनी पेशेवरों द्वारा अच्छी भावना से दी गई सलाह के लिए उन्हें दिए गए सम्मन की वैधता व औचित्य की जांच की जाए।

दूसरा, वकील-क्लाइंट गोपनीयता के और अधिक क्षरण को रोकने तथा बार की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए उचित दिशा-निर्देश निर्धारित करना। तत्पश्चात, ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर (मुंबई) ने तत्काल प्रभाव से उक्त समन को वापस ले लिया, जिसके अनुसार वेणुगोपाल को 24 जून को एजेंसी के सामने उपस्थित होने के लिए कहा गया था।

क्या वियतनाम, अफगानिस्तान, क्यूबा और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- पश्चिमी देशों ने बाद में दो बार, पश्चिमी देशों की समर्थक सरकारें बनाने का प्रयास किया था ईरान में, पर, दोनों बार मुँह की खायी थी।
- क्या इन असफल प्रयासों से सबक लेकर अमेरिका दोबारा ईरान में अपनी पिट्ठु सरकार बैठाने का प्रयास करने से पहले गंभीरता से सोचेगा।

लेकिन इसने लंदन और वॉशिंगटन में खलबली मचा दी।

ब्रिटेन, जो अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध था, ने शाह के साथ मिलकर, मोसद्देग को संसदीय माध्यमों से हटाने की कोशिश की, लेकिन विफल रहा। इसके बाद उन्होंने गुप्त तरीकों की ओर रुख किया।

"एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका" के अनुसार, मोसद्देग की साम्यवाद विरोधी विचारधारा के बावजूद, ब्रिटिश खुफिया एजेंसी ने अमेरिका को यह विश्वास दिलाया कि वे सोवियत प्रभाव के प्रति संवेदनशील हैं। तथा इसलिए अमेरिका को इसमें दखल देना चाहिए।

सीआईए ने ब्रिटिश सीक्रेट इंटेलिजेन्स सर्विस, जिसे एम आई 6 के नाम से जाना जाता था, के साथ मिलकर मोसद्देग को हटाने के लिए एक गुप्त अभियान शुरू किया।

सीआईए ने इसे "टी पी ए जे ए एक्स" नाम दिया और एमआई6 ने इसे "ऑपरेशन बूट" कहा।

इस तख्तापलट की तैयारी के दौरान, सीआईए और एमआई6 ने मोसद्देग विरोधी माहौल तैयार किया। उन्होंने दुष्प्रचार अभियान चलाया, प्रमुख राजनीतिक और धार्मिक नेताओं को डराया-धमकाया और जनता में अशांति फैलाई।

"द गार्जियन" की रिपोर्ट के अनुसार, 2013 में सार्वजनिक किए गए सीआईए दस्तावेज़ों में इस तख्तापलट का एक अंदरूनी मसौदा इतिहास भी है, जिसका शीर्षक है: "ईरान में एक पश्चिम समर्थक सरकार को स्थापित करने का अभियान"। इसका उद्देश्य था: "कानूनी या गैर-कानूनी तरीकों से मोसद्देग सरकार को हटाना और उसकी जगह शाह के नेतृत्व में पश्चिम समर्थक बनाकर, जनरल ज़ाहेदी को प्रधानमंत्री बनाना।"

इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, 1953 में तेहरान में शाह समर्थक प्रदर्शनकारियों जिसे सेना का समर्थन प्राप्त था तथा अमेरिका और ब्रिटेन से वित्तपोषित थे-के बीच झड़पें हुईं, जिनमें लगभग 300 लोग मारे गए।

यह तख्तापलट सफल रहा। मोसद्देग को गिरफ्तार कर लिया गया, उन्हें तीन साल जेल में और फिर जीवनभर नजरबंद रखा गया। जनरल फ़ज़ल्लाह ज़ाहेदी को नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया।

सीआईए ने ज़ाहेदी को सत्ता संभालने के दो दिन के भीतर 50 लाख डॉलर की गुप्त मदद भी दी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908